शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कांग्रेस को हरियाणा में अहंकार और अति आत्मविश्वास के कारण ...: सुरेश @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 10 अक्टूबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-6 | अंक-281

भारत विरोधी गतिविधियों के लिए हो रही विदेशी फंडिंग

आयकर विभाग की जांच में सनसनीखेज खुलासा

भारत विरोधी एजेंडा चला रहे पांच एनजीओ

षडयंत्रकारी पूंजीपति सॉर्ज सोरोस से एनजीओ को मिल रहा धन

फॉरेन कंट्रीब्यूशन रेगुलेशन एक्ट (फेरा) का उल्लंघन पकड़ा गया

भारत के आयकर विभाग द्वारा की गई एक हालिया जांच ने देश के भीतर कई प्रमुख गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के संचालन के बारे में परेशान करने वाले निष्कर्ष सामने लाए हैं। जांच में, महत्वपूर्ण विदेशी फंडिंग लिंक वाले पांच प्रमुख एनजीओ को लक्षित किया गया है, जिसमें अधिकारियों ने भारत की आर्थिक और विकास परियोजनाओं को कमजोर करने के लिए एक समन्वित प्रयास के रूप में वर्णित किया है। इस जांच ने बहस को जन्म दिया है, जिसमें घरेलू मुद्दों पर विदेशी प्रभाव, विशेष रूप से वित्तीय चैनलों के माध्यम से, पर चिंता जताई गई है।

जांच के दायरे में आने वाले संगठनों में ऑक्सफैम, सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च (सीपीआर), एनवायरनिक्स ट्रस्ट, लीगल

इनिशिएटिव फॉर फॉरेस्ट एंड एनवायरनमेंट (लाइफ) और केयर इंडिया सॉल्यूशन फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट शामिल हैं। कर अधिकारियों ने इन एनजीओ पर विदेशी

शुभ-लाभ चिंता

अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है, जो भारत में विशिष्ट संगठनों द्वारा विदेशी धन के प्रवाह और उपयोग को नियंत्रित करता है। जांच सितंबर 2022 में कर अधिकारियों द्वारा की गई छापेमारी से उपजी है, जिसके बाद 2023 में उनके निष्कर्षों का विवरण देने वाली व्यापक रिपोर्ट जारी की गई। इन रिपोर्टों में सैकड़ों पृष्ठों के वित्तीय दस्तावेज, ईमेल आदान-प्रदान, बोर्ड मीटिंग के मिनट और समझौते शामिल हैं, जो एनजीओ के खिलाफ आरोपों का समर्थन करते हैं। कर विभाग ने रेखांकित किया है कि इनमें से अधिकांश एनजीओ विदेशी दान पर बहुत अधिक निर्भर हैं- पांच में से चार संगठनों के लिए 75 प्रतिशत धन पांच साल की अवधि में विदेशी ▶10 पर

प्रधानमंत्री ने महाराष्ट्र को दी 7600 करोड़ की विकास परियोजनाएं

लोगों को बांट कर सत्ता पाने के जुगाड़ पर चलती है कांग्रेस

मुंबई, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र में 10 सरकारी मेडिकल कॉलेज का डिजिटल माध्यम से उद्घाटन किया। इसके साथ ही उन्होंने भारतीय कौशल संस्थान और विद्या समीक्षा केंद्र का डिजिटल माध्यम से उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने नागपुर में डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के उन्नयन और शिरडी हवाई अड्डे में नए एकीकृत टर्मिनल भवन की आधारशिला रखी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में हरियाणा चुनाव परिणामों का जिक्र करते हुए कांग्रेस पर वोटबैंक की राजनीति करने और समाज को बांटने का आरोप

- **हरियाणा चुनाव को लेकर पीएम मोदी का कांग्रेस पर प्रहार**
- **कांग्रेस ने यह सिद्ध किया है कि वह गैर-जिम्मेदार दल है**

लगाया।

प्रधानमंत्री ने कहा, अभी कल ही हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के चुनाव परिणाम आए हैं। हरियाणा ने बता दिया है कि देश का मिजाज क्या है। दो बार कार्यकाल पूरा करने के बाद लगातार तीसरी बार चुनकर आना ऐतिहासिक है। कांग्रेस का पूरा इकोसिस्टम, अर्बन नक्सल का पूरा गिरोह जनता को गुमराह करने में जुटा था, लेकिन कांग्रेस की सारी साजिशें ध्वस्त हो गईं। इन्होंने दलितों के बीच झूठ फैलाने की कोशिश की, लेकिन दलित समाज ने इनके खतरनाक इरादों को भांप लिया। दलितों को एहसास हो गया कि कांग्रेस उनका आरक्षण छीनकर अपने वोटबैंक को बांटना चाहती है। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस, हमेशा बांटो और सत्ता पाओ के फॉर्मूले पर चली है। कांग्रेस ने बार-बार ये सिद्ध किया है कि वो एक गैर-जिम्मेदार दल है। वो अभी भी देश को बांटने के लिए नए-नए नरैटिव गढ़ रही है। कांग्रेस समाज को बांटने का फार्मूला लाती रहती है। कांग्रेस का फार्मूला साफ है कि मुसलमानों को डराते रहो, उनको भय दिखाओ, उनको वोटबैंक में कन्वर्ट करो और वोटबैंक को मजबूत करों।

पीएम मोदी ने कहा कि आज महाराष्ट्र को 10 मेडिकल कॉलेज की सौगात मिल रही है। ▶10 पर

80 करोड़ गरीबों के हित में मोदी सरकार का फैसला

2028 तक दिया जाएगा मुफ्त फोर्टिफाइड चावल

नई दिल्ली, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)। मोदी कैबिनेट ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना और अन्य कल्याणकारी योजनाओं के तहत जुलाई 2024 से दिसंबर 2028 तक मुफ्त फोर्टिफाइड चावल की आपूर्ति जारी रखने को मंजूरी दे दी है। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के अनुसार सामान्य चावल में पोषक तत्व मिलाकर फोर्टिफाइड चावल तैयार किया जाता है। ये सूक्ष्म पोषक तत्व लोगों की आहार जरूरतों को ध्यान में रखते हुए मिलाए जाते हैं।

चावल के मुफ्त वितरण पर खर्च होगा 17 हजार करोड़

भारत में महिला-बच्चों में कुपोषण का स्तर बहुत अधिक है। इसकी वजह से हर दूसरी भारतीय महिला रक्त की कमी (एनिमिया) से पीड़ित है और हर तीसरा बच्चा नाटा है।

वैश्विक भूख सूचकांक (जीएचआई) 2023 के अनुसार भारत 125 देशों में 111वें पायदान पर है। ऐसे में आनाजों में पोषक तत्व मिलाकर कुपोषितों तक पोषणयुक्त भोजन पहुंचाना बहुत जरूरी है। यह कुपोषण से लड़ने का एक उपयुक्त तरीका है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट बैठक में लिए गए फैसलों के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि कैबिनेट ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना (पीएमजीकेएवाई) और अन्य कल्याणकारी योजनाओं के तहत मुफ्त फोर्टिफाइड चावल की आपूर्ति जुलाई, 2024 से दिसंबर, 2028 तक जारी रखने को मंजूरी दे दी है।

उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि इससे एनीमिया और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी कम हो जाएगी, कुल वित्तीय प्रभाव 17,082 करोड़ रुपए होगा और 100 प्रतिशत वित्त पोषण केंद्र सरकार की तरफ से किया जाएगा। ▶10 पर

बिहार के पूर्व मंत्री बृज बिहारी प्रसाद की हत्या का मामला

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में जिंदा को मृत बता दिया

सुप्रीम कोर्ट की इस चूक से न्याय प्रणाली पर उठ रहे सवाल

नई दिल्ली, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट भी तथ्यों की बिना पड़ताल किए आंख मूंद कर अपना फैसला सुनाती है। गलती पकड़ में आने के बाद कहा जाता है सुप्रीम कोर्ट को झांसे में रखा गया। बिहार के एक मंत्री की हत्या के एक बहुचर्चित मामले में सुप्रीम कोर्ट ने जीवित अभियुक्त को मृत मान लिया और फैसला भी सुना दिया। फैसला जारी होने के बाद अब वह फर्जीवाड़ा सामने आया है। इससे न्याय प्रणाली पर तमाम सवाल उठ रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार के पूर्व मंत्री बृज बिहारी प्रसाद की हत्या के मामले में अंतिम फैसला लिखते समय एक जीवित को मृत मान लिया। बिहार के हाई प्रोफाइल मर्डर केस में दोषी और निर्दोष माने गए सभी अभियुक्त चर्चित या उनके करीबी थे। ऐसे में सत्तारूढ़ जनता दल यूनाइटेड के विधायक अमरेंद्र पांडेय उर्फ पप्पू पांडेय के भाई और बिहार के गोपालगंज, ▶10 पर

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान का स्थापना दिवस समारोह

आयुर्वेद को मजबूत बनाए रखना जरूरी : राष्ट्रपति

आयुर्वेद की छवि खराब करने वालों पर सख्त कार्रवाई हो

नई दिल्ली, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आयुर्वेद के नाम पर झूठे और भ्रामक दावे करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कुछ लोग पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली में लोगों की अटूट आस्था का फायदा उठाकर निर्दोष नागरिकों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। आयुर्वेद को बनाए रखने के लिए अनुसंधान में निवेश, औषधियों की गुणवत्ता में निरंतर सुधार और आयुर्वेद के अध्ययन से जुड़े शिक्षण संस्थानों को मजबूत बनाने की आवश्यकता है। यह बात उन्होंने अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) के आठवें स्थापना दिवस समारोह के दौरान कही। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, हमारी कि हमारी पीढ़ी दर पीढ़ी का आयुर्वेद में अटूट भरोसा रहा है। कुछ लोग इस भरोसे का फायदा उठाकर नागरिकों की सेहत को नुकसान पहुंचाते हैं और आयुर्वेद की छवि को ▶10 पर

चुनाव आयोग ने मल्लिकार्जुन खड़गे को लिखा पत्र

लोगों के फैसले का सम्मान करना और उसे स्वीकार करना सीखें

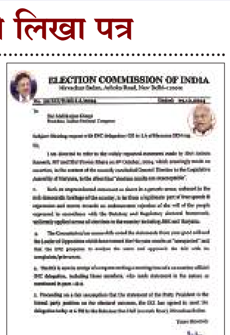

नई दिल्ली, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों को कांग्रेस पार्टी की तरफ से अस्वीकार्य और अप्रत्याशित बताए जाने पर चुनाव आयोग ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र लिखा है। आयोग ने चुनावी नतीजों पर पार्टी अध्यक्ष के बयान पर आपत्ति जताई है। चुनाव आयोग ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के हरियाणा के नतीजे अस्वीकार्य वाले बयान को देश की समृद्ध लोकतांत्रिक विरासत का उल्लंघन बताया है। केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि कांग्रेस नेताओं को लोगों के फैसले का सम्मान करना और उसे स्वीकार करना सीखना चाहिए।

चुनाव आयोग ने कहा कि उसने मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी के बयानों पर भी गौर किया है, जिसमें हरियाणा के नतीजों को अप्रत्याशित बताया गया है और पार्टी इसका विश्लेषण करने और अपनी शिकायतों के साथ चुनाव आयोग से संपर्क करने का प्रस्ताव रखती है। चुनाव आयोग ने कहा कि उसे कांग्रेस के ▶10 पर

सियासी परिवारों के इर्दगिर्द घूमता रहा हरियाणा का चुनाव

देवीलाल और भजनलाल का कुनबा ढहा

चंडीगढ़, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनाव में कई परिवार अपना गढ़ बचाने में सफल रहे तो कुछ परिवारों को करारा झटका भी लगा। पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी देवीलाल का परिवार प्रदेश का सबसे बड़ा सियासी परिवार है। इस चुनाव में देवीलाल के कुनबे के आधे दर्जन से ज्यादा सदस्य चुनाव मैदान में थे। इनमें से केवल दो को जीत मिली। इसी तरह हरियाणा के चाणक्य कहे जाने वाले पूर्व मुख्यमंत्री भजनलाल के परिवार के दो सदस्य इस बार मैदान में थे। इनमें से एक को जीत मिली तो एक को हार का सामना करना पड़ा। एक और पूर्व मुख्यमंत्री बंसीलाल के गढ़ में पारिवारिक लड़ाई में उनकी पोती

जीतने में कामयाब रहे जाटलैंड के कई परिवार

को जीत तो पोते को हार मिली। वहीं, हुड्डा परिवार, सुरजेवाला परिवार, जिंदल परिवार, बिरेंद्र राव परिवार के वंशज अपनी सीटों पर जीतने में सफल रहे।

देश के पूर्व उप-प्रधानमंत्री ताऊ देवीलाल का परिवार के आठ सदस्य पांच अलग-अलग सीटों पर चुनाव मैदान में उतरे थे। इन सीटों में डबवाली, उचाना कलां, ऐलनाबाद, रानिया और फतेहबाद। इनमें से केवल डबवाली और रानिया में ही परिवार के सदस्यों को जीत मिली। दोनों ही सीटों पर परिवार के सदस्य ही आमने-सामने थे। सिरसा जिले की डबवाली सीट पर भी मुकाबला देवीलाल के कुनबे के तीन सदस्यों में हुआ। कांग्रेस से अमित सिहाग, इनेलो से आदित्य देवीलाल और जजपा से दिग्विजय चौटाला एक-दूसरे के खिलाफ उतरे। डबवाली सीट पर पूर्व उप प्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल के पोते आदित्य देवीलाल को जीत मिली। आदित्य देवीलाल डबवाली से इनेलो के टिकट पर मैदान में थे। ▶10 पर

एक सियासी परिवार की धुरि पर घूमता रहा जम्मू कश्मीर चुनाव

अब्दुल्ला परिवार मस्त, मुफ्ती परिवार पस्त

श्रीनगर, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में आए नतीजों ने यह साबित किया कि यहां के मतदाताओं ने अब्दुल्ला परिवार को स्वीकार किया और मुफ्ती परिवार को खारिज कर दिया। यहां तक कि महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा मुफ्ती अपनी खानदानी सीट भी बचा नहीं पाईं। कश्मीर घाटी में परिवारवाद का तिलिस्म बरकरार रहा। लेकिन केवल अब्दुल्ला परिवार का। अब्दुल्ला परिवार के उमर अब्दुल्ला के गांदरबल और बडगाम दोनों सीटों से जीतने से परिवार की राजनीति में पैठ कायम रही।

पीडीपी को विधानसभा चुनाव परिणाम ने करारा झटका दिया है। महबूबा मुफ्ती का खुद को चुनाव और सीएम की दौड़ से किनारे रखने का पैंतरा काम नहीं आया। पार्टी के लिए

जनता को रास नहीं आई जमात ए इस्लामी

प्रचार में उतरीं महबूबा मुफ्ती अपने परिवार की बिजबिहाड़ा सीट नहीं बचा पाईं। बेटी इल्तिजा के लिए महबूबा ने मजबूत किलेबंदी की, लेकिन मतदाताओं ने इसे आसानी से गिरा दिया। नेशनल कॉन्फ्रेंस के बशीर अहमद वीरी ने इल्तिजा को 9770 वोट से हराया। इल्तिजा 23529 वोट ले पाईं, जबकि वीरी को 33299 वोट मिले। अपने तेज तर्रार भाषण और तीखे बयानों के कारण चर्चित रहने वाली इल्तिजा का यह पहला चुनाव था। माना जा रहा था कि चुनाव जीतने के बाद पार्टी की कमान उनके हाथ आएगी, लेकिन इस हार ने पार्टी को नई रणनीति पर सोचने के लिए मजबूर कर दिया।

इल्तिजा मुफ्ती से पार्टी को बहुत उम्मीद थी। प्रचार में भी जोर-शोर से उतरीं। जोनू-जोनू के नारों के बीच भीड़ भी जुटाई, लेकिन ये भीड़ वोटों में तब्दील नहीं हो पाई। खैर इसकी वजह पार्टी जरूर तलाशेगी, लेकिन किंगमेकर की भूमिका के दावे करने वाली पार्टी का चुनाव में यह हाल होगा, किसी ने सोचा नहीं था। ▶10 पर

रतन टाटा नहीं रहे

मुंबई के अस्पताल में थे भर्ती थे, पीएम मोदी ने जताया शोक

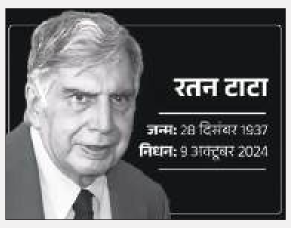

मुंबई , 09 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश के उद्योग जगत के सबसे नायाब रतन यानी रतन नवल टाटा नहीं रहे। प्रसिद्ध उद्योगपति एवं टाटा संस के मानद अध्यक्ष पद्म विभूषण रतन एन टाटा का आज देर रात मुंबई के लीलावती अस्पताल में 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया। ▶10 पर

नेत्रदान जागरूकता अभियान के तहत 21 दिनों में 552 लोग हुए संकल्पित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् (अभातेयुप) के 60वें स्थापना वर्ष के अवसर पर आयोजित देशव्यापी नेत्रदान जागरूकता अभियान दृष्टिहीनों के लिए दृष्टि के तहत तेरापंथ युवक परिषद टी, दासरहल्ली ने 21 दिनों के इस अभियान में 552 लोगों को नेत्रदान के लिए संकल्प-पत्र भरवाए। नेत्रदान जागरूकता अभियान में टी, दासरहल्ली के जैन समाज के श्रावक-श्राविकाओं के साथ स्थानीय सदस्यों का विशेष सहयोग मिला और उनके सहयोग से क्षेत्र में इस अभियान को व्यापक समर्थन मिला। अभातेयुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश डागा ने बताया कि अभातेयुप द्वारा नेत्रदान के क्षेत्र में पूरे भारत और नेपाल में अपनी 363 शाखा परिषदों के माध्यम से अब तक कई लोगों का मृत्युपरांत नेत्रदान करवाया जा चुका है। कर्नाटक राज्य प्रभारी मोहित सुराणा व शाखा प्रभारी गौतम खाब्या की विशेष प्रेरणा मिली। तेयुप अध्यक्ष कन्हैयालाल गांधी ने सभी सदस्यों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया और आगे भी परिषद के कार्य में निरंतर सहयोग की अपेक्षा की। मंत्री शुभम बाबेल ने बताया कि अभातेयुप षष्ठी पूर्ति के अंतर्गत हमारे क्षेत्र में जागरूकता रैली का आयोजन कर 552 से भी ज्यादा व्यक्तियों के संकल्प पत्र भरवाये गये और अब तक परिषद के सहयोग से नेत्रदान भी करवाए गए है। इस अभियान को सफल बनाने में पूर्व अध्यक्ष भगवतीलाल मांडोत, राकेश दक, मुकेश चावत, संयोजक कैलाश गिलुण्डिया, उपाध्यक्ष अनील गादीया, देवेन्द्र बाबेल, निखिल बोहरा एवं सभी सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

नवरात्रि के शुभ अवसर पर माता की चौकी का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु जागृति शाखा ने नवरात्रि के शुभ अवसर पर माता की चौकी का आयोजन जेसी रोड स्थित निजी भवन में किया। कार्यक्रम संयोजिका ज्योति पोद्दार ने बताया कि माता के भक्तों के सहयोग से मां का भव्य श्रृंगार, छप्पन भोग, भजन कीर्तन, कन्या पूजन, डांडिया, गरबा, महा आरती एवं महा प्रसादी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भजनों की अमृत वर्षा रेखा सेठी एवं टीम के द्वारा की गयी। शाखा अध्यक्षा अवनी सराफ ने बताया की पूरे कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी भक्तों एवं सभी सदस्यों की उत्साह चरम सीमा पर थी, रेखा सेठी ने अपने भजनों से भक्तों को रिझाया, मां के भजनों पर सभी भक्त थिरकने को मजबूर हुए। कार्यक्रम के अंत में गरबा एवं डांडिया का आयोजन किया गया । शाखा

सचिव ऋतु सिंगल ने बताया कि इस आयोजन की तैयारी पिछले कई दिनों से की जा रही थी। इस आयोजन को सफल बनाने में मुख्य रूप से मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु जागृति के सभी सदस्यों का योगदान रहा। सिंगल ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य रूप से कर्नाटक प्रांत के प्रांतीय अध्यक्ष नितेश टिबड़ेवाल, प्रांतीय महामंत्री मोहित शर्मा, प्रांतीय संयुक्त मंत्री श्याम जालान, प्रांतीय जन संपर्क अधिकारी दीपक अग्रवाल, बेंगलूरु शाखा के अध्यक्ष स्नेह कुमार जाजू, सचिव सुभम लोहिया, बेंगलूरु स्टार्स शाखा के अध्यक्ष राहुल गोयनका, रिचा छापोलिया, मंच के वरिष्ठ सदस्य रमाकांत सराफ, शिव कुमार टेकरीवाल, प्रकाश मित्तल, ममता सराफ, सीमा जाजोदिया, संतोष अग्रवाल, सीखा मोदी, अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के पूर्व राष्ट्रीय संयोजक साकेत रिटोलिया सहित अनेक मंच सदस्य परिवार सहित उपस्थित थे।

नेत्रदान जागरूकता अभियान का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अभातेयुप के षष्टीपूर्ति के अंतर्गत तेरापंथ युवक परिषद् विजयनगर द्वारा दृष्टिहीनों के लिए दृष्टि जागरूकता अभियान के अंतर्गत ओरायन माल में युवा साथियों द्वारा जन जागरण का आयोजन किया गया। इस अभियान में परिषद अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा, उपाध्यक्ष विकास बांठिया, नेत्रदान संयोजक अशोक मारू, मंत्री संजय भटेवरा, सहमंत्री पवन बैद, कमलेश दक, कोषाध्यक्ष अमित नाहटा, संगठन मंत्री पंकज कोचर, निवर्तमान अध्यक्ष राकेश पोखरणा, पूर्व अध्यक्ष महावीर टेबा, श्रेयांस गोलछा, अमित दक समेत अन्य उपस्थित थे।

हनुमंतनगर द्वारा संचालित एटीडीसी का दौरा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन मांडोत ने तेयुप एचबीएसटी हनुमन्तनगर द्वारा संचालित एटीडीसी का दौरा किया। सर्वप्रथम परिषद अध्यक्ष कमलेश झाबक ने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन मांडोत एवं अभातेयुप प्रबुद्ध विचारक दिनेश पोखरना का स्वागत किया। एटीडीसी संयोजक गौतम खाब्या ने आगामी रूपरेखा उपाध्यक्ष के सम्मुख प्रस्तुत की। एटीडीसी संचालन में संगमेश, अग्निस एवं मोनिका का सहयोग मिल रहा है।

पवन ने विचार व्यक्त करते हुए एटीडीसी के संचालन और इसके विस्तार की महत्ता और आवश्यकता को बताते हुए इसको धरातल पर लाने हेतु करणीय प्रयास के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर अभातेयुप से अमित दक, कमलेश गन्ना, प्रदीप चौपड़ा, प्रसन्न धोका, सभा अध्यक्ष गौतम दक, परिषद परामर्शक प्रकाश बोल्या, पूर्व अध्यक्ष महावीर चावत, निवर्तमान अध्यक्ष अंकुश बैद, दिनेश धोका आदि उपस्थित रहे।

नवपद ओली की आराधना सुख शांति और सौभाग्य देने वाली: डॉ. वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्वावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में नवपद आयंबिल ओली के प्रथम दिवस पर डॉ. वरुणमुनि ने कहा कि जीव का चरम और परम लक्ष्य मोक्ष प्राप्ति है और उस लक्ष्य तक पहुंचने के लिये साधना आवश्यक है। रसेंद्रिय पर नियंत्रण करने वाला ही यह तप आराधना कर सकता हैं। जिस प्रकार रोगों से मुक्ति के लिए दवाई, भूख मिटाने के लिए भोजन और प्यास मिटाने के लिए पानी आवश्यक है, उसी प्रकार संसार के जन्म-मरण मिटाने के लिए नवपद की आराधना करनी चाहिए। नवपद की महिमा अद्भुत है। इसके जाप से पुण्य की प्राप्ति होती है। अरिहंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय, साधु, ज्ञान, दर्शन, चारित्र और तप की साधना ही नवपद ओली आराधना का सार है। यह आराधना आत्मिक एवं शारीरिक आरोग्य बढ़ाती है और कर्मों की निर्जरा तथा शारीरिक व्याधि को तो दूर करती ही है मनवांछित फल भी प्रदान करती है। नवपद की आराधना तन के साथ मन शुद्धि का सशक्त माध्यम है। इसके बिना आत्मा कल्याण नहीं होता है। इससे मुक्ति का मार्ग प्रशस्त होता है। रूखा सूखा आहार करके अपनी रसना इंद्रियों पर नियंत्रण किया जाता है। तपस्या से मन इंद्रियां वश में होती हैं। रुपेशमुनि ने गुर आरती व वज्रपंजर स्तोत्र मंत्र जाप का उच्चारण करवाया। अंत में मंगलपाठ पंकजमुनि ने प्रदान किया। युवा अध्यक्ष धीरज नाहर ने आभार ज्ञापित किया और संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

वैदिक मंत्र द्वारा कराई पूजा अर्चना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आरटी नगर स्थित श्री सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद, बिहार भवन द्वारा बुधवार को दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर षष्ठी कात्यायनी पूजा के अंतर्गत बेल अभिमंत्रित किया गया। बिल्वाभिमंत्रण में जोड़ा बेल को ही अभिमंत्रित किया जाता है। यह पूजा सांय काल में ही होती है एवं सूरज उदय से पहले उस जोड़ा बेल को मां भगवती के चरणों में लाकर रखा जाता है। यह धर्म के साथ-साथ प्रकृति की भी पूजा है। इस वर्ष के पूजा अध्यक्ष उदय कुमार ने बेल अभिमंत्रण किया एवं आचार्य पंडित रामानंद चौधरी, आचार्य विनोदझा, पंडित राजगुरु, पं जयशंकर मिश्र, पं उमेश पांडे, पं सोनू पांडे एवं पं राहुल पांडे ने मिलकर वैदिक मंत्र के द्वारा पूजा संपन्न कराया। इस संध्या में महिला मंडल द्वारा डांडिया एवं सखी बहनिपा के द्वारा विभिन्न तरह के पर्व त्योहारों की झांकियां दिखाई गई। कार्यक्रम अति मनमोहक एवं ज्ञानवर्धक था। लोक प्रख्यात एवं मधुर भाषी, विद्वान भागवत कथा वाचक नटवर नारायण दास जी द्वारा प्रवचन दिया गया।

प्रौद्योगिकी आधारित गुणवत्तापूर्ण स्कूली शिक्षा प्रदान करने के लिए

कर्नाटक सरकार ने जे-पाल साउथ एशिया के साथ समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

स्कूली बच्चों को प्रौद्योगिकी की मदद से प्री-प्राइमरी स्तर से ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और स्कूली शिक्षा में नीतिगत नवाचारों को गति देने और बढ़ाने के उद्देश्य से, कर्नाटक सरकार ने बुधवार को एक प्रौद्योगिकी कंपनी अब्दुल लतीफ जमील पॉवर्टी एक्शन लैब (जे-पाल) साउथ एशिया के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। एमओयू पर स्कूल शिक्षा और साक्षरता मंत्री मधु बंगारप्पा और जे-पाल ग्लोबल के कार्यकारी निदेशक इकबाल धालीवाल की उपस्थिति में समग्र शिक्षा कर्नाटक के राज्य परियोजना निदेशक के.एन. रमेश और जे-पाल साउथ एशिया की कार्यकारी निदेशक शोभिनी मुखर्जी ने हस्ताक्षर किए। एमओयू के अनुसार, जे-पाल साउथ एशिया विज्ञान और डेटा के माध्यम से स्कूली शिक्षा में कुछ सबसे बड़ी चुनौतियों को हल करने के लिए एक लर्निंग लैब स्थापित करेगा। लर्निंग लैब कर्नाटक की स्कूली शिक्षा नीतियों को आकार देने के लिए वैश्विक शोध अंतर्दृष्टि को सक्षम करेगी।

साथ ही यादृच्छिक मूल्यांकन के माध्यम से नए और मौजूदा स्कूली शिक्षा कार्यक्रमों के वैज्ञानिक मूल्यांकन को नई गति प्रदान करेगी। स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग (डीएसईएल) बुनियादी शिक्षा को मजबूत करने और सीखने के अंतराल को कम करने में प्रभावी स्कूली शिक्षा हस्तक्षेपों की पहचान, अनुकूलन और कार्यान्वयन के लिए जे-पीएएल दक्षिण एशिया की तकनीकी विशेषज्ञता का लाभ उठाएगा। यह प्रयास बचपन से लेकर किशोरावस्था तक सभी आयु समूहों के बच्चों को लाभान्वित करेगा। बंगारप्पा ने कहा कि तकनीक की कमी के कारण सरकारी स्कूलों और ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चे पढ़ाई में पिछड़ रहे हैं। इसका असर उनके एसएसएलसी परीक्षा परिणाम पर भी पड़ा है। साथ ही, जब ये बच्चे एसएसएलसी पूरा कर उच्च शिक्षा या रोजगार के लिए शहरी क्षेत्रों में आते हैं, तो वे उचित कौशल के बिना पीछे रह जाते हैं। इसलिए, मुख्यमंत्री ने राज्य के बजट में स्कूली बच्चों को तकनीक आधारित शिक्षा देने की घोषणा भी की थी।

इन सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए, प्री-स्कूल स्तर से ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए एक समझौता किया गया है। एमओयू के अनुसार, जे-पीएएल साउथ एशिया अपने प्री-प्राइमरी स्कूल पाठ्यक्रम - चिली पिली प्लस में गेम-आधारित गणित पाठ्यक्रम एवरी चाइल्ड काउंट्स को एकीकृत करने के तरीकों की खोज करेगा। यह कक्षा 3 से 8 तक के बच्चों के लिए सीखने के परिणामों को बेहतर बनाने के लिए मारू सिंचन और गणित-गणका कार्यक्रमों पर ज्ञान और अनुसंधान भागीदार के रूप में भी काम करेगा। बंगारप्पा ने बताया जे-पाल तीन चरणों में छात्रों की पढ़ाई में मदद करेगा। प्री-प्राइमरी छात्रों के लिए चिली पिली प्लस कार्यक्रम लागू किया जाएगा। कक्षा 3, 4 और 5 के छात्रों के लिए गणित-गणक लागू किया जाएगा।

सवालों को हल करने में मदद करेंगे

इसके अनुसार, शिक्षक छात्रों को फोन करके गणित के सवालों को हल करने में मदद करेंगे। इस मामले में, शिक्षक द्वारा छात्रों को की गई सभी कॉल रिकॉर्ड की जाती हैं। शिक्षकों के लिए कॉल शुल्क सर्वशिक्षा कर्नाटक द्वारा भुगतान किया जाता है। मारू सिंचन कार्यक्रम, जो पाठ का संशोधन है, कक्षा 6, 7 और 8 के छात्रों के लिए लागू किया जाएगा। कंपनी इन सभी कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिए शिक्षकों को आवश्यक तकनीक और प्रशिक्षण प्रदान करेगी। पहले चरण में राज्य भर के 93 ब्लॉकों में इस कार्यक्रम को कवर किया जाएगा। जे-पाल साउथ एशिया की कार्यकारी निदेशक मुखर्जी ने कहा शिक्षा का मतलब सिर्फ बच्चों को कक्षाओं में लाना नहीं है। यह सुनिश्चित करना है कि वे सीख भी रहे हैं। इसलिए यह बहुत जरूरी है कि ऐसे कार्यक्रम लागू किए जाएँ जिनकी प्रभावशीलता सिद्ध हो चुकी हो ताकि हमारे बच्चे सीख सकें और सफल हो सकें।

स्वास्तिक सेवा संघ ने मनाया दुर्गा पूजा महोत्सव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बुधवार को स्वास्तिक सेवा संघ द्वारा क्लासीपाल्यम स्थित संघ कार्यालय में चेयरमैन सतीश मित्तल व अध्यक्ष बिमल सरावगी के साथ सभी सदस्यों ने माँ दूर्गा का पूजन आरती किया। तत्पश्चात कन्या पूजन किया गया। इस अवसर पर करीब चार हजार भक्तों ने महाप्रसादी ग्रहण किया। इस मौके पर सदस्य गौरव जिंदल, अशोक गर्ग, भागवत अग्रवाल, अजय खेमका, अनिल गोयल, अनिल नाहर, सौंम सुंदरम, शैलेन्द्र मित्तल, नरेश जैन, पवन बंसल, शीतल मित्तल, नरेश अग्रवाल, गजेन्द्र अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा नाइस रोड कार्यालय के निकट स्थित राष्ट्रोथाना विद्या केंद्र में संचालित व्यक्तित्व विकास शिविर में महेंद्र मुणोत शामिल हुए। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा आयोजित इस शिविर में युवाओं को अच्छे संस्कारों से पोषित कर उनके व्यक्तित्व विकास के साथ उनमें राष्ट्रीयता के भाव को जगाने का प्रयास सराहनीय है। आरएसएस राष्ट्र का स्वाभिमान है। इस अवसर पर हरीश, चंद्र शेखर, गुरु गणेश उपस्थित थे।*

कांग्रेस सरकार के गिरने की भविष्यवाणी करने वाले विजयेंद्र कौन होते हैं? मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मंत्री बीजेड जमीर अहमद खान ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र के इस दावे को बेबुनियाद और अनावश्यक बताया है कि राज्य में कांग्रेस सरकार गिर जाएगी, क्योंकि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया दशहरा के तुरंत बाद इस्तीफा दे देंगे। खान ने कहा कांग्रेस सरकार के गिरने की भविष्यवाणी करने वाले विजयेंद्र कौन होते हैं? सिद्धरामैया के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने का सवाल ही नहीं उठता। कांग्रेस हाईकमान पूरी तरह से सिद्धरामैया के पीछे है। वे हाल ही में विजयपुरा में पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने इस दावे को खारिज करते हुए कहा कि भाजपा यह दो-हराकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों का मनोबल गिराने की कोशिश कर रही है कि मुख्यमंत्री इस्तीफा दे देंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेता के.सी. वेणुगोपाल और रणदीप सिंह सुरजेवाला सिद्धरामैया को अपना समर्थन देने के लिए बेंगलूरु आए थे। कांग्रेस आलाकमान नेतृत्व को लेकर बहुत स्पष्ट है। उन्होंने कहा कि बदलाव की कोई जरूरत नहीं है और कोई बदलाव नहीं होगा। सतीश जारकीहोली के समर्थकों द्वारा उनके अगले मुख्यमंत्री बनने के पक्ष में नारे लगाने के सवाल पर, खान ने कहा कि यह उनके नेता के प्रति उनके स्नेह को दर्शाता है। लेकिन फिर, इसका मतलब यह नहीं है कि मौजूदा मुख्यमंत्री इस्तीफा दे देंगे या सतीश जारकीहोली उनकी जगह लेंगे। मेरे समर्थक भी ऐसे नारे लगाते रहते हैं। क्या इसका मतलब यह है कि मैं मुख्यमंत्री बन जाऊंगा? नहीं। ऐसा कुछ नहीं है।

कांग्रेस को हरियाणा में अहंकार और अति आत्मविश्वास के कारण हार का करना पड़ा सामना: सुरेश

महाराष्ट्र और झारखंड के आगामी चुनावों पर असर नहीं पड़ेगा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कांग्रेस के पूर्व सांसद और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के भाई डीके सुरेश ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को हरियाणा विधानसभा चुनाव में अहंकार और अति आत्मविश्वास के कारण हार का सामना करना पड़ा। हाल ही में संपन्न हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी भाजपा से मामूली वोटों के अंतर से हारी, जिससे कई चुनाव विशेषज्ञों द्वारा भाजपा की हार की भविष्यवाणी झूठी साबित हुई। यहां स्थित अपने आवास पर बुधवार को पत्रकारों से बात करते हुए सुरेश ने कहा यह इस बात का सबूत है कि अति आत्मविश्वास अच्छा नहीं है और यह एक स्पष्ट उदाहरण है। हालांकि उन्होंने कहा कि कांग्रेस गठबंधन जम्मू-कश्मीर में अगली सरकार बनाने जा रहा है। जब उनसे पूछा गया कि क्या हरियाणा के नतीजों का महाराष्ट्र और झारखंड के आगामी चुनावों पर असर पड़ेगा, तो उन्होंने कहा इन दोनों राज्यों की परिस्थितियां अलग-अलग हैं। ये हर राज्य के लिए अलग-अलग चुनाव हैं और एक राज्य के नतीजों का दूसरे पर कोई असर नहीं पड़ता। लोकसभा और विधानसभा चुनाव पूरी तरह से अलग-अलग हैं। पूर्व स्पीकर के.बी. कोलीवाड के इस बयान के बारे में पूछे जाने पर कि हरियाणा में हार मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) मामले के कारण हुई, सुरेश ने कहा कोलीवाड की टिप्पणी का हरियाणा की हार से कोई संबंध नहीं है। पार्टी के नेता इस पर स्पष्टीकरण देंगे।

उन्होंने उपमुख्यमंत्री शिवकुमार की एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात के बाद कर्नाटक में संभावित सीएम परिवर्तन की अटकलों को भी खारिज कर दिया। उन्होंने कहा मल्लिकार्जुन खड़गे हमारे राज्य से हैं और केपीसीसी अध्यक्ष ने उनसे सम्मान के साथ मुलाकात की। यह पार्टी अनुशासन का मामला है। मुडा घोटाले के उजागर होने के बाद भाजपा सिद्धारमैया सरकार की कड़ी आलोचना कर रही है और दावा कर रही है कि आंतरिक संघर्ष के कारण सरकार गिर जाएगी। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए सुरेश ने भाजपा को अपनी भ्रामक दुनिया में जीने की सलाह दी। जाति जनगणना के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा मुख्यमंत्री ने पहले ही स्पष्टता प्रदान कर दी है और मामले को आगे के निर्णयों के लिए राज्य मंत्रिमंडल के समक्ष रखा जाएगा। इससे पहले वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष के.बी. कोलीवाड ने मंगलवार को कहा था कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) मामले ने हरियाणा में पार्टी की संभावनाओं को प्रभावित किया है। यहां मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए कोलीवाड ने कहा कि हरियाणा में चुनाव प्रचार के दौरान मुडा घोटाला एक बड़ा मुद्दा था, जिसने कांग्रेस को प्रभावित किया। उन्होंने आगे कहा कि वे सीएम सिद्धारमैया से अपने पद से इस्तीफा देने का आग्रह करने वाले अपने पहले के बयान पर प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा मैं अपने उस बयान को वापस नहीं ले सकता कि सीएम सिद्धारमैया को इस्तीफा दे देना चाहिए और जांच का सामना करना चाहिए। मैंने यह बयान कांग्रेस पार्टी के हित में दिया था। कोलीवाड ने कहा अगर कांग्रेस प्रभावित होती है तो नोटिस जारी किया जाएगा। इस संबंध में मेरा बयान पार्टी के हित में था। मैं सक्रिय राजनीति में नहीं हूं। मैं पार्टी को बचाने की दिशा में काम करता हूं। एआईसीसी नेतृत्व मुझे चेतावनी क्यों देगा? मैं वरिष्ठ कांग्रेस नेता हूं। एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मेरी मित्रता है। मैंने अपनी राय दे दी है।

भारी बारिश के बाद सड़कें जलमग्न

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के कई इलाकों में मंगलवार की रात को भारी बारिश हुई।

लगातार बारिश रात 8 बजे शुरू हुई और आधी रात के आसपास रुक गई। भारी बारिश के परिणामस्वरूप शिवमोग्गा, होसानगर, सागर और शिकारीपुर तालुकों में कई सड़कें जलमग्न हो गईं। कृषि भूमि का बड़ा हिस्सा पानी में डूबा हुआ है। शिवमोग्गा तालुक के किसानों का दावा है कि बारिश के दौरान उनके पानी के पंप और अन्य सिंचाई उपकरण विस्थापित हो गए।

बीएटीसीएस बेंगलूरु यातायात प्रबंधन के लिए एक अत्याधुनिक तकनीक: संयुक्त पुलिस आयुक्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर यातायात विभाग के संयुक्त पुलिस आयुक्त अनुचेथ ने कहा कि बीएटीसीएस के माध्यम से शहर के यातायात को प्रबंधित करने के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जा रहा है, और आने वाले दिनों में सुचारू यातायात और ऊर्जा दक्षता हासिल की जाएगी। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह तकनीक पिछले मार्च से बेंगलूरु शहर में बीएटीसीएस द्वारा लागू की गई है।

उन्होंने कहा कि अगले साल मार्च तक शहर के 165 जंक्शन पर आधुनिक तकनीक लागू कर दी जायेगी। बेंगलूरु में 14 हजार किमी लंबी सड़कें हैं। देश में सबसे ज्यादा निजी वाहन बेंगलूरु में हैं। यहां 400 से अधिक ट्रैफिक सिग्नल हैं। साल के अंत तक 500 ट्रैफिक सिग्नल होंगे। 160 जंक्शन पर अत्याधुनिक तकनीक लागू की गई है। कम लागत वाली तकनीक अपनाई जा रही है। उन्होंने बताया कि इस तकनीक को बेंगलूरु शहर सहित 30 से अधिक शहरों में अपनाया गया है। देश की यातायात की विशेषता के आधार पर तकनीक में इसका समाधान ढूंढ लिया गया है। बेंगलूरु में 68 प्रतिशत गाड़ियां हैं। नई तकनीक से उनके आवागमन में सुविधा होगी। आपातकालीन वाहनों के लिए भी सिग्नल खुला रखने की अनुमति है। मैन्युअल मोड का उपयोग केवल आवश्यक होने पर ही किया जाता है, ज्यादा नहीं। अब तक 160 जंक्शन पर सिर्फ 5 फीसदी मैनुअल मोड का इस्तेमाल होता है। पिक आवर के दौरान ट्रैफिक लाइट का प्रबंधन एआई द्वारा किया जा रहा है।

प्रदेश की 3 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर भाजपा बना रही रणनीति

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। हरियाणा विधानसभा चुनाव में तीसरी बार सत्ता में आने में कामयाब रही भाजपा ने कर्नाटक की कुछ विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव में जीत हासिल करने के लिए खास रणनीति बनाई है। महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा क्षेत्रों के लिए तारीखों की घोषणा जल्द ही की जाएगी। इस मौके पर बताया गया कि कर्नाटक में चन्नपट्टना, संदुर और शिग्गावी विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनाव के लिए भी तारीख घोषित हो सकती है। इन तीन सीटों पर होने वाले उपचुनाव को जीतने की योजना बनाई गई है, जिसमें सत्तारूढ़ कांग्रेस और एनडीए के सहयोगी दल भाजपा और जेडीएस के बीच कड़ी टक्कर

होगी। भाजपा और जेडीएस उपचुनाव जीतने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, क्योंकि लोकसभा चुनाव के नतीजे इस बात का सबूत हैं कि अगर दोनों पार्टियां बिना किसी मतभेद के साथ मिलकर लड़ें तो असंभव को भी संभव बना सकती हैं। उम्मीदवारों के चयन में भ्रम की स्थिति से बचने के लिए, दोनों दलों के नेता जल्द ही बैठक करेंगे और रामनगर जिले के चन्नपट्टना विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के लिए सर्वसम्मति से उम्मीदवार की घोषणा करेंगे। इसी तरह, भाजपा सूत्रों ने बताया कि हावेरी जिले के शिग्गावी और बेल्लारी जिले के संदुर विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की जाएगी। हरियाणा में जीत से भाजपा का नैतिक बल बढ़ा है और संघ के वरिष्ठ नेताओं ने सुझाव दिया है कि नेता आपसी मतभेद भुलाकर कार्यकर्ताओं को विश्वास में लें और एकजुटता के साथ आगे बढ़ें तो जीत संभव होगी।

2023 के विधानसभा चुनाव में पार्टी कई कारणों से हारी होगी, पार्टी के भीतर असमंजस, अंदरूनी कलह और उम्मीदवार चयन में संकट।

भाजपा थिंक टैंक की ओर से सुझाव आया है कि अगर सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार की नाकामियों को सामने लाया जाए और मतदाताओं को मना लिया जाए तो जीत आसान होगी। आपस में लड़ेंगे तो कांग्रेस बढ़त ले सकती है मानो दोनों के झगड़े से तीसरे को फायदा हो रहा हो। अगर उपचुनाव में झटका लगता है तो मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के नेतृत्व को और अधिक व्यवधान का सामना करना पड़ेगा। उपचुनाव उनके लिए कांटे की टक्कर हो सकता है क्योंकि वह पहले से ही मुडा मामले में फंसे हुए हैं। यदि भाजपा जीतती है तो स्थानीय संगठन बीबीएमपी को चुनाव में और अधिक मजबूती से काम करने में सुविधा होगी। इन सबको ध्यान में रखते हुए मिलकर काम करने की बात कही गई है। सूत्रों के मुताबिक, भाजपा और जेडीएस नेता जल्द ही दिल्ली में राष्ट्रीय नेताओं से मुलाकात करेंगे और उनसे उम्मीदवार चयन की उलझन को सुलझाने का अनुरोध करेंगे।

विधायक विनय कुलकर्णी पर महिला से बलात्कार अपहरण और धमकी देने का मामला दर्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। धारवाड़ विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक विनय कुलकर्णी पर 34 वर्षीय सामाजिक कार्यकर्ता से बलात्कार, अपहरण और धमकी देने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। मंगलवार को संजयनगर पुलिस ने कुलकर्णी के खिलाफ मामला दर्ज किया, जो भाजपा नेता की हत्या के मामले में जमानत पर हैं। विधायक पर आपराधिक धमकी, जानबूझकर अपमान, सबूतों को नष्ट करने या छिपाने, अपहरण, बलात्कार, स्वेच्छा से चोट पहुंचाने और महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से उसके खिलाफ आपराधिक बल का इस्तेमाल करने का भी मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस ने बताया कि कुलकर्णी को आरोपी नंबर एक और उसके सहयोगी अर्जुन को मामले में दूसरा आरोपी बनाया गया है। शिकायतकर्ता ने कहा कि जनवरी 2022 में उसका परिचय विधायक विनय से हुआ और वह बेंगलूरु के हेब्बाल में उनके आवास पर उनसे मिली। मुलाकात के बाद कुलकर्णी अक्सर उसे देर रात फोन करता था और यौन संबंध बनाने की मांग करता था। जब

उसकी पत्नी ने इनकार कर दिया तो आरोपी उसके घर अपराधियों को भेजता था और उसके चरित्र हनन की धमकी देता था। शिकायतकर्ता ने बताया कि वह इतनी डरी हुई थी कि वह कुलकर्णी से मिलने उसके घर गई, जहां उसने उसके साथ बलात्कार किया। बाद में कुलकर्णी ने उसे धमकी दी कि वह घटना के बारे में किसी को न बताए, अन्यथा वह उसे जान से मार देगा।

इस बीच, आरोपी ने उसे राजनीति में कदम रखने में मदद करने का वादा किया। इस बीच, कांग्रेस विधायक और पीड़िता के बीच बातचीत का ऑडियो वायरल हो गया। कुलकर्णी के सहयोगी अर्जुन ने पीड़िता को विधायक से मिलने के लिए बेंगलूरु आने को कहा। पीड़िता के कुलकर्णी से मिलने के बाद आरोपी ने उसका फोन छीन लिया और उसे धर्मस्थल ले गया, जहां उसने फिर से उसके साथ बलात्कार किया। बाद में आरोपी उसे धर्मस्थल मंदिर ले गया और भगवान के सामने उससे यह वचन दिलवाया कि वह उसके अपराध के बारे में किसी को न बताए। शिकायतकर्ता ने बताया कि कुलकर्णी ने दावा किया था कि वह पहले से ही हत्या के मामले में शामिल है और अगर यह मामला सामने आया तो उसके लिए बड़ी मुश्किल खड़ी हो जाएगी।

लहसुन की कीमतों में 10 दिनों में 100 रुपये प्रति किलो की बढ़ोतरी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। लहसुन की कीमतों में जबरदस्त उछाल आया है। महज 10 दिनों में ही इसकी कीमत 100 रुपये प्रति किलो तक बढ़ गई है। उच्च गुणवत्ता वाले लहसुन की कीमत 250 रुपये प्रति किलो थी, जो अब बढ़कर 370 रुपये हो गई है। बाजार में लहसुन की तीन किस्में उपलब्ध हैं। सबसे छोटी किस्म, जिसकी कीमत पहले थोक बाजारों में 200 रुपये प्रति किलो थी, अब 300 रुपये पर पहुंच गई है। स्थानीय व्यापारी रमेश के अनुसार, खुदरा कीमतें और भी अधिक हैं। एक थोक व्यापारी

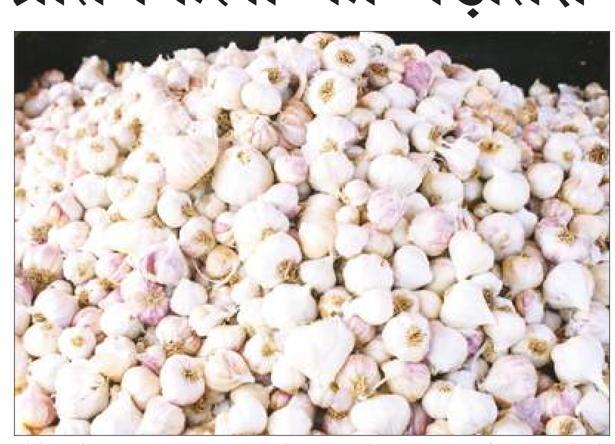

लोकेश ने कहा लहसुन की कीमतें पिछले एक महीने से बढ़ रही हैं और अब और बढ़ गई हैं। खुदरा बाजारों में यह 400 रुपये प्रति किलो बिक रहा है। कीमतों में बढ़ोतरी फसल उत्पादन में कमी के कारण हुई है, हालांकि अभी आपूर्ति में कोई कमी नहीं है।

अहिंदा फोरम की मांग

सीएम जाति जनगणना रिपोर्ट को राजनीतिक निहितार्थों से परे करें स्वीकार

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो। अल्पसंख्यकों, पिछड़े वर्गों और दलितों के फोरम अहिंदा चलावली संगठन की शिवमोग्गा जिला इकाई ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण (जाति जनगणना) को स्वीकार करने और इसकी सिफारिशों को जल्द से जल्द लागू करने का आग्रह किया है। यहां बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में संगठन के राज्य संयुक्त सचिव मोहम्मद सनाउल्ला ने कहा कि यह रिपोर्ट कर्नाटक के सभी घरों के डोर-टू-डोर सर्वेक्षण के बाद तैयार की गई है। उन्होंने कहा कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट की सिफारिशें

समाज के हर वर्ग को लाभान्वित करेंगी, न कि केवल पिछड़े वर्गों को। फोरम के जिला संयोजक जी. परमेश्वरप्पा ने कहा कि सीएम को इस मुद्दे पर पार्टी के भीतर या बाहर से किसी भी राजनीतिक दबाव पर ध्यान नहीं देना चाहिए। भले ही उन्हें इस मुद्दे पर अपने फैसले के कारण सत्ता खोनी पड़े, उन्हें आगे बढ़ना चाहिए और रिपोर्ट को लागू करना चाहिए। उन्हें पिछड़े वर्गों के हित में यह कदम उठाना चाहिए, जिन्हें अब तक सभी क्षेत्रों में उचित प्रतिनिधित्व से वंचित रखा गया है। अगर अभी नहीं, तो भविष्य में इस रिपोर्ट को स्वीकार करने की शायद ही कोई संभावना है। रिपोर्ट का विरोध कर रहे कांग्रेस नेताओं के बयानों का जिक्र करते हुए परमेश्वरप्पा ने कहा वरिष्ठ कांग्रेस नेता श्यामनूर शिवशंकरप्पा और उनके परिवार के सदस्य पिछड़े वर्गों के समर्थन के कारण चुनाव जीतते रहे हैं। वे पिछड़े वर्गों के वोट चाहते हैं, लेकिन रिपोर्ट को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं। यह कांग्रेस नेता के दोहरे मानदंडों को दर्शाता है। सर्वेक्षण के समय आयोग के सदस्य रहे एन.पी. धर्मराज ने मीडिया को बताया कि सर्वेक्षण के दौरान कर्नाटक के हर घर से डेटा एकत्र किया गया था। उन्होंने कहा एकत्र किए गए डेटा को बीईएल के इंजीनियरों द्वारा सारणीबद्ध किया गया था। आयोग द्वारा एकत्र किए गए डेटा पर संदेह करने का कोई कारण नहीं है।

मुसलमानों के तुष्टीकरण के कारण जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस का हुआ पतन: आर. अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक भाजपा ने बुधवार को कहा कि मुसलमानों के अत्यधिक तुष्टीकरण के कारण जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस पार्टी का पतन हुआ। भाजपा के वरिष्ठ नेता और विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि उन्होंने सदन में भाषण के दौरान भविष्यवाणी की थी कि अत्यधिक मुस्लिम तुष्टीकरण एक दिन कांग्रेस पार्टी के पतन का कारण बनेगा। अशोक ने कहा मैंने यह बात उस घटना के संबंध में बोलते हुए कही थी, जिसमें कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य नसीर अहमद के समर्थकों ने पिछले फरवरी में कर्नाटक विधानसभा में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए थे। अशोक ने कहा जम्मू-

कश्मीर विधानसभा चुनाव के नतीजों ने मेरी बातों को सही साबित कर दिया है। कांग्रेस को अब यह कड़वी सच्चाई समझ लेनी चाहिए कि मुसलमान पार्टी को तभी वोट देते हैं, जब कोई दूसरा विकल्प न हो। उन्होंने कहा नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के नेता उमर अब्दुल्ला ने खुले तौर पर सुझाव दिया था कि कांग्रेस को हिंदू बहुल जम्मू क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, जिसका मतलब है कि मुस्लिम बहुल कश्मीर क्षेत्र में पार्टी की अब कोई जरूरत नहीं है। हालांकिएक तरफ मुस्लिम वोट और दूसरी तरफ हिंदू वोट के बिना, जम्मू और कश्मीर में कांग्रेस का पूरी तरह सफाया हो गया है। 2014 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 18 प्रतिशत वोट शेयर के साथ 12 सीटें जीती थीं, लेकिन 2024 में पार्टी केवल 12 प्रतिशत वोट शेयर के साथ छह सीटों पर सिमट गई। अशोक ने कहा हिंदू बहुल जम्मू क्षेत्र में कांग्रेस ने जिन 29 सीटों पर चुनाव लड़ा, उनमें से पार्टी केवल एक सीट जीत सकी। वहीं, 2014 में 25 सीटें जीतने वाली भाजपा ने 2024 में अपनी सीटों की संख्या बढ़ाकर 29 कर ली। अशोक ने रेखांकित किया कि 25.64 प्रतिशत वोटों के साथ भाजपा ने वोट शेयर के मामले में नेशनल कॉन्फ्रेंस को पीछे छोड़ दिया और शीर्ष स्थान हासिल किया। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर चुनाव के नतीजे इस बात का सबूत हैं कि समझदार मतदाता विकास आधारित राजनीति का समर्थन करते हैं और तुष्टिकरण की राजनीति को खारिज करते हैं। कर्नाटक कांग्रेस के नेताओं को ध्यान देना चाहिए और अपना ध्यान तुष्टिकरण की राजनीति से हटाकर विकास पर लगाना चाहिए। अन्यथा, जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में कांग्रेस का जो हश्र हुआ, वही कर्नाटक में भी दोहराया जाएगा।

दो नागरिक शेयर बाजार ट्रेडिंग घोटाले का हुए शिकार, 1.07 करोड़ गंवाए

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मेंगलूरु और उडुपी में दो अलग-अलग मामलों में शेयर बाजार ट्रेडिंग के नाम पर धोखेबाजों के हाथों दो व्यक्तियों ने कुल 1,07,68,000 रुपये गंवा दिए। शेयर बाजार ट्रेडिंग के जरिए ज्यादा मुनाफा कमाने का झांसा देकर एक व्यक्ति से 90.90 लाख रुपये ठगे जाने के संबंध में कावूर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है।

शिकायतकर्ता ने बताया कि 1 जुलाई को 613 एचडीएफसी सिक्योरिटीज ऑफिशियल स्टॉक नाम के एक व्हाट्सएप ग्रुप से उसे एक संदेश मिला, जिसमें शेयर ट्रेडिंग में ऑनलाइन प्रशिक्षण देने की पेशकश की गई थी। 16 जुलाई को एक अज्ञात व्यक्ति ने उसे ट्रेडिंग खाता खोलने के लिए एक लिंक

भेजा, जहां शिकायतकर्ता ने व्यक्तिगत विवरण दर्ज किया और खाता खोला। शुरुआत में 5,000 रुपये का निवेश किया गया। इसके बाद 22 जुलाई से 16 अगस्त के बीच अज्ञात लोगों के निर्देश पर कुल 90.90 लाख रुपए विभिन्न बैंक खातों में ट्रांसफर किए गए। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि निवेश की गई राशि को निकालने की अनुमति नहीं दी गई, जिसके परिणामस्वरूप धोखाधड़ी हुई। एक अन्य मामले में, एक व्यक्ति ने शेयर ट्रेडिंग के नाम पर ऑनलाइन धोखाधड़ी में 16,78,500 रुपए गंवा दिए। शिकायत में अब्दुल रफियात ने कहा कि उसे बेबिस्डम नामक एक व्हाट्सऐप ग्रुप में शामिल होने का निमंत्रण मिला। वह उस ग्रुप में शामिल हो गया, जिसने शेयर बाजार ट्रेडिंग के बारे में जानकारी साझा की और उसे शेयर बाजार में निवेश करने के लिए कहा। तदनुसार, उसने 16,78,500 रुपए ट्रांसफर किए। हालांकि, वह निवेश की गई राशि और लाभ वापस पाने में विफल रहा। आईटी एक्ट की धारा 66 (सी), 66 (डी) और बीएनएस की धारा 318 (4) के तहत सीईएन स्टेशन पर मामला दर्ज किया गया है।

कर्नाटक में इस साल एसएसएलसी परीक्षा के लिए कोई ग्रेस मार्क्स नहीं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। स्कूल शिक्षा और साक्षरता मंत्री मधु बंगारप्पा ने घोषणा की कि शैक्षणिक वर्ष 2024-25 से एसएसएलसी परीक्षा के लिए कोई ग्रेस मार्क्स नहीं होंगे। विधानसभा में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि एसएसएलसी परीक्षाओं के दौरान कदाचार को रोकने के लिए परीक्षा प्रणाली में सुधार किए गए हैं, जिसमें लाइव स्ट्रीमिंग, वेबकास्टिंग और सभी परीक्षा केंद्रों में सीसीटीवी लगाना शामिल है।

इससे पहले, कर्नाटक सरकार ने कोविड-19 महामारी के कारण 10 प्रतिशत ग्रेस मार्क्स दिए थे। लेकिन 2024 की एसएसएलसी परीक्षाओं के दौरान विभिन्न परीक्षा सुधारों के कारण परिणाम में गिरावट आई। इसलिए, हमारी सरकार ने 10 प्रतिशत ग्रेस मार्क्स दिए थे। इस साल, छात्र कुल 20 प्रतिशत ग्रेस मार्क्स के साथ पास हुए। हालांकि,

मुख्यमंत्री के निर्देश पर, 2025 में एसएसएलसी परीक्षा में बैठने वाले छात्रों को किसी भी प्रकार के ग्रेस मार्क्स नहीं देने का निर्णय लिया गया है।

बंगारप्पा ने कहा वास्तव में, मुख्यमंत्री छात्रों को ग्रेस मार्क्स प्रदान करने के लिए हमसे नाराज हैं। यह याद किया जा सकता है कि कुछ महीने पहले स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान सिद्धारमैया ने अधिकारियों से पूछा था कि वे किस आधार पर ग्रेस मार्क्स दे रहे हैं। बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को ग्रेस मार्क्स प्रणाली को खत्म करने का निर्देश दिया। 2024 मार्च-अप्रैल एसएसएलसी परीक्षा परिणामों के बाद, कर्नाटक स्कूल परीक्षा और मूल्यांकन बोर्ड (केएसईएबी) ने 20 प्रतिशत ग्रेस मार्क्स दिए थे क्योंकि परिणाम 30 प्रतिशत तक गिर गए थे। विभाग ने परिणामों में गिरावट के लिए कदाचार को कम करने के लिए किए गए उपायों को जिम्मेदार ठहराया। लगभग 1.7 लाख असफल छात्रों को 20 प्रतिशत ग्रेस मार्क्स से लाभ हुआ, और परिणामों में 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

कांग्रेस विधायक विनय कुलकर्णी ने बलात्कार के आरोपों का किया खंडन

महिला, मीडिया प्रमुख के खिलाफ जबरन वसूली का मामला दर्ज कराया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कांग्रेस विधायक और कर्नाटक शहरी जल आपूर्ति और जल निकासी बोर्ड के अध्यक्ष विनय कुलकर्णी ने बुधवार को 34 वर्षीय एक सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा लगाए गए बलात्कार और अपहरण के आरोपों का खंडन किया और महिला, एक मीडिया प्रमुख और अन्य के खिलाफ जबावी शिकायत दर्ज कराई। विनय कुलकर्णी की शिकायत के बाद, बेंगलूरु में संजयनगर पुलिस ने एक निजी कन्नड़ समाचार चैनल के मालिक राकेश शेट्टी और महिला के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। राकेश शेट्टी को आरोपी नंबर एक और महिला को एफआईआर में दूसरे आरोपी के रूप में नामित किया गया है। एफआईआर भारतीय न्याय संहिता धारा 3 (5), 308 (2), 61 (2) के तहत दर्ज की गई है। विनय कुलकर्णी ने कहा है कि 2022 में हावेरी जिले की महिला से उनका परिचय हुआ था। उसने किसानों के पक्ष में कार्यकर्ता होने

का दावा करते हुए कॉल किया। विनय कुलकर्णी ने अपनी शिकायत में कहा हालांकि, एक निजी चैनल पर जबरन वसूली के पीड़ितों के बारे में एक कार्यक्रम था और उसके खिलाफ धोखाधड़ी, ब्लैकमेल के मामलों के बारे में जानने के बाद, मैंने उसका फोन उठाना बंद कर दिया था। उन्होंने पुलिस को बताया दो साल तक उससे कोई संबंध नहीं रहा। इस बीच राकेश शेट्टी, महिला और अन्य लोगों ने कथित ऑडियो और वीडियो रिकॉर्ड प्रसारित करके मेरी छवि को नुकसान पहुंचाने की साजिश रची। 24 सितंबर को राकेश शेट्टी ने मुझे मेरे मोबाइल फोन पर कॉल किया और कहा कि वह एक महिला को वीडियो कॉल करने के बारे में एक समाचार रिपोर्ट प्रसारित करेगा। विनय कुलकर्णी ने पुलिस को दी गई शिकायत में कहा उसने अपने मीडिया हाउस के फेसबुक और यूट्यूब चैनल पर पोस्ट किए गए प्रोमो भी भेजे थे और धमकी दी थी कि अगर मैंने 2 करोड़ रुपये नहीं दिए, तो मेरा राजनीतिक करियर बर्बाद हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि उन्होंने राकेश शेट्टी से कहा कि वह कानूनी कार्रवाई करेंगे और समाचार के प्रसारण पर रोक लगवाएंगे। हालांकि, राकेश शेट्टी ने कहा कि वह अदालत के आदेश की परवाह नहीं करेंगे और अगर उनके द्वारा मांगे गए पैसे नहीं दिए गए तो वह समाचार प्रसारित करेंगे। विधायक ने कहा जब मैंने पैसे देने से इनकार कर दिया, तो मेरी तस्वीर और कथित वीडियो और ऑडियो बातचीत का इस्तेमाल करते हुए समाचार प्रसारित किया गया। कर्नाटक पुलिस ने धारवाड़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक के खिलाफ सामाजिक कार्यकर्ता से बलात्कार, अपहरण और धमकी देने के आरोप में एफआईआर दर्ज की है।

हरियाणा के नतीजों का कर्नाटक में

जाति जनगणना पर कांग्रेस सरकार की प्रतिबद्धता पर कोई असर नहीं पड़ेगा: प्रियांक खड़गे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने बुधवार को कहा कि हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों का राज्य में जाति जनगणना के मुद्दे पर कांग्रेस सरकार की प्रतिबद्धता पर कोई असर नहीं पड़ेगा। कर्नाटक मंत्रिमंडल द्वारा 18 अक्टूबर को राज्य में 2014-15 में किए गए सर्वेक्षण के आधार पर सामाजिक-आर्थिक और शिक्षा सर्वेक्षण रिपोर्ट, जिसे जाति जनगणना के रूप में भी जाना जाता है, पर चर्चा किए जाने की सबसे अधिक संभावना है। भाजपा ने हरियाणा में लगातार तीसरी बार जीत हासिल की, जिससे कांग्रेस की उम्मीदें धराशायी हो गईं। कुछ रिपोर्टों ने सुझाव दिया कि हरियाणा में जाति-आधारित एकीकरण से भाजपा को लाभ हुआ, जहां कांग्रेस ने चुनाव अभियान के दौरान पिछड़े वर्गों को लुभाने के लिए जाति सर्वेक्षण का वादा किया था। हरियाणा में हार का इस राज्य में जाति जनगणना पर कोई असर पड़ेगा या नहीं, इस सवाल के जवाब में खड़गे ने

कहा, इसका (हरियाणा के नतीजों का) कोई असर क्यों होगा? हमारे पास अपनी सोच और नीतियां हैं। कर्नाटक के लोगों के प्रति हमारी अपनी प्रतिबद्धता है। कांग्रेस की प्रतिबद्धता पूरे देश में जाति जनगणना कराने की है। हम इस बात को लेकर बहुत स्पष्ट हैं कि जाति जनगणना होनी ही चाहिए। यहां पत्रकारों से बात करते हुए ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री ने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व - एम मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया - जाति जनगणना पर स्पष्ट हैं और राज्य में इस मुद्दे पर कोई अस्पष्टता नहीं है। जाति जनगणना केवल संख्या का पता लगाने के लिए नहीं है, यह सरकार को बेहतर नीतियां, योजनाएं बनाने और बेहतर शासन में मदद करती है। उन्होंने जाति जनगणना पर सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर लिंगायत और वोक्कालिगा समुदायों के नेताओं के बीच मतभेद को विवादित कहा, जबकि आप इसे अलग-अलग राय कहते हैं। यह देखते हुए कि भाजपा नैतिक उच्च आधार का दावा कर रही है और मुडा मुद्दे पर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के इस्तीफे की मांग कर रही है, खड़गे ने विपक्षी पार्टी से अपने संगठन के भीतर देखने का आग्रह किया और राज्य भाजपा अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र के चुनावी हलफनामे की ओर इशारा किया जिसमें उन्होंने स्पष्ट रूप से उनके खिलाफ ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) के मामले का उल्लेख किया है। उन्होंने कहा उन पर (विजयेंद्र पर) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है, जिसमें लोक सेवकों को रिश्वत देने, धोखाधड़ी और जबरन वसूली तथा अन्य से संबंधित अपराध शामिल हैं, और उन्हें समन भी मिला था, यह उन्होंने अपने चुनावी हलफनामे में उल्लेख किया है, न कि कांग्रेस के आरोप हैं। खड़गे ने आरोप लगाया कि विजयेंद्र के खिलाफ प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) ईडी द्वारा दर्ज की गई है। अगर भाजपा ईसीआईआर शिकायत के आधार पर सिद्धारमैया से इस्तीफा मांग रही है, तो सबसे पहले उनके प्रदेश अध्यक्ष और अन्य भाजपा विधायकों पर भी यही लागू होना चाहिए, जिनके खिलाफ ईसीआईआर मामले दर्ज हैं। वे नैतिक आधार पर तभी बोलते हैं, जब सिद्धारमैया की बात आती है। अगर उनमें थोड़ी भी शर्म है, तो विजयेंद्र को अध्यक्ष पद पर बने नहीं रहना चाहिए। उन्होंने आगे बताया कि विजयेंद्र के पिता और पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) मामले का सामना कर रहे हैं।

उनमें क्या नैतिकता है?

आप घूम-घूम कर हमें नैतिकता का पाठ पढ़ा रहे हैं। उनमें क्या नैतिकता है? कांग्रेस विधायक और पूर्व मंत्री विनय कुलकर्णी के खिलाफ बलात्कार के मामले के बारे में उन्होंने कहा कानून को अपना काम करने दें, हम यहां किसी की रक्षा करने के लिए नहीं हैं। खड़गे ने कहा मुझे लगता है कि दो मामले हैं, एक मामला और दूसरा जवाबी मामला। उन्होंने (कुलकर्णी) आरोप लगाया है कि उन्हें ब्लैकमेल किया जा रहा है। हम जांच के लिए तैयार हैं। विनय कुलकर्णी ने कहा है कि वह जांच का सामना करने के लिए तैयार हैं और यह एक राजनीतिक साजिश के अलावा कुछ नहीं है। वास्तव में वह मामला दर्ज कराने वाले पहले व्यक्ति थे।

मुमताज अली आत्महत्या मामले में तीन और गिरफ्तार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुमताज अली आत्महत्या मामले में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, मेंगलूरु पुलिस ने बुधवार को तीन और व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है, जिससे चल रही जांच में तेजी आई है। अब्दुल सत्तार, मुस्तफा और शफी के रूप में पहचाने गए, गिरफ्तार व्यक्तियों के बारे में माना जाता है कि उन्होंने अली की दुखद मौत की घटनाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। अब्दुल सत्तार को एफआईआर में ए2 के रूप में चिह्नित किया गया है और उसे अपराध का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है। इससे गिरफ्तार संदिग्धों की कुल संख्या छह हो गई है। इससे पहले,

आयशा (ए1), उर्फ रहमत, उसके पति शोएब (ए5) और एक साथी सिराज को केंद्रीय अपराध शाखा (सीसीबी) पुलिस ने अली को ब्लैकमेल करने और मानसिक रूप से परेशान करने में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया था। समूह ने कथित तौर पर अली से 50 लाख रुपये की जबरन वसूली की और 50 लाख रुपये की अतिरिक्त मांग कर रहे थे, जिससे उसे गंभीर मानसिक परेशानी हुई, जिसके कारण उसने आत्महत्या कर ली।

गत 6 अक्टूबर को दुखद मोड़ लेने वाला यह मामला तब शुरू हुआ जब अली की कार मेंगलूरु के कुलूर पुल के पास दुर्घटनाग्रस्त अवस्था में मिली। बाद में व्यापक तलाशी अभियान के बाद उसका शव फाल्गुनी नदी से बरामद किया गया। कथित तौर पर अली ने अपनी बेटी को एक व्हाट्सऐप संदेश भेजा था जिसमें उसने वापस न लौटने का इरादा जताया था, जिससे चिंता बढ़ गई। अली के भाई द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर के अनुसार आरोपियों ने अली को आयशा के साथ अवैध संबंध में फंसाया था और इसका इस्तेमाल उसे ब्लैकमेल करने के लिए किया था। मिस्बाह ग्रुप ऑफ एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन और पूर्व विधायक मोहिउद्दीन बावा के भाई अली उत्पीड़न के कारण मानसिक रूप से पीड़ित थे, जिसके कारण उन्हें यह कदम उठाना पड़ा। पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल ने पहले पुष्टि की थी कि जांच ब्लैकमेल की सीमा और व्यवसायी को आत्महत्या के लिए उकसाने में शामिल लोगों को उजागर करने पर केंद्रित थी। अब्दुल सत्तार, मुस्तफा और शफी की गिरफ्तारी से साजिश पर और प्रकाश पड़ने की उम्मीद है।

दान दिल से व प्रार्थना श्रद्धा से हो : राष्ट्रसंत

कृष्णगिरी/शुभ लाभ ब्यूरो। व्यक्ति के सांसारिक जीवन के कष्टों को हरने व आनंदमय कल्याणी जीवन के लिए भारत की दिव्यतम नवरात्रि पतित पावन श्रीकृष्णगिरी तीर्थ धाम में शक्ति महोत्सव के रूप में भक्ति को प्रबल कर रही है। शक्ति पीठाधीपति, राष्ट्रसंत श्री वसंत विजय जी के मुख्य सान्निध्य में वैश्विक स्तर पर सामूहिक रूप से एकत्रित हुए हजारों श्रद्धालु भक्तों की रमक झमक चहुंओर गूंजायमान हो रही है। बुधवार सममी तिथि पर देवी मां कालरात्रि का गुणगान करते हुए श्री वसंत विजय जी ने श्रद्धालुओं को बताया कि काले रंग और बिखरे बालों के साथ गले में चमकदार बिजली रुपी मुंडमाला धारण किए अंधकार का प्रतिनिधित्व कर जगत को प्रकाशित करने वाली कालरात्रि बुरी शक्तियों का नाश कर अपने भक्तों की रक्षा करती है। उन्होंने बताया कि पाप क्षयकारिणी भी इसका नाम है, जिसके नाम सुनने मात्र से कल्याण हो जाता है। सिद्ध साधक संतश्री ने कहा कि कालरात्रि 10 दिनों में सबसे भयंकर उग्र देवी, शत्रु के लिए काल बनने वाली महामाता

है। इस दौरान मंत्र शिरोमणि पूज्य गुरुदेवश्री ने चंडिका हृदय स्तोत्र से कालरात्रि देवी के विशेष दुर्लभ मंत्र का वाचन कर उपस्थित श्रद्धालुओं श्रोताओं को आशीर्वाद लाभ प्रदान किया। इस अवसर पर उन्होंने एक सच्ची घटना प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा कि व्यक्ति को किसी भी सकारात्मक उद्देश्यपरक कार्यों के लिए खुले दिल से अपनी क्षमता के अनुसार दान करना ही चाहिए। साथ ही परमात्मा की प्रार्थना, भक्ति यदि हो तो उसमें श्रद्धा का होना बेहद आवश्यक है। सिद्धांतवादी बनने की सीख देते हुए पूज्य गुरुदेव ने कहा कि मां, गुरु, संतों व शास्त्रों के प्रति श्रद्धा व विधि विधानों पर निष्ठा होनी चाहिए। श्री वसंत विजय जी ने कहा कि जगत जननी सबसे बड़ी है। मां ही सर्वप्रथम पूजनीय है। विषय प्रवर्तन करते हुए वैश्विक स्तर पर चल रहे हिंसक घटनाओं का जिक्र किया व कहा कि धर्म की वृद्धि हिंसा से नहीं हो सकती। व्यक्ति में भक्ति की शक्ति को धर्म के लिए लगाकर मनुष्य जीवन को सार्थक करना चाहिए। डॉ संकेश छाजेड़ ने बताया कि इस शक्ति महोत्सव में नवरात्र के लगातार सातवें दिन भी सैकड़ों किलो केशरयुक्त दूध से मां पद्मावतीजी का अभिषेक हजारों श्रद्धालुओं ने अपने कर कमलों से किया।

सरकार ग्राम पंचायत कर्मचारियों की विभिन्न मांगों का बातचीत के माध्यम से करे समाधान: विजयेन्द्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई.विजयेंद्र ने मांग की है कि राज्य की सभी ग्राम पंचायतों के कर्मचारी कई उचित मांगों को लेकर हड़ताल पर हैं और उनकी मांगों को पूरा किया जाना चाहिए। ग्राम पंचायतों के 11 समूहों के कर्मचारी जिला पंचायत कार्यालय परिसर में अनिश्चितकालीन धरना-सत्याग्रह कर रहे हैं। राज्य भर में ग्राम पंचायत सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं। राज्य के पंचायत राज मंत्री प्रियांक खड़गे को इस पर ध्यान देकर समस्या का तुरंत समाधान करनी चाहिए। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि पीडीओ समेत सभी कर्मचारी चौथी बार हड़ताल पर हैं और तीन बार हुई बैठक के प्रस्ताव पूरे नहीं किये गये हैं। एसोसिएशन ने सरकार के सामने 28 मांगें रखी थीं। आपत्ति है कि इस सरकार ने एक भी मांग पूरी नहीं की। बताया गया है कि बेंगलूरु में हजारों कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन किया था। पंचायत कर्मचारियों ने तीव्र संघर्ष की डेडलाइन भी दी है। यदि यह संघर्ष तेज हुआ तो वाटरमैन व कंप्यूटर सेवा भी बंद कर दी जायेगी। ग्रामीण इलाकों में दिक्कतें बढ़ेंगी। अतः सरकार को ग्राम पंचायत कर्मचारियों की विभिन्न मांगों का बातचीत के माध्यम से समाधान करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि लोगों को परेशानी से बचाने के लिए मुख्यमंत्री को हस्तक्षेप कर मंत्रियों को समस्या का समाधान करने का निर्देश देना चाहिए।

पीएम मोदी ही पश्चिम एशिया में शांति ला सकते हैं

इज़राइल में रहने वाले भारतीयों ने जताई उम्मीद

तेल अवीव, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में संघर्ष को एक साल बीत चुका है और इस संघर्ष के चलते क्षेत्र में आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है और अधिकतर लोग अब चाहते हैं कि इस संघर्ष का अंत होना चाहिए ताकि लोग अपने सामान्य जीवन की तरफ लौट सकें। इज़राइल में रहने वाले भारतीय समुदाय ने प्रधानमंत्री मोदी से अपील की है कि वह अपने मित्र देशों रूस, ईरान और इज़राइल से बात करके इस युद्ध को खत्म कराएं।

इज़राइल में रहने वाली भारतीय रीना विनोद पुष्कर्णा का कहना है कि अगर कोई इन हालात को खत्म कर सकता है तो वो मोदी जी ही हैं।

रीना ने उम्मीद जताई कि पीएम मोदी क्षेत्र में शांति स्थापित करने में मदद करेंगे। पीएम मोदी की निर्णय लेने की क्षमता बदलाव ला सकती है। रीना पुष्कर्णा इज़राइल में लंबे समय से रह रही हैं और वहां होटल इंडस्ट्री से जुड़ी हैं। रीना पुष्कर्णा के इज़राइल में होटल हैं। उन्होंने कहा कि जब कोई कहता है कि भारत, इज़राइल का समर्थन कर रहा है तो मेरा मानना है कि भारत, इज़राइल का नैतिक तौर पर समर्थन कर रहा है, जैसे कि बाकी दुनिया कर रही है। मुझे लगता है कि मोदी जी आगे आएंगे और शांति लाएंगे।

रीना पुष्कर्णा ने कहा कि जब कोई कहता है कि भारत, इज़राइल का समर्थन कर रहा है तो मेरा मानना है कि भारत, इज़राइल का नैतिक तौर पर समर्थन कर रहा है, जैसे कि बाकी दुनिया कर रही है। मुझे लगता है कि मोदी जी आगे आएंगे और शांति लाएंगे। रीना पुष्कर्णा का कहना है कि युद्ध को एक साल का समय बीत गया है और युद्ध खत्म होने के और बंधकों के रिहा होने की फिलहाल कोई उम्मीद नहीं दिख रही। उन्होंने कहा कि इज़राइल में पर्यटन क्षेत्र को हिंसा की बड़ी कीमत चुकानी पड़ी है। होटल्स को चलाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसी जिंदगी कोई नहीं चाहता और ये जरूरी है कि आतंकवाद और नफरत खत्म होनी चाहिए। लोगों के बिजनेस बंद हो रहे हैं और लोगों को आर्थिक तौर पर काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मेरा खुद का होटल बिजनेस बुरी तरह से प्रभावित है। पहले कोरोना और अब संघर्ष ने हालात को काफी चुनौतीपूर्ण बना दिया है।

रीना ने कहा कि कोई भी पर्यटक ऐसे देश में नहीं आना चाहता, जहां बम शेल्टर हकीकत बने हुए हैं। गौरतलब है कि इज़राइल पर बीते मंगलवार को ही हिज़बुल्ला की तरफ से 100 से ज्यादा मिसाइल और रॉकेट दागे गए, जिससे पश्चिम एशिया में संघर्ष और बढ़ने का खतरा पैदा हो गया है।

आतंकियों ने सैनिक को अगवा कर मार डाला

दूसरा सैनिक जख्मी हालत में भाग निकला

जम्मू, 09 अक्टूबर (ब्यूरो)। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के कोकरनाग के वन क्षेत्र से मंगलवार शाम को लापता हुए प्रादेशिक सेना के एक सैनिक का शव बरामद कर लिया गया है। दूसरा जवान जख्मी हालत में आतंकियों के कब्जे से भाग निकलने में कामयाब रहा। कल प्रादेशिक सेना के एक सैनिक के लापता होने के बाद आज सुबह पुलिस और सेना द्वारा बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया गया था, आज तलाशी के दौरान उसका शव बरामद किया गया है।

सैनिक की मौत के कारणों और उसके लापता होने के कारणों की जांच की जा रही है। उसकी पहचान हिलाल अहमद भट निवासी मुकधमपोरा नौगाम अनंतनाग के रूप में हुई है। इससे पहले, सेना की चिनार कोर ने एक पोस्ट में लिखा था कि खुफिया जानकारी के आधार पर, भारतीय सेना ने जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर 8 अक्टूबर को कोकरनाग के कज़वान जंगल में एक संयुक्त आतंकवाद विरोधी अभियान शुरू किया। ऑपरेशन रात भर जारी रहा, क्योंकि प्रादेशिक सेना का एक जवान लापता बताया गया। बड़े पैमाने पर बचाव और तलाशी अभियान जारी है। अनंतनाग के नौगाम गांव में उस समय मातम छा गया जब बुधवार को स्थानीय सेना के जवान हिलाल अहमद भट की मौत की खबर वहां पहुंची। भट को मंगलवार को आतंकवादियों ने उस समय अगवा कर लिया जब वह छुट्टी के बाद ड्यूटी पर वापस जा रहा था, एक पड़ोसी ने बताया था। मोहम्मद शफी ने कहा कि पूरा गांव गम में है।

भट के परिवार में उसकी पत्नी, पांच साल का बेटा अजान और एक नवजात बेटी है। शफी ने बताया कि जवान छुट्टी पर अपने परिवार के साथ समय बिताने के लिए घर आया था। उन्होंने कहा कि कल वह काम पर रिपोर्ट करने के लिए लौटा था, लेकिन बाद में हमें पता चला कि रास्ते में उसका अपहरण कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि मैं सरकार से उसके परिवार का विशेष ध्यान रखने की अपील करता हूं क्योंकि उन्होंने अपना कमाने वाला खो दिया है। सेना के अनुसार, सुरक्षाबलों ने अनंतनाग के उतरासू इलाके के संगलान जंगल से बुधवार को भट का गोलियों से छलनी शव बरामद किया। भट के बचपन के दोस्त जुनैद भट को अभी भी अपने दोस्त की मौत का गम नहीं है। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता कि उसका अपहरण क्यों किया गया और उसे क्यों मारा गया।

नेकां के असंतुष्ट चार विधायक चाहते हैं घर वापसी

जम्मू, 09 अक्टूबर (ब्यूरो)। जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद, टिकट वितरण मुद्दे पर नाराजगी जताते हुए नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) छोड़ने वाले चार निर्दलीय विधायकों की घर वापसी तय है। ऐसा नेकां-कांग्रेस गठबंधन के शानदार प्रदर्शन के बाद ही संभव हो पा रहा है। जानकारी के लिए चुनाव में सात निर्दलीय उम्मीदवार अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में विजयी हुए हैं इनमें से चार नेकां के असंतुष्ट नेता हैं।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, पूर्व न्यायाधीश मुज़फ़्फ़र इकबाल खान ने राजौरी के थन्नामंडी विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के मोहम्मद इकबाल मलिक को 6,179 मतों के अंतर से हराया। कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ने वाले इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार मोहम्मद शब्बीर खान 7,508 मतों के साथ चौथे स्थान पर रहे। निर्दलीय उम्मीदवार प्यारे लाल शर्मा ने इंदरवाल विधानसभा में एक अन्य निर्दलीय उम्मीदवार गुलाम मोहम्मद सरूरी को 643 मतों के मामूली अंतर से हराया, जबकि कांग्रेस पार्टी के इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार मोहम्मद जफरुल्लाह तीसरे स्थान पर रहे। नेकां-कांग्रेस गठबंधन द्वारा सीट कांग्रेस के लिए छोड़े जाने के बाद शर्मा ने निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ने का फैसला किया। परिणाम घोषित होने के बाद शर्मा ने कहा कि वह नेकां से जुड़े हुए हैं और भविष्य में भी पार्टी में बने रहेंगे। वह बुधवार को नेकां के शीर्ष नेतृत्व से मिलने के लिए किश्तवाड़ से श्रीनगर के लिए रवाना हुए। सुरनकोट से चौधरी मोहम्मद अकरम ने गठबंधन के उम्मीदवार मोहम्मद शाहनवाज चौधरी को 8,851 मतों के अंतर से हराया। अकरम को 34,201 वोट मिले। सुरनकोट के वरिष्ठ राजनीतिक नेता मोहम्मद असलम कोहली जो अकरम के लिए प्रचार कर रहे थे, ने पुष्टि की कि नेकां नेतृत्व उनके संपर्क में है और अकरम ने पार्टी में फिर से शामिल होने का फैसला किया है। अकरम से संपर्क नहीं हो सका। गठबंधन बनने के बाद अकरम ने नेकां छोड़ दी और कांग्रेस नेता शाहनवाज चौधरी को सुरनकोट निर्वाचन क्षेत्र में गठबंधन का उम्मीदवार घोषित किया गया। डा रामेश्वर सिंह ने बनी से भाजपा उम्मीदवार और पूर्व विधायक जीवन लाल को 2,048 मतों से हराया। सिंह को 18,672 वोट मिले, जबकि लाल को 16,624 वोट मिले।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि चुनाव से पहले नेशनल कॉन्फ्रेंस का हिस्सा रहे चारों निर्दलीय विधायक पार्टी नेतृत्व के संपर्क में हैं और जल्द ही फिर से पार्टी में शामिल हो जाएंगे। विधायकों के वापस अपने पाले में आने के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस अपने दम पर सरकार बनाने का दावा पेश कर सकती है। 90 सदस्यीय विधानसभा में 42 सीटें जीतकर नेशनल कॉन्फ्रेंस जम्मू कश्मीर में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, जबकि भाजपा ने 29 सीटें जीतकर अपना गढ़ जम्मू बरकरार रखा और कांग्रेस ने छह सीटें जीतीं हैं।

रेल जेहाद के जारी हैं कारनामे

रेलवे ट्रैक पर रॉड रखकर ट्रेन पलटने की कोशिश

रायबरेली में भी ट्रैक पर रख दी लकड़ी की भारी सिल्लियां

ग्वालियर, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में रेलवे ट्रैक पर रॉड रखकर ट्रेन पलटाने की एक और साजिश की गई। लोको पायलट की सूझबूझ से बड़ा रेल हादसा टल गया। दरअसल, यहां मंगलवार को दोपहर में रेलवे ट्रैक पर रॉड रखकर एक मालगाड़ी को पलटाने का प्रयास किया गया। गनीमत रही कि मालगाड़ी के लोको पायलट ने दूर से ही ट्रैक पर रॉड पड़ी देख ली और ब्रेक लगाकर ट्रेन को रोक दिया। उत्तर प्रदेश के रायबरेली में रेल की पटरी पर लकड़ी की तीन भारी सिल्लियां रख कर ट्रेन को दुर्घटनाग्रस्त करने की कोशिश की गई।

जानकारी के मुताबिक, ग्वालियर के बिरलानगर रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक नंबर 3 पोल नंबर 1227/ 16-ए के पास ट्रैक पर एक लोहे की रॉड रखी हुई थी। यह थ्रू लाइन है। मंगलवार को दोपहर में यहां से तेज रफ्तार मालगाड़ी गुजरने वाली थी। मालगाड़ी की स्पीड 20 किलोमीटर/घंटा थी। इस वजह से लोको पायलट को रॉड नजर आ गई और समय रहते मालगाड़ी के ब्रेक लगा दिए। इससे हादसा होने से टल गया।

लोको पायलट ने तत्काल ग्वालियर स्टेशन के कंट्रोल रूम में इसकी सूचना दी। इसके बाद जीआरपी और आरपीएफ मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल की। फिलहाल जीआरपी ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जीआरपी थाना प्रभारी एमपी ठक्कर ने बताया कि ट्रैक पर चौकोर रॉड रखी हुई थी। जांच की जा रही है।

दूसरी तरफ, रायबरेली-ऊंचाहार रेलखंड पर स्लीपर रखकर मालगाड़ी पलटाने की साजिश की जांच बुधवार को शुरू हो गई। शुरुआती जांच में मालगाड़ी पलटाने की साजिश में सात से आठ लोगों के शामिल होने का अंदेशा जताया जा रहा है। वजह एक स्लीपर का वजन करीब तीन क्विंटल होता है। ऐसे में एक-दो लोग स्लीपर उठाकर उसे रेल लाइन तक नहीं पहुंचा सकते हैं।

ऐसे में जाहिर है कि ऐसा करने वालों की संख्या ज्यादा थी। इस साजिश के पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं, यह पता लगाने के लिए जीआरपी, आरपीएफ के अधिकारी सिविल पुलिस का भी सहारा ले रहे हैं।

सोमवार की रात क्लिंकर लादकर एक मालगाड़ी प्रयागराज से रायबरेली की ओर जा रही थी। इस दौरान लक्ष्मणपुर व दरियापुर स्टेशन के बीच क्रासिंग संख्या 15 सी बेनीकामा गांव के पास इंजन में खड़खड़ाहट की आवाज हुई थी जिसके बाद लोको पायलट ने गाड़ी रोक दिया। लोको पायलट ने रेल की पटरी पर स्लीपर रखने की सूचना दी। इसके बाद आरपीएफ व रेलवे अधिकारियों की टीम ने मौके पर पहुंच कर जांच की थी। इस दौरान ट्रेन लगभग डेढ़ घंटे मौके पर खड़ी रही। मामले में लोको पायलट की सूचना के आधार पर ऊंचाहार आरपीएफ थाने में अज्ञात अराजकतत्वों के खिलाफ पटरी पर स्लीपर रखे जाने का मामला दर्ज करया गया।

मालगाड़ी पलटाने की साजिश का मामला उच्चाधिकारियों तक पहुंचा तो हड़कंप मच गया। यही वजह रही कि बुधवार को रेलवे के अलावा आरपीएफ, जीआरपी के अधिकारी यहां मौके पर पहुंचकर पड़ताल की और जानने का प्रयास किया कि आखिर इन सबके पीछे किसकी साजिश थी। शुरुआती जांच में मालगाड़ी पलटाने के पीछे बड़ी साजिश बताई जा रही है। स्लीपर का वजन भारी होने की वजह से इस कार्य में सात से आठ लोगों के होने का अनुमान भी लगाया जा रहा है।

जम्मू कश्मीर में जीत की खुशी के बस दो चार दिन

केंद्र शासित प्रदेश में प्रभावी रहेंगी एलजी की शक्तियां

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 09 अक्टूबर।

जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव के नतीजे आने और विजयी होने पर नेकां-कांग्रेस के नेताओं की खुशी का पारावार नहीं है पर यह खुशी अधिक दिनों की नहीं है। जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 के तहत यह केंद्र शासित प्रदेश है और चुनाव के बाद सरकार चुन लिए जाने के बावजूद केंद्र शासित प्रदेश के उपराज्यपाल (एलजी) की शक्तियां कम नहीं होतीं। सरकार को हर बात के लिए राजभवन की अनुमति लेनी होगी।

जम्मू कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 में निर्धारित केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) जम्मू-कश्मीर की शासन संरचना, उपराज्यपाल (एलजी) में निहित महत्व-पूर्ण शक्तियों को उजागर करती है। जबकि एक निर्वाचित विधान सभा और मंत्रिपरिषद मौजूद रहेगी, अंतिम अधिकार भारत के राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त एलजी के पास रहेगा। अधिनियम के अनुसार, एलजी पुलिस, सार्वजनिक व्यवस्था और भूमि जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर कार्यकारी नियंत्रण रखता है। पुनर्गठन अधिनियम की धारा 53 के तहत, एलजी निर्वाचित विधानसभा के दायरे से बाहर के मामलों पर या कानून द्वारा ऐसा करने के लिए आवश्यक होने पर अपने विवेक से कार्य करता है।

महत्वपूर्ण रूप से, इसमें अखिल भारतीय सेवाएं और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त, एलजी विधानसभा के सत्र में न होने पर अध्यादेश जारी कर सकता है, जिससे उसे विधायी शक्तियां भी मिलती हैं। इसके अलावा, सभी वित्तीय कानूनों को विधानसभा में पेश किए जाने से पहले एलजी की संस्तुति की आवश्यकता होती है। एलजी के पास बजटीय आवंटन और व्यय पर अंतिम अधिकार भी होता है। निर्वाचित सरकार की संरचना, एलजी के व्यापक अधिकार के बावजूद, यूटी में शासन में सहायता के लिए मंत्रिपरिषद होगी। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाली परिषद, विधानसभा की कुल सदस्यता के 10 परसेंट से अधिक नहीं होगी। मुख्यमंत्री की सलाह पर एलजी द्वारा नियुक्त मंत्री सामूहिक रूप से विधानसभा के प्रति उत्तरदायी होते हैं।

सीमित विधायी भूमिका विधानसभा की विधायी शक्तियां, हालांकि महत्वपूर्ण हैं, एलजी के बिलों पर स्वीकृति रोकने या उन्हें राष्ट्रपति के विचार के लिए आरक्षित करने के अधिकार से सीमित हैं। जबकि विधानसभा वित्तीय मामलों पर बहस और मतदान कर सकती है, सभी अनुदान और विनियोग एलजी की स्वीकृति के लिए प्रस्तुत किए जाने चाहिए। मंत्रिपरिषद की शर्तें, वेतन और भत्ते यूटी सरकार में मंत्री एलजी की इच्छा पर पद धारण करेंगे, और उन्हें नियुक्ति के छह महीने के भीतर विधानसभा का सदस्य होना चाहिए। उनका वेतन कानून के अनुसार निर्धारित किया जाएगा, लेकिन जब तक विधानसभा ऐसा कानून नहीं बनाती, तब तक एलजी के पास उनका पारिश्रमिक तय करने का अधिकार है।

जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019, 9 अगस्त, 2019 को पारित हुआ और 31 अक्टूबर, 2019 से लागू हुआ, जिसने जम्मू और कश्मीर के राजनीतिक ढांचे को मौलिक रूप से बदल दिया। इस अधिनियम ने तत्कालीन राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित कर दिया। जम्मू और कश्मीर में विधानसभा है जबकि लद्दाख में विधानसभा नहीं है।

भाजपा के साथ गठबंधन कर पीडीपी ने अपनी कब्र खोद ली थी

जम्मू, 09 अक्टूबर (ब्यूरो)। 2014 के जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनावों में पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की, 28 सीटें हासिल की और राज्य में सबसे बड़ी पार्टी बन गई। हालांकि, पिछले एक दशक में पार्टी को कई असफलताओं का सामना करना पड़ा है, जिसके परिणामस्वरूप इसकी किस्मत में नाटकीय गिरावट आई है। अब तो पार्टी के अधिकतर नेता आप कह रहे हैं कि पीडीपी ने 2014 में भाजपा के साथ गठबंधन कर अपने ताबूत में अंतिम कील ठोक दी थी।

2024 के विधानसभा चुनावों में पीडीपी का प्रदर्शन गिर गया, जहां वह केवल तीन सीटें जीतने में सफल रही। पार्टी की एकमात्र जीत पुलवामा, त्राल और कुपवाड़ा में हुई, जबकि यह मध्य कश्मीर और जम्मू संभाग में कोई भी सीट हासिल करने में विफल रही। विशेष रूप से, 2014 में चुने गए कई पूर्व पीडीपी सदस्यों ने 2024 में चुनाव नहीं लड़ा, जिनमें सैयद मोहम्मद अल्ताफ बुखारी (अमीरा कदल), जाविद मुस्तफा लोन (चाडूरा), जाविद हुसैन बेग (बारामुल्ला), नूर मोहम्मद शेख (बटमालू), चौधरी जुल्फिकार अली (दरहाल), सैयद फारूक अंद्राबी (डूरू), मोहम्मद अब्बास वानी (गुलमर्ग), राजा मंजूर खान (करनाह), अब्दुल रहीम राथर (कोकरनाग) शामिल हैं), अब मजीद पैडर (डीएच पोरा), इमरान रजा अंसारी (पट्टन), शाह मोहम्मद तांत्री (पुंछ), मोहम्मद खलील भांड (पुलवामा), हसीब द्राबू (राजपोरा), यावर मीर (रफियाबाद), ऐजाज अहमद मीर (वाची), आबिद हुसैन अंसारी (जदीबल), और मोहम्मद अशरफ मीर (सोनवार)।

पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती, पूर्व विधायकों मुश्ताक अहमद शाह (त्राल) और मोहम्मद यूसुफ भट (शोपियां) के साथ, इन चुनावों में नहीं लड़ने का फैसला किया। लोलाब के एडवोकेट अब्दुल हक खान ने अपने बेटे को टिकट देने का विकल्प चुना। कई पूर्व मंत्री जिन्होंने अपनी पिछली जीत के बाद पीडीपी टिकट पर चुनाव लड़ा, इस बार असफल रहे, जिनमें अब रहमान वीरी, आसिया नकाश, नबी लोन हंजूरा, बशारत बुखारी, जहूर अहमद मीर और एडवोकेट कमर चौधरी शामिल हैं, जो थन्नामंडी सीट से चुनाव लड़े। राजनीतिक विश्लेषक पीडीपी के पतन के लिए कई प्रमुख कारकों को जिम्मेदार मानते हैं। इसके संरक्षक मुफ्ती मुहम्मद सईद की मृत्यु ने पार्टी की एकजुटता को बहुत प्रभावित किया, क्योंकि महबूबा मुफ्ती को एकता बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ा। उनका मानना है कि 2015 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ पीडीपी के गठबंधन ने इसके पारंपरिक समर्थन आधार, विशेष रूप से कश्मीर घाटी में असंतोष को जन्म दिया।

गठबंधन अंततः 2018 में टूट गया, जिसके परिणामस्वरूप जम्मू और कश्मीर में राज्यपाल शासन लागू हो गया। राजनीतिक पंडित कहते हैं कि इस राजनीतिक अस्थिरता ने मतदाताओं को और अलग-थलग कर दिया, जिन्होंने गठबंधन की विफलता और उसके बाद की अनिश्चितता के लिए पीडीपी को दोषी ठहराया।

शराबी और मांसाहारी पुलिसकर्मियों की महाकुंभ में नहीं लगेगी ड्यूटी

लखनऊ, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)।

प्रयागराज महाकुंभ में शराब पीने वाले और मांसाहारी पुलिसकर्मियों की ड्यूटी नहीं लगाई जाएगी। डीजीपी मुख्यालय ने सभी कमिश्नरेट और रेंज से प्रयागराज भेजे जाने वाले पुलिस बल के संबंध में इसका विशेष ध्यान देने को कहा है। डीजीपी ने कहा कहा है कि पुलिसकर्मियों की सत्यनिष्ठा, छवि, आम शोहरत और चाल-चलन अच्छी होनी चाहिए। इसके अलावा पुलिसकर्मियों की आयु सीमा को लेकर भी दिशा-निर्देश दिया है।

डीजीपी मुख्यालय में एडीजी स्थापना संजय सिंघल की ओर से जारी पत्र के मुताबिक महाकुंभ भेजे जाने वाले आरक्षियों की उम्र सामान्यत: 40 वर्ष होनी चाहिए। इसी तरह मुख्य आरक्षी 50 वर्ष से अधिक और उपनिरीक्षक एवं निरीक्षक 55 वर्ष से अधिक उम्र के नहीं होने चाहिए। ऐसे किसी भी पुलिसकर्मी को महाकुंभ में ड्यूटी के लिए नहीं भेजा जाएगा, जो प्रयागराज का मूल निवासी है। साथ ही, वह शारीरिक और मानसिक रूप से पूरी तरह स्वस्थ, चैतन्य और व्यवहार कुशल होना चाहिए।

उन्होंने पहले चरण में पुलिसकर्मियों की तैनाती के लिए 10 अक्टूबर, दूसरे चरण के लिए 10 नवंबर और तीसरे चरण के लिए 10 दिसंबर तक नाम भेजने का निर्देश दिया है। इसके अलावा लिपिक संवर्ग और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की भी तैनाती के लिए नाम भेजने को कहा है। इसके अलावा डीजीपी मुख्यालय ने महाकुंभ के लिए 15 पीपीएस अफसरों को एसपी कुंभमेला क्षेत्र के साथ संबद्ध किया है। जिसमें तीन एएसपी दिनेश कुमार द्विवेदी, विशाल यादव और दुर्गा प्रसाद तिवारी शामिल हैं। इसी तरह 12 डिप्टी एसपी भेजे गए हैं, जिनमें विनोद कुमार, प्रकाश राम आर्य, अभिषेक यादव, हर्ष कुमार शर्मा, राजकुमार सिंह यादव, रंजीत यादव, रजनीश कुमार यादव, महिपाल सिंह, विनोद कुमार दुबे, विजय प्रताप यादव-2, पवन कुमार-2, विजय सिंह यादव शामिल हैं। इन सभी को आगामी 15 अक्टूबर तक प्रयागराज जाने का आदेश दिया गया है।

अब शुरू हुआ जैविक जेहाद

डॉक्टर को मारने के लिए खिला रहे थे टीबी मरीज का बलगम

अस्पतालकर्मी जब्बार खान और मुशीर अहमद फरार

बागपत, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में एक सरकारी डॉक्टर और उसके परिवार को मारने की साजिश का मामला सामने आया है। इस साजिश में डॉक्टर यशवीर सिंह के खाने में टीबी (ट्यूबरक्लोसिस) से पीड़ित मरीज का बलगम और कुछ घातक रसायन मिलाने की योजना बनाई गई थी। यह घटना तब उजागर हुई जब डॉक्टर यशवीर सिंह ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई।

डॉक्टर यशवीर के मुताबिक, उनके अस्पताल में कार्यरत संविदाकर्मी जब्बार खान और लैब टेक्नीशियन मुशीर अहमद ने मिलकर इस घातक साजिश की योजना बनाई। इनका मकसद डॉक्टर और उनके परिवार को धीरे-धीरे जहरीले रसायन और टीबी मरीज का बलगम खिलाकर नुकसान पहुंचाना था। यह योजना लंबे समय से चल रही थी, लेकिन इसका खुलासा तब हुआ जब सफाईकर्मी टिंकू ने इसमें शामिल होने से मना कर दिया।

डॉक्टर की शिकायत पर पुलिस ने जब्बार खान और मुशीर अहमद के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। एफआईआर भारतीय न्याय संहिता की धारा 61 (2), 62 और 105 के तहत दर्ज की गई है। पुलिस ने बताया कि आरोपितों पर गंभीर धाराओं के तहत कार्रवाई की जा रही है और मामले की पूरी जांच की जा रही है। दोनों मुस्लिम आरोपियों की इस करतूत को जैविक जेहाद बताया जा रहा है।

डॉक्टर यशवीर सिंह ने बताया कि उनको पता ही नहीं है कि मुशीर और जब्बार उनको मारना क्यों चाहते थे। दोनों से मुशीर से डॉक्टर कभी मिले ही नहीं थे जबकि जब्बार से महीने में महज एक या दो बार ही मुलाकात होती थी। जब डॉक्टर ने दोनों आरोपितों को बुला कर इसकी वजह पूछी तो उन्होंने कुछ भी बताने से इंकार करते हुए महज इतना कहा, साहब गलती हो गई। बकौल यशवीर यह पुलिस पता करे कि उन दोनों को दिक्कत क्या थी। डॉक्टर ने कहा कि न सिर्फ उन्हें बल्कि उनके परिवार को मारने की साजिश रची गई थी। पहली साजिश डॉक्टर को ऑफिस में मिलने वाली चाय या नाश्ते में टी बी के मरीज का बलगम व घातक केमिकल मिलाने की थी। साजिश का दूसरा हिस्सा डॉक्टर के बच्चों को आवास में भेजे जाने वाले पिज्जा आदि में यही सब मिलाना था। डॉ यशवीर इस बात से भी हैरान हैं कि जब्बार और मुशीर को उनके उन बच्चों से क्या दिक्कत थी, जिसमें से एक की उम्र महज 7 और दूसरे की 10 साल है।

वकील और उसके गुर्गों ने भाजपा विधायक को पीटा

लखीमपुर खीरी, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)।

लखीमपुर खीरी में लखीमपुर अर्बन कोऑपरेटिव बैंक के चुनाव को लेकर मंगलवार से शुरू हुई तनातनी और आरोप-प्रत्यारोप बुधवार को बवाल में बदल गया। यहां बैंक के प्रधान कार्यालय के पास भाजपा के ही दो गुट आमने-सामने आ गए। इस दौरान जमकर मारपीट हुई। सदर विधायक योगेश वर्मा को बैंक की पूर्व अध्यक्ष पुष्पा सिंह के पति जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अवधेश सिंह व उनके समर्थकों ने पीट दिया। इसको लेकर मौके पर बवाल शुरू हो गया। तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए कई थानों की पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच गई और हालात को काबू में किया।

लखीमपुर अर्बन कोआपरेटिव बैंक प्रबंध समिति के चुनाव की प्रक्रिया स्थगित किए जाने का पत्र मंगलवार को वायरल हुआ था। साथ ही बैंक में चस्पा की गई मतदाताओं की अंतिम सूची फाड़ने का आरोप भी लगाया गया। इसको लेकर भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील सिंह, सदर विधायक योगेश वर्मा, श्रीनगर विधायक मंजू त्यागी, धौरहरा विधायक विनोद शंकर अवस्थी ने एडीएम से मिलकर निष्पक्ष चुनाव कराने की बात कही थी। एडीएम ने कहा था कि चुनाव स्थगित नहीं होगा, पूरी निष्पक्षता के साथ चुनाव संपन्न कराया जाएगा। इसके साथ ही बुधवार को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार नामांकन प्रक्रिया बैंक के प्रधान कार्यालय में शुरू हुई। इसके कुछ ही देर बाद पूर्वाह्न करीब 11 बजे यहां बवाल शुरू हो गया। इसी बीच भाजपा के सदर विधायक योगेश वर्मा और बैंक की पूर्व अध्यक्ष पुष्पा सिंह के पति अवधेश सिंह का बैंक के प्रधान कार्यालय के पास ही डॉन बॉस्को कॉलेज वाली गली में आमना सामना हो गया।

दोनों ने कुछ कहा और अचानक अवधेश सिंह ने सदर विधायक को थप्पड़ जड़ दिया। फिर उनके साथ आए लोगों ने विधायक को पीछे से खींच कर लात-घूंसे चला दिए। इस बीच पुलिस फोर्स ने किसी तरह विधायक को बचाया और छुड़ा कर ले गई। फिलहाल इस समय माहौल शांत है, लेकिन स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। बाद में कड़ी सुरक्षा में पर्चा जमा कराए गए। बैंक परिसर को छावनी बना दिया गया।

उत्तर प्रदेश विधानसभा उपचुनाव

सपा ने छह उम्मीदवारों की घोषणा की

लखनऊ, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं, जिनमें से 6 सीटों के लिए समाजवादी पार्टी ने अपने प्रत्याशी उतार दिए हैं। सपा ने अखिलेश यादव के इस्तीफे के बाद खाली हुई करहल विधानसभा सीट से तेज प्रताप यादव को टिकट दिया है। चुनाव आयोग ने उपचुनाव के लिए तारीखों का कोई आधिकारिक ऐलान अभी नहीं किया है। इसके बावजूद इन सीटों को लेकर अखिलेश यादव ने प्रत्याशियों के नाम का ऐलान करके एक बड़ा दांव खेला है।

सपा ने जिन विधानसभा सीटों के लिए अपने प्रत्याशियों के नाम का ऐलान किया है, उनमें करहल से तेज प्रताप सिंह यादव का नाम है। इसके अलावा कानपुर की सीसामऊ सीट से नसीम सोलंकी को उपचुनाव के मैदान में उतारा है। इसके अलावा फूलपुर से मुफ्तफा सिद्दीकी को प्रत्याशी बनाया है।

लोकसभा चुनाव के दौरान अयोध्या के अंतर्गत आने वाली फैजाबाद लोकसभा सीट भाजपा हार गई थी। सपा ने मिल्कीपुर से अपने विधायक अवधेश प्रसाद को मैदान में उतारा था। उससे खाली हुई मिल्कीपुर सीट से समाजवादी पार्टी ने अवधेश प्रसाद के बेटे अजीत प्रसाद को टिकट दिया है। इसके अलावा कटेहरी से शोभावती वर्मा और मझंवा से ज्योति बिंद को उम्मीदवार बनाया गया है।

दिलचस्प बात यह भी है कि सपा का पीडीए के तहत कांग्रेस के साथ गठबंधन है। इसके चलते कांग्रेस विधानसभा उपचुनाव के लिए सपा से 5 सीटों की मांग कर रही थी लेकिन सपा की मांग को ठुकराते हुए अपने 6 प्रत्याशियों के नाम घोषित कर दिए हैं। ऐसे में अब चार सीटें बची हैं, जिसके चलते यह देखना भी अहम होगा कि क्या कांग्रेस को सपा उपचुनाव के लिए सीटें देती भी है या नहीं। सपा ने जिन सीटों पर उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया है, उनमें से सपा के ही विधानसभा सदस्यों ने इस्तीफा दिया था।

यूपी की 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होगा जिसके लिए सभी दलों ने तैयारियां कर ली हैं। सपा के चार और सीटें घोषित न करने को कांग्रेस के साथ गठबंधन की बात कही जा रही है। उप-चुनाव में कांग्रेस ने सपा से पांच सीटों की मांग की थी लेकिन छह सीटों पर उम्मीदवार घोषित होने से यह साफ है कि सपा ने कांग्रेस का फॉर्मूला मानने से इनकार कर दिया है।

कांग्रेस के हारते ही बौखला गए बरेली के मौलाना

दिल्ली को ब्लॉक करने की साजिश का खुलासा

बरेली, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)।

इस्लामी संगठन इत्तेहादे मिल्लत काउंसिल के प्रमुख और बरेली के रहने वाले मौलाना तौकीर रजा ने एक बार फिर धमकी दी है। उसने कहा है कि मुस्लिमों के पैगंबर मुहम्मद के खिलाफ यति नर-सिंहानंद द्वारा दिए गए कथित अपमानजनक बयान के विरोध में दिल्ली मार्च किया जाएगा और देश को जाम किया जाएगा। इसके पहले वो इस्लामी धर्मांतरण कराने और देश विरोधी भड़काऊ बयान दे चुका है।

हरियाणा चुनाव में कांग्रेस के हारते ही काउंसिल के 24वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में तौकीर रजा ने अपना एजेंडा खोल दिया। उसने कहा कि यति नरसिंहानंद जैसे लोग पैगंबर-ए-इस्लाम मोहम्मद साहब की शान में गुस्ताखी कर रहे हैं। ऐसा करने वालों के विरुद्ध कोई धरना या फिर ज्ञापन नहीं होगा। अब दशहरा होने के बाद दिल्ली जाकर रामलीला मैदान में घेराव करके प्रदर्शन किया जाएगा। मौलाना तौकीर रजा ने कहा कि दिल्ली में होने वाले प्रदर्शन बरेली के आसपास के ही नहीं, बल्कि पूरे देश के कोने-कोने से लोग आएँगे। मौलाना तौकीर ने कहा, इस समय देश के लोगों में गुस्सा भरा हुआ है। नबी की शान में गुस्ताखी करने वाले आजाद घूम रहे हैं। हमारे नौजवानों के साथ मॉब लिंचिंग हो रही है। दाढ़ी वाले को ट्रेन के अंदर पीटने की घटना हो रही है।

अपनी उत्तेजक एवं कट्टरपंथी बयानों के लिए कुख्यात मौलाना ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आर-ोप लगाया। उसने कहा कि देश के वजीरे आजम समुदाय विशेष (मुस्लिम) के साथ पक्षपात कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि

कुछ लोग देश का माहौल खराब करना चाहते हैं। ये सब पब्लिसिटी के लिए कर रहे हैं। यही वजह है कि महापुरुषों की शान में गुस्ताखी करते हैं। इतना ही नहीं, बरेली दंगे के मास्टरमाइंड मौलाना तौकीर ने इस्लाम छोड़कर दूसरे धर्म में शादी करने वाली मुस्लिम लड़कियों को लेकर भी बयान दिया। उन्होंने कहा, मजहब छोड़कर दूसरे धर्म के लोगों के साथ शादी करने वाली लड़कियों की इस्लाम में कोई जरूरत नहीं है। ऐसे कमजोर लोगों की इस्लाम में कोई जगह नहीं है। अच्छा रहा कि वे खुद ही इस्लाम को छोड़कर चली गईं।

इससे पहले इस मौलाना ने कहा था, हम 20 करोड़ हैं या 30 करोड़, मैं नहीं जानता, लेकिन हममें से सिर्फ 1 प्रतिशत ही घरों से बाहर निकल आएं और दिल्ली कूच कर दें और ऐलान करें कि जब तक नरेंद्र मोदी इस्तीफा नहीं देते, तब तक धरना खत्म नहीं करेंगे। हमारे सब्र का इम्तिहान लिया जा रहा है। अगर जो पैमाना छलक गया तो नतीजे बहुत खराब हो सकते हैं। कुछ दिन पहले तौकीर रजा ने कुछ हिंदू लड़कियों का सार्वजनिक तौर पर इस्लाम में धर्मांतरण कराने का ऐलान किया था। इसके साथ ही उनका निकाह मुस्लिम युवकों से कराने की बात भी कही थी। इसको लेकर बड़े पैमाने पर बवाल हुआ था। तौकीर रजा ने कहा था कि दूसरे धर्म के 15 लड़के और 8 लड़कियाँ इस्लाम कबूलना चाहते हैं। ये सभी बालिग़ हैं और इन्होंने पहले से ही शादी कर रखी है।

मौलाना ने कहा था कि उन्होंने जिला प्रशासन से सामूहिक निकाह की अनुमति मांगी है। तौकीर ने कहा था इन सबने धर्मांतरण पहले ही कर लिया है। कार्यक्रम में सिर्फ इसकी औपचारिक प्रक्रिया पूरी कराई जाएगी। इसके बाद सार्वजनिक रूप से सामूहिक निकाह कराया जाएगा। मौलाना ने कहा कि जिन 5 जोड़ों का पहले निकाह कराया जाएगा उनमें एक मध्य प्रदेश से है, बाकी बरेली के आसपास के जिलों के हैं। उन्होंने कहा कि पढ़ाई और नौकरी के दौरान ये लड़के-लड़कियाँ प्रेम में पड़े। हालांकि, हिंदुओं के विरोध के बाद प्रशासन ने इसकी इजाजत नहीं दी थी। इतना ही नहीं, प्रशासन ने भी कहा था कि माहौल बिगाड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने साफ कह दिया था कि बिना अनुमति के इस प्रकार के किसी कार्यक्रम का आयोजन नहीं करने दिया जाएगा।

चकबंदी लेखपालों को मिला दिवाली तोहफा, 728 बने कानूनगो

लखनऊ, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चकबंदी लेखपालों को दीपावली का बड़ा तोहफा दिया है। उन्होंने 8 साल बाद प्रदेश के प्रतिक्षारत चकबंदी लेखपालों को पदोन्नति दी है।

प्रदेश के 68 जिलों के 728 चकबंदी लेखपालों को चकबंदीकर्ता (कानूनगो) के पद पर प्रोमोट किया गया है। सीएम योगी का यह महत्वपूर्ण कदम न सिर्फ अधिकारियों के करियर में एक नया अध्याय जोड़ेगा, बल्कि प्रदेश के किसानों के भूमि संबंधी विवादों के निपटारे में भी तेजी आएगी। इससे राज्य का कृषि क्षेत्र समृद्ध होगा और किसानों के जीवन में खुशहाली आएगी।

चकबंदी आयुक्त भानु चन्द्र गोस्वामी ने बताया कि प्रदेश में भूमि विवाद और चकबंदी की समस्या के त्वरित निपटारे के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गंभीर प्रयास कर रहे हैं। 2016 से प्रदेश के विभिन्न जिलों में कानूनगो के कई पद रिक्त चल रहे थे, जिसके कारण भूमि पुनर्संयोजन और चकबंदी प्रक्रिया में बाधाएं उत्पन्न हो रही थीं।

इससे किसानों की भूमि से जुड़े विवादों के समाधान में देरी हो रही थी और भूमि सुधार के प्रयासों को भी नुकसान पहुंच रहा था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए रिक्त पदों को भरने के निर्देश दिए थे। उनके निर्देश पर विभागीय पदोन्नति समिति का गठन किया गया, जिसके माध्यम से 728 योग्य चकबंदी लेखपालों को पदोन्नति दी गई है।

इस पदोन्नति प्रक्रिया में बरेली जिले के 60 चकबंदी लेखपालों को कानूनगो बनाया गया है, जो प्रदेश में सबसे अधिक संख्या है। इसके बाद कन्नौज में 41, मुरादाबाद में 35, गोरखपुर में 32 और ललितपुर में 25 चकबंदी लेखपालों को पदोन्नति मिली है। यह निर्णय इन जिलों में चकबंदी प्रक्रिया को नई ऊर्जा देगा और किसानों की भूमि संबंधी समस्याओं का तेजी से निपटारा किया जा सकेगा।

सीओ जिया उल हक हत्याकांड में सभी दोषियों को उम्रकैद

प्रतापगढ़, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)।

प्रतापगढ़ के सीओ जिया उल हक हत्याकांड में सभी 10 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। सभी 10 आरोपियों को 19,500 हजार का जुर्माना भी लगाया गया है। जुर्माने की आधी रकम डिप्टी एसपी जिया उल हक की पत्नी परवीन आजाद को देने का सीबीआई स्पेशल कोर्ट ने आदेश दिया है।

डीएसपी जिया उल हक हत्याकांड के मामले में सीबीआई कोर्ट ने सभी आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। साथ ही 15-15 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया है। कुछ दिन पहले सुनवाई करते हुए कोर्ट ने आरोपियों को दोषी ठहराया था और सजा के बिंदु पर सुनवाई के लिए नौ अक्टूबर की तिथि तय की थी। बुधवार को सजा सुनाई गई। सभी 10 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। सभी 10 आरोपियों को 19,500 हजार का जुर्माना

भी लगाया गया है। जुर्माने की आधी रकम डिप्टी एसपी जिया उल हक की पत्नी परवीन आजाद को देने का सीबीआई स्पेशल कोर्ट ने आदेश दिया है।

कुंडा के सीओ रहे जिया उल हक हत्याकांड का 11 वर्ष बाद शुक्रवार को फैसला आया। सीबीआई की विशेष अदालत ने दस आरोपियों को दोषी माना है।

देवरिया जनपद के नूनखार टोला जुआफर के रहने वाले सीओ जिया उल हक को 2012 में कुंडा सर्किल की जिम्मेदारी मिली थी। हथिगवां के बलीपुर गांव में दो मार्च 2013 की शाम प्रधान नन्हे सिंह यादव की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। यह हत्या उस समय हुई थी। जब वह विवादित जमीन के पास चाय की दुकान पर बैठा था। सीओ की हत्या में प्रधान नन्हे सिंह के बेटे योगेंद्र उर्फ बबलू व भाई पवन, फूलचंद्र और गार्ड मंजीत को मुख्य आरोपी बनाया गया था। बलीपुर के प्रधान नन्हे यादव की हत्या के बाद उसके भाई की गोली लगने से मौत से आक्रोशित लोगों ने सीओ की लाठी डंडों से पीटने के बाद गोली मारकर हत्या कर दी थी। हत्या का आरोप कुंडा विधायक रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया और उनके करीबी रहे गुलशन यादव पर लगा था। हालांकि जांच के दौरान ही सीबीआई ने दोनों को क्लीन चिट दे दिया था।

संपादकीय

लगातार तीसरी बार जनादेश

हरियाणा में लगातार तीसरी बार भाजपा को जनादेश मिला है। यह अभूतपूर्व और ऐतिहासिक जनादेश है, क्योंकि हरियाणा में किसी भी पार्टी को, लगातार तीसरी बार, जनादेश नहीं मिला है। इस जनादेश ने एग्जिट पोल के तमाम आकलन और अनुमानों को गलत साबित कर दिया है। कांग्रेस का 'किसान, जवान, पहलवान और संविधान' वाला नेरेटिव भी खोखला और छद्म साबित हुआ। दरअसल कोई भी सर्वेक्षण हरियाणा के भीतरी यथार्थ को पढ़ नहीं पाया, लिहाजा अनुमान भी गलत साबित हुए। एक टीवी चैनल ने हरियाणा के 100 स्थानीय पत्रकारों के आकलन भी आमंत्रित किए थे। उनका औसत निष्कर्ष था कि भाजपा ज्यादा से ज्यादा 18-20 सीटें जीत सकती है और कांग्रेस का बहुमत 60-65 सीट तक उछल सकता है। मतगणना शुरू हुई, तो भाजपा और कांग्रेस की सीटों का अंतर क्रमशः 18-20 और 58-60 का था। ये मतगणना के रुझान थे कि कौनसी पार्टी, कितनी आगे है। उसी दौर में कांग्रेसी जलेबियां खाने लगे, ढोल बजने लगे, डबल इंजन को खारिज करने के दावे करने लगे और विश्लेषणों का निष्कर्ष रहा कि कांग्रेस के पक्ष में प्रचंड लहर चली है, लेकिन ये मुगालते ही साबित हुए, क्योंकि दो घंटे की मतगणना के बाद ही बाजी पलट गई। आंकड़े बदलने लगे। बिल्कुल ही उलटफेर हो गया। चुनाव और मतगणना रोमांचक हो गए। शायद यही लोकतंत्र है! उसके बाद 50 सीटों के स्पष्ट बहुमत के साथ भाजपा आगे हो गई और कांग्रेस को 35 सीटों के रुझान मिले। जनादेश के ये रुझान दोपहर 1.30 बजे तक स्थिर बने रहे। साफ हो गया कि 2014, 2019 के बाद 2024 में भी हरियाणा विधानसभा का जनादेश भाजपा के पक्ष में रहा है। आंकड़े कुछ बदल भी सकते हैं, क्योंकि यह आलेख लिखने तक रुझान ही सामने थे। अब यह जनादेश हरियाणा का इतिहास बनेगा, क्योंकि कोई भी मुख्यमंत्री, राजनीतिक दल, लगातार तीसरी बार सरकार बनाने का जनादेश हासिल नहीं कर सका है। अब भाजपा आंदोलित होने लगी है। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को शानदार जीत के लिए बधाई दी है। पार्टी ने साफ कर दिया है कि सैनी ही मुख्यमंत्री होंगे। भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने, आगे की रणनीति के मद्देनजर, महासचिवों की बैठक बुलाई है। यह जनादेश जातीय नहीं रहा, हालांकि इस हकीकत से मुंह नहीं मोड़ा जा सकता। यह जनादेश जाट बनाम गैर-जाट का भी नहीं रहा, क्योंकि सोनीपत, झज्जर, रोहतक के एक हिस्से, भिवानी, हिसार, महेंद्रगढ़ आदि 'जाटलैंड' में भाजपा ने जीत हासिल कर कांग्रेस की रणनीति को ध्वस्त किया है। भाजपा ने कुरुक्षेत्र, अंबाला, करनाल, गुरुग्राम, फरीदाबाद और अहीरवाल के अपने बुनियादी गढ़ में भी शानदार जीत हासिल की है, जबकि तमाम 'एग्जिट पोल' और 'चुनावी पंडित' भाजपा को बुरी तरह पराजित बता रहे थे। जाट वोट कांग्रेस के भूपेंद्र सिंह हुड्डा और चौटाला परिवार के इनेलो के बीच बंट गए, जबकि जेजेपी का वोट भाजपा के पक्ष में आया। प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री सैनी के कारण ओबीसी वोट भाजपा को मिले। भाजपा ने दलितों पर भी फोकस रखा। अब एग्जिट पोल करने वाले अपना धंधा बदल लें, क्योंकि लोकसभा चुनाव में भी उनके अनुमान गलत निकले थे। कांग्रेस भी 'मुहब्बत नफरत' के जुमलों वाली राजनीति पर मंथन करे। राजनीति मजाक में नहीं हुआ करती। देश को बांटने वाली सियासत को भी वोट नहीं मिला करते। बेशक भाजपा के 10-साला शासन के दौरान कई कमियां रही होंगी। राज्य में बेरोजगारी और महंगाई बड़े प्रबल मुद्दे हैं, लेकिन ये राष्ट्रव्यापी समस्याएं हैं। किसान और सेना में 'अग्निवीर' भी राष्ट्रीय मुद्दे हैं। इनके लिए राज्य सरकार को दोषी करार नहीं दिया जा सकता।

हरियाणा में किसी भी पार्टी को, लगातार तीसरी बार, जनादेश नहीं मिला है। इस जनादेश ने एग्जिट पोल के तमाम आकलन और अनुमानों को गलत साबित कर दिया है। कांग्रेस का 'किसान, जवान, पहलवान और संविधान' वाला नेरेटिव भी खोखला और छद्म साबित हुआ। दरअसल कोई भी सर्वेक्षण हरियाणा के भीतरी यथार्थ को पढ़ नहीं पाया, लिहाजा अनुमान भी गलत साबित हुए। एक टीवी चैनल ने हरियाणा के 100 स्थानीय पत्रकारों के आकलन भी आमंत्रित किए थे। उनका औसत निष्कर्ष था कि भाजपा ज्यादा से ज्यादा 18-20 सीटें जीत सकती है और कांग्रेस का बहुमत 60-65 सीट तक उछल सकता है। मतगणना शुरू हुई, तो भाजपा और कांग्रेस की सीटों का अंतर क्रमशः 18-20 और 58-60 का था। ये मतगणना के रुझान थे कि कौनसी पार्टी, कितनी आगे है। उसी दौर में कांग्रेसी जलेबियां खाने लगे, ढोल बजने लगे, डबल इंजन को खारिज करने के दावे करने लगे और विश्लेषणों का निष्कर्ष रहा कि कांग्रेस के पक्ष में प्रचंड लहर चली है, लेकिन ये मुगालते ही साबित हुए, क्योंकि दो घंटे की मतगणना के बाद ही बाजी पलट गई।

राज्य ने सभी स्तरों पर शिक्षा को बढ़ाने के लिए एक व्यापक ढांचा तैयार किया

शिक्षा सुधारों में क्रांति की दरकार

डा. वरिंदर भाटिया

उत्तर प्रदेश ने शैक्षिक सुधारों में एक परिवर्तनकारी यात्रा शुरू की है, जिसमें एक ऐसा मॉडल स्थापित किया गया है जो सुलभता, आधुनिकीकरण, समावेशन और समग्र विकास को प्राथमिकता देता है। यह उभरती कहानी महत्वपूर्ण गुणात्मक और मात्रात्मक प्रगति को दर्शाती है, जिसमें प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने और बाजार की मांगों के साथ शैक्षिक पेशकशों को एकसार करने पर जोर दिया गया है।

हिमाचल प्रदेश की सरकार शिक्षा में गुणात्मक सुधार के लिए, उत्तर प्रदेश के शिक्षा मॉडल को अपनाएगी। पहाड़ी प्रदेश के शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर, जो कि उत्तर प्रदेश के दौरे पर थे, ने यूपी में शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे गुणात्मक सुधारों की बारीकियों को सीखा। यह उनकी एक अच्छी पहल है क्योंकि शिक्षा में सुधारों को लेकर राजनीतिक विचारधारा का आड़े आना अपरिपक्वता की निशानी होती है और हमें हमेशा दूसरों के कामयाब प्रयासों से सीखना चाहिए। आइए, जानें कि देश के सबसे बड़े राज्य ने ऐसा क्या किया है जो कि शिक्षा सुधारों की दिशा में सुर्खियां बटोर रहा है। उत्तर प्रदेश ने शैक्षिक सुधारों में एक परिवर्तनकारी यात्रा शुरू की है, जिसमें एक ऐसा मॉडल स्थापित किया गया है जो सुलभता, आधुनिकीकरण, समावेशन और समग्र विकास को प्राथमिकता देता है। यह उभरती कहानी महत्वपूर्ण गुणात्मक और मात्रात्मक प्रगति को दर्शाती है, जिसमें प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने और बाजार की मांगों के साथ शैक्षिक पेशकशों को एकसार करने पर जोर दिया गया है। राज्य ने सभी स्तरों पर शिक्षा को बढ़ाने के लिए एक व्यापक ढांचा तैयार किया है, जो अपने युवाओं और बच्चों की विविध आकांक्षाओं को पूरा करता है। समावेशिता और सामाजिक पहुंच पर जोर ने यह सुनिश्चित किया है कि हाशिए पर पड़े समुदायों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक समान पहुंच मिले। यह पहल न केवल शैक्षिक मानकों को फिर से परिभाषित करती है, बल्कि भविष्य के लिए एक दृष्टि को भी बढ़ावा देती है, जहां हर युवा व्यक्ति अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने और समाज की प्रगति में सक्रिय रूप से योगदान करने के लिए सशक्त होता है। इस राज्य ने 130000 से अधिक सरकारी स्कूलों को आधुनिक बनाने के लिए ऑपरेशन कायाकल्प शुरू किया। कभी उपेक्षा के प्रतीक रहे इन स्कूलों को बुनियादी ढांचे और डिजिटल उपकरणों के साथ पुनर्जीवित किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप 2018 और 2023 के बीच प्राथमिक विद्यालयों में नामांकन में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उपस्थिति में यह पुनरुत्थान स्कूलों के अवसर और आशा के स्थानों में परिवर्तन को दर्शाता है। भौतिक सुधारों के अलावा, शैक्षिक गुणवत्ता को बढ़ाने पर भी जोर दिया गया है। मिशन प्रेरणा पढ़ने और अंकगणित जैसे मूलभूत कौशलों पर ध्यान केंद्रित करता है, जिससे ग्रामीण साक्षरता दर में 8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो दूरदराज के क्षेत्रों में शिक्षा की गहरी बाधाओं को

दूर करने के लिए प्रतिबद्धता को दर्शाता है। अब वास्तविक समय में निगरानी की जाने वाली मिड डे मील योजना में प्रतिदिन 1.8 करोड़ बच्चों को पौष्टिक भोजन दिया जाता है। इस सुधार ने उल्लेखनीय रूप से 9 प्रतिशत तक ड्रॉपआउट दरों को कम किया है जिससे कक्षाएं जुड़ाव के जीवंत केंद्र बन गई हैं। यदि सामाजिक बदलाव लाना है तो सर्वप्रथम समाज को शिक्षित करना पड़ेगा। भारत के पास विश्व की सबसे बड़ी युवा शक्ति है जिसे एक बेहतर मानव संसाधन के रूप में तैयार करने के लिए बेहतर शिक्षा देनी पड़ेगी। वहां के विद्यालयों में में गेट, चारदीवारी, फर्श पर टाइल्स, खेलने के लिए पार्क और लाइब्रेरी के साथ डिजिटल क्लास रूम्स, बालक और बालिकाओं के लिए अलग-अलग शौचालय, पीने के पानी और हाथ धोने के लिए हैंडवॉश सिस्टम, क्लास रूम में बच्चों के बैठने के लिए फर्नीचर की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। बेसिक शिक्षा के महत्व को देखते हुए वित्त वर्ष 2016-17 में 55176 हजार करोड़ से बढ़ाकर खर्चा वित्त वर्ष 2021-22 में 63455 तक पहुंचाया गया है। इसे प्रति वित्त वर्ष लगातार बढ़ाया ही जा रहा है, ताकि हमारे भविष्य के लिए नींव को मजबूत किया जा सके। उत्तर प्रदेश में गरीबों की संख्या अधिक है। इसलिए वहां अतिरिक्त प्रयास करने पड़ते हैं। चूंकि प्राथमिक शिक्षा सबका मौलिक अधिकार है, इसलिए बच्चों के भविष्य निर्माण हेतु 1.84 करोड़ पाठ्य पुस्तकें, 1.83 करोड़ बस्ते, 1.61 करोड़ विद्यालय की पोशाकें मुफ्त में वितरित की गईं। इस व्यवस्था को और अधिक बेहतर बनाने के लिए डीबीटी के माध्यम से छात्र-छात्राओं को यूनीफार्म, स्वेटर, जूते-मोजे एवं स्कूल बैग खरीदने के लिए अभिभावकों के बैंक खातों में 1100 रुपए की धनराशि उपलब्ध कराई जाती है। अनुसूचित जाति के बालकों, अनुसूचित जनजाति के बालकों एवं गरीबी रेखा के नीचे के परिवार के प्रत्येक छात्र-छात्रा को दो जोड़ी यूनीफार्म हेतु 600 रुपए, स्वेटर हेतु 200 रुपए, जूता-मोजा हेतु 125 रुपए, स्कूल बैग हेतु 175 रुपए, अर्थात कुल 1100 रुपए प्रदान किए जा रहे हैं। प्राथमिक शिक्षा यदि बेहतर है तो आगे की शिक्षा के बेहतर होने की सम्भावना बढ़ जाती है। इसलिए सर्वाधिक कार्य आधार शिक्षा पर किया जाना चाहिए जो कि अनवरत किया जा रहा है। इनमें भी कुछ व्यावहारिक समस्याएं हैं। केवल शिक्षक नियुक्ति या आधारभूत सुविधा बाधा देने से शिक्षा व्यवस्था सुधर नहीं जाती। औचक निरीक्षण में विद्यालयों में नदारद शिक्षकों के लिए सरकार बायोमीट्रिक प्रणाली को अपनाने की बात कर रही है। शिक्षकों की उपस्थिति को ऑनलाइन बनाने की ओर कदम बढ़ाया गया। छोटे-छोटे प्रशासनिक सुधारों का समाज पर व्यापक असर पड़ता है। उत्तर प्रदेश में परीक्षा व्यवस्था नकल माफिया का पर्याय हो चुकी थी। अपनी प्रतिभा से अंक लाने वाले छात्रों को बाहर के लोग संदेह की नजर से देखते थे। नकल माफियाओं और उनके राजनीतिक रसूख ने इन सब कार्यों को पनपने में बड़ी मदद की। इस तरह के कार्यों में लिप्त परीक्षा केंद्रों को काली सूची में डालकर सरकार ने साफ-सुथरी परीक्षा को संचालित कर पाने में सफलता पाई है। इससे प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को आत्मविश्वास मिला। शिक्षा का मूल उद्देश्य सभी नागरिकों को बेहतर मानव संसाधन के रूप में विकसित करने से है। शिक्षित समाज ही बेहतर समाज को साकार करता है। शिक्षा व्यक्ति को तार्किक बनाती है, वैज्ञानिक सोच का विकास करती है। उत्तर प्रदेश के मदरसों में जो पाठ्यक्रम चल रहे थे, वे धार्मिक थे, परंतु उनमें वैज्ञानिकता का अभाव था। अतः वहां भी पाठ्यक्रम को बदल कर सीबीएसई पाठ्यक्रम लागू किया जा रहा है। वहां भी पढने वाले बच्चों का सर्वांगीण विकास हो सकेगा, क्योंकि अब वे मात्र मजहब से जुड़े पाठ्यक्रम नहीं, अपितु एक पूर्ण पाठ्यक्रम पढ़ेंगे जो उनके व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास में सहायक होगा। सिर्फ उत्तर प्रदेश ही नहीं, देश के अनेक राज्यों, जैसे आंध्र प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर व मिजोरम इत्यादि राज्यों में शिक्षा सुधारों के क्षेत्रों में काम हुआ है, जैसे कि आंध्रप्रदेश सरकार ने शिक्षा में एक बड़ा कदम उठाया है।

दृष्टि कोण

जल विद्युत पर्यटन : सतत विकास का मार्ग

जिस तरह से विश्व पर्यटन संगठन ने छोटे द्वीप राज्यों के लिए क्रूज पर्यटन के एक जीवन रेखा के रूप में महत्व को उजागर करने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन में शामिल हो गया है, उसी तरह से हिमाचल प्रदेश एक सुंदर लैंडलॉक्ड, अपने अपार प्राकृतिक सुंदरता, राजसी नदियों और ऊंचे पहाड़ों के कारण सबसे अधिक मांग वाले गंतव्य के रूप में स्थापित है। उसी तरह से जलविद्युत पर्यटन मानव निर्मित जल विद्युत स्टेशनों के माध्यम से योगदान विकसित कर सकता है। हिमाचल प्रदेश देवताओं की भूमि, आध्यात्मिक साधकों, ट्रैकर्स और साहसिक उत्साही लोगों के लिए एक गंतव्य के रूप में अपने आकर्षण से परे, राज्य के प्रचुर जल संसाधन जलविद्युत पर्यटन के माध्यम से पर्यटन के साथ सतत विकास करने का एक अनूठा अवसर प्रस्तुत करते हैं। जल विद्युत स्टेशनों और जल आपूर्ति सुरंगों के साथ बिंदीदार अपने सुंदर परिदृश्य के साथ, हिमाचल प्रदेश में जलविद्युत पर्यटन में वैश्विक नेता बनने की क्षमता है। नियाग्रा फॉल्स और रॉबर्ट मूसा नियाग्रा पावर प्लांट जैसे सफल मॉडल से प्रेरित, राज्य अक्षय ऊर्जा और स्थिरता को बढ़ावा देते हुए एक संपन्न ईको-टूरिज्म उद्योग विकसित कर सकता है। कृषि और बागवानी इसकी अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। जलविद्युत परियोजनाओं ने पहले से ही राज्य के आर्थिक विकास, रोजगार प्रदान करने और बुनियादी ढांचे के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हालांकि स्थानीय अर्थव्यवस्था में पनबिजली पर्यटन को एकीकृत करके, लाभ ऊर्जा उत्पादन से परे हो सकते हैं। इन पनबिजली स्थलों के आसपास समुदाय आधारित पर्यटन का विकास स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार के अवसर पैदा कर सकता है, जिससे वे टूर गाइड, नाव ऑपरेटर या होमस्टे के प्रदाताओं के रूप में कार्य कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, इन स्थलों के पास हस्तशिल्प, पारंपरिक हिमाचली व्यंजन और सांस्कृतिक प्रदर्शन को बढ़ावा देने से स्थानीय परंपराओं को संरक्षित करते हुए पर्यटक अनुभव को बढ़ाया जा सकता है। विश्व पर्यटन संगठन द्वारा जारी एक संयुक्त बयान में, विश्व अर्थव्यवस्था के लिए पर्यटन अत्यंत महत्वपूर्ण है, जहां यह लाखों लोगों की आजीविका चलाता है और पर्याप्त सामाजिक-आर्थिक लाभ लाता है। विश्व पर्यटन संगठन द्वारा जारी एक बयान में, अनुमानित 790 मिलियन पर्यटकों ने 2024 के पहले सात महीनों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यात्रा की, जो 2023 की तुलना में लगभग 11 फीसदी अधिक है, हालांकि 2019 की तुलना में 4 फीसदी कम है। परिणाम अधिकांश क्षेत्रों में मजबूत मांग, एशिया प्रशांत गंतव्यों की चल रही वापसी, बहाली, पुनः प्राप्ति, हवाई संपर्क और वीजा सुविधा में वृद्धि से प्रेरित थे। जनवरी-जुलाई 2024 में अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आगमन पूर्व-महामारी के स्तर के 96 फीसदी तक पहुंच गया है। मध्य पूर्व सबसे मजबूत बढने वाला क्षेत्र बना रहा, जिसमें अंतरराष्ट्रीय आगमन 2019 के स्तर से 26 फीसदी ऊपर चढ़ गया। अफ्रीका ने 2019 के समान महीनों की तुलना में 7 फीसदी अधिक पर्यटकों का स्वागत किया। यूरोप और अमेरिका ने 2024 के पहले सात महीनों के दौरान अपने पूर्व-महामारी आगमन संख्या का 96 फीसदी और 97 फीसदी पुनप्राप्त किया, जबकि एशिया और प्रशांत ने 2019 के स्तर का 82 फीसदी दर्ज किया। उपक्षेत्रों के अनुसार, उत्तरी अफ्रीका ने महामारी से पहले की तुलना में 21 फीसदी अधिक 2024 के पहले सात महीनों में अंतरराष्ट्रीय आगमन के साथ सबसे मजबूत प्रदर्शन देखा, इसके बाद मध्य अमेरिका (19 फीसदी), कैरिबियन और दक्षिणी और भूमध्यसागरीय यूरोप (दोनों 9 फीसदी) का स्थान रहा। संयुक्त राष्ट्र पर्यटन विश्वास सूचकांक सितंबर-दिसंबर 2024 के लिए सकारात्मक उम्मीदें दिखाता है। पर्यटन विशेषज्ञों के संयुक्त राष्ट्र पैनल ने यात्रा और पर्यटन में मुद्रास्फीति की ओर इशारा किया। पर्यटन जो अपने वर्तमान और भविष्य के आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय प्रभावों का पूरा ध्यान रखता है, आगंतुकों, उद्योग, पर्यावरण और मेजबान समुदायों की जरूरतों को संबोधित करता है। सतत पर्यटन विकास दिशानिर्देश और प्रबंधन प्रथाएं बड़े पैमाने पर पर्यटन और विभिन्न आला पर्यटन खंडों सहित सभी प्रकार के गंतव्यों में पर्यटन के सभी रूपों पर लागू होती हैं। सतत सिद्धांत पर्यटन विकास के पर्यावरणीय, आर्थिक और सामाजिक-सांस्कृतिक पहलुओं को संदर्भित करते हैं और दीर्घकालिक स्थिरता की गारंटी के लिए तीन आयामों के बीच एक उपयुक्त संतुलन स्थापित किया जाना चाहिए। पर्यावरणीय संसाधनों का इष्टतम उपयोग करें जो पर्यटन विकास में एक महत्वपूर्ण तत्व का गठन करते हैं। आवश्यक पारिस्थितिक प्रक्रियाओं को बनाए रखते हैं और प्राकृतिक विरासत और जैव विविधता के संरक्षण में मदद करते हैं।

कुछ अलग

अबके मैं भी सोच रहा हूं कि..

मित्रो! अब हमारे घर में दीपावली की सेल के नए सामान के स्वागत के लिए सफाई अभियान लगभग पूरा हो चुका है। स्टोर में सेल का सामान लाने के लिए जरूरत से अधिक जगह बन गई है। बीवी दीपावली की सेल का इंतजार पलकें बिछाए कर रही है। दीपावली की सेल से विमुख पता नहीं कौन होंगे जो पलकें बिछाए राम का कर रहे होंगे। इन दिनों तो बारहमासी पुजारी तक मंदिर के बदले सेल में घूमते रहते हैं। अब मेरे ही नहीं, घड़ी के भी बारह बज चुके हैं। मैं बीवी से नजरें बचा झाड़ू दीवार के सहारे खड़ा कर आराम फरमा रहा हूं। आराम फरमाते फरमाते सोच रहा हूं कि इस दीपावली क्यों न मैं भी अपने दिमाग के स्टोर की सफाई कर लूं। टेंपों तो बना हुआ ही है। बरसों पुराना सड़ा फड़ा अब इस दिमाग के स्टोर में कब तक रखे रखूं? इतने साल हो गए। कभी अपने दिमाग की सफाई नहीं की। जो भी जहां से भी मिला, उसे अपने दिमाग के स्टोर में घुसेड़ता रहा, यही सोचकर कि क्या पता, कब काम आ जाए। बस, इसी चक्कर में दिमाग का स्टोर इतना भर गया है कि अब उसमें तिल धरने को भी जगह नहीं। दिमाग में इसी ठसाठसी के चलते कई बार अब तो जो अपना खास तक मेरे गले लगता है तो मैं उसे भी नहीं पहचान पाता। पहचानूं तो तब जो वह कभी यूज हुआ हो। ऐसे में वह मुंह सामने मुझे गालियां देता आगे हो लेता है। दीपावली की सफाई के इसी क्रम में सोच रहा हूं बरसों से जो ईमानदारी दिमाग के स्टोर में बेकार पड़ी धूल चाट रही है, क्यों न उसे कबाड़ी को दे दूं ताकि दिमाग में तनिक भूसा भरने को थोड़ी और जगह बन जाए। जबसे इसे खरीद कर लाया हूं, आपकी कसम! एक बार भी कहीं इसका प्रयोग न हुआ। बरसों पहले जो मॉल से पहला वेतन मिलने पर जिस इनसानियत को बड़े शौक से खरीद कर इतराता लाया था, उसमें तबसे ही दिमाग के स्टोर में पड़े पड़े जंग लग रही है। एक बार भी इसे कहीं इस्तेमाल करने का मौका न मिला। सो सोच रहा हूं, इस दीपावली को इस कबाड़ को भी घर के कबाड़ के साथ कबाड़ी को दे दूं, ताकि दीपावली की सेल से इस उम्र में काम आने वाली चीजें ला सकूं। दिमाग के स्टोर में बेकार पड़े बरसों से जिस भाईचारे को दीमक लगभग चाट चुकी है, सोच रहा हूं, क्यों न अबके उसे भी कबाड़ी को दे दूं ताकि दीपावली की सेल से इस उम्र में काम आने वाली कोई दूसरी चीज ला सकूं। बरसों से जो प्रेम के दिमाग के स्टोर में बेकार पड़ा पड़ा घुनिया रहा है, सोच रहा हूं उसे भी क्यों न इस दीपावली सफाई में निकले भंगार के साथ इसे भी औने पौने में कबाड़ी को दे दूं ताकि दिमाग में दीपावली पर लगने वाली सेल में कुछ प्रेम से अलग खरीद दिमाग के स्टोर में रख सकूं। सोच रहा हूं इस दीपावली को बरसों से जो सहनशीलता दिमाग के स्टोर में बेकार में पड़ी पड़ी सड़ रही है, उसे भी कबाड़ी को दे दूं ताकि दिमाग के स्टोर में सेल से लाई गधे की लीद को जगह मिल सके। सोच रहा हूं दिमाग के स्टोर से उसको भी बाहर निकाल फेंकू जो हाय का न बाय का, दुश्मन कोरी चाय का। जबसे बंधु को अपना बनाया है, बेशर्म काम आया ही कितनी बार? जितनी बार उसे काम में लाने की भरसक कोशिश की, मुझे ही यूज कर गया। ऐसे दिमाग के स्टोर में सहेज कर बिल्कुल नहीं रखने चाहिएं जो आपके द्वारा यूज होने से आपको ही यूज कर पतली गली से सरक लें। ऐसे अपने दिमागी स्टोर की जगह ही घेरते हैं। सोच रहा हूं अपने दिमाग के स्टोर से उस तथाकथित अपने सबसे प्रिय को भी कबाड़ी का फटा थैला दिखाऊं जो काम बताने पर न कभी हां ही करता है और कभी न ही करता है। उस पर विश्वास करना अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारना है। काले चोर पर विश्वास करना आसान है, पर उस पर विश्वास करना मुश्किल। सोच रहा हूं अबके इस दीपावली को अपने दिमाग में भी झाड़ू पोंछा लगाते उस डियर वन को भी दिमाग के स्टोर से कान पकड़ कारपोरेशन के डस्टबिन के हवाले कर दूं जो जब भी करता है, बस, अपने मतलब की ही बात करता है। मुझे कभी अपने काम की बात खुद से करने ही नहीं देता। और जब उसे मुझसे काम न हो तो बगल से ऐसे निकल जाता है जैसे...अबके सोच रहा हूं कि...अबके सोच रहा हूं कि...।

देश दुनिया से

बढ़ा बजट उबारेगा कृषि को संकट से

एक या दो दिन बाद, नई दिल्ली में कुछ जाने-माने अर्थशास्त्रियों के साथ बंद कमरे में बैठक हुई। चूंकि बतौर निर्वाचित-प्रधानमंत्री वे इसमें शामिल नहीं हो सकते थे, लिहाजा एक अन्य राजनीतिक दिग्गज मुरली मनोहर जोशी ने बैठक की अध्यक्षता की। अर्थशास्त्रियों को अपने सुझाव इस बाबत देने को कहा गया कि एनडीए सरकार को किस किस्म की आर्थिक नीतियां लानी चाहिए ताकि उसे आगे चलकर सत्ता विरोधी लहर का सामना न करना पड़े। उपस्थित अधिकांश अर्थशास्त्री चाहते थे कि राजकोषीय घाटे पर कड़ी नजर रखी जाए और चालू-खाता घाटा कम करने के तरीके खोजे जाएं। चिन्हित मुद्दों पर काफी विचार हुआ और निश्चित रूप से अन्य अहम विषयों पर भी चर्चा हुई, मसलन, रोजगार सृजन, विनिर्माण एवं निर्यात को बढ़ावा देना इत्यादि।

साल था 1996। चुनाव परिणाम घोषित हो चुके थे और अटल बिहारी वाजपेयी को निर्वाचित-प्रधानमंत्री के रूप में घोषित किया जा चुका था। एक या दो दिन बाद, नई दिल्ली में कुछ जाने-माने अर्थशास्त्रियों के साथ बंद कमरे में बैठक हुई। चूंकि बतौर निर्वाचित-प्रधानमंत्री वे इसमें शामिल नहीं हो सकते थे, लिहाजा एक अन्य राजनीतिक दिग्गज मुरली मनोहर जोशी ने बैठक की अध्यक्षता की। अर्थशास्त्रियों को अपने सुझाव इस बाबत देने को कहा गया कि एनडीए सरकार को किस किस्म की आर्थिक नीतियां लानी चाहिए ताकि उसे आगे चलकर सत्ता विरोधी लहर का सामना न करना पड़े। उपस्थित अधिकांश अर्थशास्त्री चाहते थे कि राजकोषीय घाटे पर कड़ी नजर रखी जाए और चालू-खाता घाटा कम करने के तरीके खोजे जाएं। चिन्हित मुद्दों पर काफी विचार हुआ और निश्चित रूप से अन्य अहम विषयों पर भी चर्चा हुई, मसलन, रोजगार सृजन, विनिर्माण एवं निर्यात को बढ़ावा देना इत्यादि। जब मुझसे यह सुझाव देने के लिए कहा गया कि नीतिगत ध्यान का केंद्र किस पर होना चाहिए, तो मेरा जवाब था कि बजट का 60 प्रतिशत हिस्सा उस समय कृषि क्षेत्र में काम कर रही 60 प्रतिशत आबादी के लिए रखा जाना चाहिए। मेरे कई साथी मुझसे सहमत नहीं थे, कुछ ने तो यहां तक चेतावनी दे डाली कि अगर बजट का 60 प्रतिशत हिस्सा कृषि के लिए आवंटित किया गया तो आर्थिक तबाही मच जाएगी। उद्योग और बुनियादी ढांचा विकसित करने को अधिक धन देने पर जोर दिया गया और इसे उच्च आर्थिक विकास की ओर ले जाने का शर्तिया माध्यम बताया गया। मैंने फिर भी जोर देकर कहा कि यह एक नया सांचा और आर्थिक सोच बनाने का समय है और जब तक कृषि के लिए पर्याप्त बजटीय प्रावधान नहीं किया जाता, तब तक देश सर्वांगीण विकास नहीं कर पाएगा। मुझे पता था कि मेरा सुझाव मुख्यधारा की आर्थिक सोच से मेल नहीं खाएगा। हालांकि, मेरी समझ से सत्ता विरोधी लहर से बचने की एकमात्र राह खेती और ग्रामीण विकास में पर्याप्त निवेश करना था। बैठक का समापन जोशी ने यह कहकर किया कि वे हमारे विचारों से प्रधानमंत्री को अवगत करवाएंगे। कुछ दिनों बाद, मुझे आश्चर्य हुआ जब नई सरकार ने कृषि के लिए 60 प्रतिशत बजट प्रदान करने की अपनी मंशा की घोषणा की। कृषि में इतने संसाधन लगाने की जरूरत को लेकर मीडिया में हंगामा मच गया, कई विशेषज्ञों ने तो यहां तक कहा कि इससे अर्थव्यवस्था पीछे की दिशा में जाएगी। लेकिन मेरी दलील थी कि उच्च विकास की दिशा में कदम आगे बढ़ाते वक्त भारत अपनी दो-तिहाई आबादी को ग्रामीण इलाकों में भुगतने के लिए छोड़ नहीं सकता। इसे संभव बनाने के लिए, और राजनीतिक दार्शनिक जॉन रॉल के 'निष्पक्षता एवं न्याय' सिद्धांत के अनुसार, नीति बनाते वक्त मानव पूंजी निवेश, खेती और कृषि का पुनर्निर्माण, स्वास्थ्य एवं शिक्षा क्षेत्र सहित उचित ग्रामीण बुनियादी ढांचे की स्थापना और इस प्रक्रिया में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए पर्याप्त राजकोषीय संसाधन उपलब्ध कराए जाने चाहिए। संक्षेप में, यह वही है जो प्रधानमंत्री का 'सबका साथ... सबका विकास' वाला नारा कहता है, उसकी प्राप्ति के लिए रूपरेखा आर्थिक सोच एवं दृष्टिकोण और रुख में आमूल-चूल बदलाव लाकर फिर से तैयार की जा सकती थी। चूंकि वाजपेयी सरकार केवल 13 दिनों तक चली, इसलिए वह विचार जो परिवर्तनकारी बदलाव के लिए एक मजबूत नींव रख सकता था, वह भी गुम हो गया। मैं यह इसलिए साझा कर रहा हूं क्योंकि सकल बजट में खेती के लिए आवंटन और भी कम हो गया है। यह देखते हुए कि कृषि पर करोड़ों लोगों की आजीविका निर्भर है, यह चिंताजनक है। 2019-20 में पहले से ही काफी कम रख गए अंश यानी 5.44 प्रतिशत के बाद, कृषि का हिस्सा 2024-25 के बजट में और गिरकर 3.15 फीसदी रह गया है। यह जानते हुए कि यह राजनीतिक और आर्थिक कारक -जिन पर बड़े कारोबारियों का काफी प्रभाव है- संसाधन आवंटन पर हावी है, गलती की भ्रंश रेखाएं स्पष्ट रूप से दिखाई देती हैं। देश की 42.3 प्रतिशत आबादी अभी भी कृषि में लगी हुई है, इसकी वृद्धि दर वर्तमान में 1.4 प्रतिशत के आसपास मंडरा रही है। इससे भी बदतर यह है कि औसत कृषि आय में भारी गिरावट आई है। वास्तविक ग्रामीण मजदूरी एक दशक से अधिक समय से स्थिर है। निरंतर जारी कृषि संकट इतना गंभीर है कि इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। जैसा कि मैं पहले भी कई बार कह चुका हूं, यह इसलिए क्योंकि खेती को जानबूझकर पिछड़ा रखा गया। अनेकानेक अध्ययन दर्शाते हैं कि अगर विकल्प मिले तो लगभग 60 प्रतिशत किसान खेती छोड़ना चाहते हैं। और अगर आप हैरान हो रहे हैं कि भारतीय किसानों की हालत इतनी खराब कैसे है, तो कृषि की मौत के संकेतकों में सबसे ऊपर है, आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) द्वारा हाल ही में किया गया एक अध्ययन।

आप का नजरिया

पत्थरों से टूटता हिमाचल

निशाने पर सरकारी संपत्तियों की आबरू और पत्थरबाजों के नित नए किस्से हिमाचल में शिरकत करने लगे। ऊना में वंदे भारत एक्सप्रेस लगातार दो बार पथराव का शिकार बनकर शिकायत कर रही है कि किसे इसकी फुर्सत और इस हिमाकत की वजह क्या है। पथराव में साधे गए निशानों की फिरकियां, किसी गहरी साजिश का हिस्सा हो सकती हैं। हिमाचल में भी ऐसे हालात क्यों होने लगे कि पत्थरबाज भी कहर ढाने लगे। वंदे भारत सिर्फ एक ट्रेन नहीं, दिल्ली और हिमाचल के बीच रेल यात्रा का अहम पड़ाव भी है। यह एक ऐसा विकास मॉडल है जिसके ऊपर हिमाचल के विश्वास व विस्तार की गुंजाइश दिखाई देती है। ऐसे में पत्थरों से खेलते लोग क्या पैगाम दे रहे या दहशत के सरगना क्यों नन्हीं पटरियों पर कालिख पोत रहे हैं। अभी तो हिमाचल के रेल और रेल की पटरियां बाल्याकाल में हैं और अमन की यात्रा को छीनने की कोशिश शुरू हो गई। यूं तो वंदे भारत की मंजिल पर खड़ा ऊना हिमाचल में रेलवे विस्तार का प्रवेश द्वार है और इसी रास्ते से फिलहाल भविष्य के संकल्प दिखाई देते हैं। कुछ नई रेल गाडियां प्रस्तावित हैं जो सीधे मुंबई तक जुड़ सकती हैं। कल अंब-अंदौरा तक रेल यात्रा का सफल मार्ग आगे बढक़र चिंतपूर्णी, ज्वालाजी, कांगड़ा से जुड़ सकता है। वंदे भारत में यात्री नहीं, हिमाचल की यात्रा सफर करती है। इसके माध्यम से पर्यटन और पर्यटकों की मंजिलें सफर करती हैं। यह ट्रेन हिमाचल की शांति और शांति के प्रतीक मंदिरों को जोड़ते हुए एक रेलवे सर्किट बना रही है। सैलानी अंब-अंदौरा तक रेल की यात्रा को आगे देवीदर्शन से जोड़ रहे हैं, तो इनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी हिमाचल की है। पथराव कर रहे लोग निश्चित रूप से हिमाचल का प्रतिनिधित्व नहीं करते, लेकिन अगर यह अवधारणा निरस्त न हुई, तो पत्थरों से घायल रेल यात्रा जरूर शिकायत करेगी। यह समझ से परे है कि ये कौन लोग हैं और इनकी अशांति का कारण क्या है। एक पर्यटक रेलगाड़ी पर पत्थर बरसाने वाले राज्य की आत्मा से धोखा, कानून-व्यवस्था से विश्वासघात और हिमाचल के इतिहास से छेड़छाड़ है। यह मसला महज जांच या रूटीन पड़ताल का नहीं है, बल्कि हिमाचल की कानूनी छतरी के छेदों के त्वरित उपचार का भी है। जीवन के हर पहलू में जिस तरह की राजनीतिक खोज यहां शुरू हुई है, उससे लोगों की हिमाकल अब हाथ में पत्थर, जुबान पर गोली और मुकाम पर अपराध लिए घूम रही है। अंततः प्रदेश की छवि का सवाल अब कहां रहा। हमारे किस्से उनके अपराध से मिल गए, वे अब जो कुछ करें अपने से लगते हैं। हम ऐसे तो न थे, हमें भोले भाले लोगों का प्रदेश कहा जाता था। अब हम दिल पर पत्थर रखकर यह सुनने लायक भी नहीं बचे। जिन यात्रियों ने 'वंदे भारत' के सफर को हिमाचल में पत्थरों से टूटते देखा है, उनसे मत पूछना कि हम बहादुर थे या भोले भाले लगे। हम अपनी छवि को रेलवे की पटरी और ऐसे विवादों की धूल पर ले आए हैं कि जहां सामाजिक परिदृश्य में असाधारण घुसपैठ का विद्रूप चेहरा छिपा बैठा है। यह तोडफ़ोड़ का प्रतीक कुछ भी बहाना बना लेगा।

मिल्टन तूफान फ्लोरिडा और टैम्पा में मचाएगा तबाही, इमरजेंसी लागू

वाशिंगटन, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मैक्सिको की खाड़ी में इस सदी का सबसे बड़ा समुद्री तूफान मिल्टन बुधवार को अमेरिका के फ्लोरिडा और टैम्पा के तट से टकराने की आशंका है। मीडिया रिपोर्ट में नेशनल हरिकेन सेंटर ने इस तूफान को कैटेगरी-5 का बताया है, जो 250 से 300 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाओं और भारी बारिश के साथ तबाही मचा सकता है। समुद्र में ऊंची लहरें उठ रही हैं, और बाढ़ का खतरा बना हुआ है।

इस विनाशकारी तूफान से करीब पांच करोड़ लोगों का जीवन प्रभावित हो सकता है। सरकारी एजेंसियों ने इमरजेंसी लागू

लोगों को सुरक्षित स्थान पर जाने के निर्देश जारी

कर दी है और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। तूफान फ्लोरिडा और टैम्पा को क्रॉस करने के बाद अटलांटिक महासागर का रुख करेगा। अटलांटिक महासागर की ओर बढ़ते मिल्टन तूफान ने मैक्सिको की खाड़ी में अपना कहर बरपाना शुरू कर दिया है, जिससे अमेरिका के फ्लोरिडा और अन्य तटीय राज्यों में इमरजेंसी लागू कर दी गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक समुद्र से उठ रही 15 फीट ऊंची लहरों और 18 इंच तक बारिश के साथ तूफानी हवाओं का खतरा है, जिससे तटीय इलाकों में भारी नुकसान होने की आशंका है। फ्लोरिडा की 51 काउंटियों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, सेना और आपातकालीन सेवाओं को सतर्क कर दिया है। 1311 उड़ानों को डायवर्ट किया गया है और 1500 फ्लाइट्स रद्द की गई हैं, जबकि टैम्पा और ऑरलैंडो एयरपोर्ट बंद कर दिया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी अपनी विदेश यात्रा स्थगित कर दी है। टैम्पा में आखिरी बार 1921 में इतना बड़ा तूफान आया था, जिसमें भारी जान-माल का नुकसान हुआ था।

श्रीलंका में डेंगू ने मारा डंक, अब तक 19 लोगों की मौत

एनडीसीयू के आंकड़े जारी, 40 हजार से ज्यादा मामले आए सामने

कोलंबो। राष्ट्रीय डेंगू नियंत्रण इकाई (एनडीसीयू) के जारी आंकड़ों के मुताबिक इस साल श्रीलंका में अब तक 40 हजार से ज्यादा डेंगू के मामले सामने आए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एनडीसीयू ने बताया कि अब तक 40,109 मामले सामने आए हैं, जिनमें 19 लोगों की मौत हुई है। पश्चिमी प्रांत से सबसे ज्यादा मामले आए, जो कुल मामलों का 42.3 फीसदी है। उत्तरी प्रांत दूसरे स्थान पर है जहां डेंगू के 12 फीसदी मामले दर्ज किए गए, जबकि मध्य प्रांत में 10.3 फीसदी मामले हैं। पश्चिमी प्रांत में सबसे ज्यादा 10,027 मामले कोलंबो जिले से सामने आए हैं। प्रांत में सबसे पीछे गम्पाहा जिला है, जहां 4,698 मामले सामने आए हैं। एनडीसीयू ने डेंगू के लिए 10 उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों की भी पहचान की है। एनडीसीयू के मुताबिक पिछले साल डेंगू के कुल 88 हजार से ज्यादा मामले सामने आए थे, जिनमें 57 लोगों की मौत हुई थी।

न्यूज ब्रीफ

बाइडेन को नेतन्याहू पर भरोसा नहीं, कोई खेल तो नहीं खेल रहा अमेरिका?

तेलअवीव। इजराइल हमास और हिजबुल्लाह को निशाना बना रहा है। गाजा के बाद उसका अटैकिंग प्वाइंट बेरूत बन गया है। इजराइल के हर कदम में अमेरिका उसके साथ खड़ा नजर आ रहा है। ईरान ने जब आधी रात को तेल अवीव में मिसाइलों की बौछार की तो बाइडेन ने साफ कहा कि इजराइल के हर सहयोग के लिए अमेरिका तैयार है लेकिन इजराइल को लेकर जो रूख जो बाइडेन का है क्या वही रुख कमला हैरिस का भी होगा? ये सवाल ऐसे वक्त में और भी अहम है क्योंकि 5 नवंबर को अमेरिका में नए राष्ट्रपति का चुनाव होना है। जो बाइडेन पहले ही रेस से बैकआउट कर चुके हैं। उनकी जगह अब कमला हैरिस राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार हैं, जिनका मुकाबला रिपब्लिकन डोनाल्ड ट्रंप से है। यह पूछे जाने पर कि क्या अमेरिका नेतन्याहू को करीबी सहयोगी मानता है, हैरिस ने जवाब टाल दिया और कहा कि मुझे लगता है, पूरे सम्मान के साथ, बेहतर सवाल यह है कि क्या हमारे पास अमेरिकी लोगों और इज़राइली लोग के बीच एक महत्वपूर्ण गठबंधन है। उस प्रश्न का उत्तर हां है। हैरिस की तरफ से ये प्रतिक्रिया अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन के बयान के बाद सामने आई है। जो बाइडेन ने नेतन्याहू के लिए कड़े शब्दों का प्रयोग किया। बाइडेन ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि नेतन्याहू अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के परिणाम को प्रभावित करने के लिए शांति समझौते को रोक रहे हैं या नहीं, मुझे नेतन्याहू पर भरोसा नहीं है। कमला हैरिस से पूछा गया कि क्या इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को संयुक्त राज्य अमेरिका का करीबी सहयोगी माना जा सकता है, तो उन्होंने सीधा जवाब देने से परहेज किया।

नेपाल सरकार ने नोट छापने का टेंडर चीनी कंपनी को दिया

काठमांडू। नेपाल सरकार ने अपने नए नोट को छापने का टेंडर चीन की कंपनी को दिया है। इस संबंध में नेपाल राष्ट्र बैंक के साथ चीन की कंपनी का समझौता होने जा रहा है। कुछ महीने पहले ही नेपाल सरकार ने अपने नए नोट में विवादास्पद नक्शा सहित प्रकाशित करने का फैसला लिया था। नेपाल राष्ट्र बैंक के प्रवक्ता डॉ. गुणाकर भट्ट ने बुधवार को बताया कि करीब 3000 करोड़ से अधिक मूल्य के नोट को छापने के लिए चीन की एम एस चाइना बैंक नोट प्रिंटिंग एंड मेनिटिंग कॉरपोरेशन को दिया गया है। प्रवक्ता ने बताया कि नोट के प्रकाशन के लिए ग्लोबल टेंडर निकाला गया था, जिसके बाद चीन की कंपनी को देने का निर्णय किया गया है। करीब 72 लाख अमेरिकी डॉलर में नेपाल के 10, 20 और 50 का नोट छापने के लिए टेंडर दिया गया है। नेपाल राष्ट्र बैंक के मुताबिक चीन की कंपनी में छपने वाले नए नोट में नेपाल का विवादास्पद नक्शा दिखाए जाने का निर्देश है। भारत के उत्तराखंड के लिपुलेक और लिंपियाधुरा पर अपना दावा करते हुए तत्कालीन केपी ओली की सरकार ने नया नक्शा जारी किया था। अब देश के नोट में भी उस नक्शा को छापने के लिए सरकार ने नीतिगत निर्णय लिया था।

शेख हसीना के बेटे जॉय और पूर्व मंत्री पलक समेत 19 के खिलाफ एनआईडी डेटा लीक का आरोप, केस दर्ज

ढाका। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय, अवामी लीग नेता और पूर्व आईसीटी राज्यमंत्री जुनैद अहमद पलक समेत 19 लोगों पर राष्ट्रीय पहचान पत्र (एनआईडी) डेटा लीक का कथित आरोप लगा है। इन सभी के खिलाफ कफरूल पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है। बांग्लादेश के प्रमुख समाचार पत्र ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, जॉय और अन्य पर कथित तौर पर संगठित सिंडिकेट के माध्यम से एनआईडी जानकारी की बिक्री की सुविधा प्रदान करने का आरोप है। कहा गया है कि जॉय व अन्य ने डिजिकॉन को व्यावसायिक लेनदेन के लिए एनआईडी जानकारी का उपयोग करने की अनुमति दी। 39 वर्षीय एनामुल हक ने बुधवार तड़के ढाका के कफरूल पुलिस स्टेशन में साइबर सुरक्षा अधिनियम के तहत मामला दर्ज कराया है। कफरूल पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी काजी गोलाम मुस्तफा ने इसकी पुष्टि की है। पुलिस के मुताबिक, शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि सजीब वाजेद जॉय और जुनैद अहमद पलक ने सिंडिकेट के माध्यम से एनआईडी जानकारी की बिक्री की सुविधा के लिए अपने अधिकारों का दुरुपयोग किया।

अब सीरिया को बनाया निशाना

इजराइल ने हिजबुल्लाह कमांडर को बनाया निशाना, सात लोगों की मौत

दमिश्क, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)।

इजराइल ने सीरिया में हिजबुल्लाह के एक कुख्यात कमांडर को निशाना बनाया। इजराइल के दो अधिकारियों के अनुसार, मंगलवार रात को सीरिया की राजधानी दमिश्क में इजराइल के सुरक्षाबलों ने एक आवासीय इमारत पर ताबड़तोड़ हवाई हमले किए। यह हमला ईरानी दूतावास के पास किया गया। सुरक्षाबलों ने हथियारों की तस्करी में शामिल हिजबुल्लाह के कमांडर को निशाना बनाया।

द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर में इसका उल्लेख करते हुए कहा गया है कि सीरिया की राज्य समाचार एजेंसी ने एक सैन्य स्रोत का हवाला देते हुए कहा कि रॉकेटों ने महिलाओं और बच्चों सहित सात नागरिकों की जान ले ली। यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि है हमले में हिजबुल्लाह कमांडर मारा गया या नहीं। ईरानी दूतावास ने कहा कि हमले में कोई भी ईरानी नागरिक नहीं मारा गया। ना ही घायल हुआ।

इजराइल ने दक्षिणी लेबनान में और सैनिक भेजे - द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, इजराइल ने कल दक्षिणी लेबनान में और अधिक सैनिक भेजे हैं। इससे संकेत मिलता है कि इजराइल के सुरक्षा बल जमीनी आक्रमण को और तेज कर सकते हैं।

गाजा हो गया खंडहर- रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल के सैन्य अभियान के बाद गाजा का अधिकांश क्षेत्र खंडहर हो गया है। यह पहचान करना मुश्किल है कि गाजा की यह कौन सी बस्ती है।

ईरान के परमाणु स्थलों पर हमले के आसार-द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, इजराइल के नागरिक मांग कर रहे हैं कि अब ईरान की परमाणु क्षमताओं को निशाना बनाया जाए। इस बात का समर्थन अमेरिका में भी कुछ लोग कर रहे हैं। कुछ इजराइली अधिकारियों का मानना है कि यह संभव है।

गोलान की दिशा से तीन मिसाइल दागी गई- सीरिया की सरकारी सीरियन अरब न्यूज एजेंसी (एसएएनए) के अनुसार इजराइल ने मंगलवार को दमिश्क के मेजाह में एक आवासीय इमारत को निशाना बनाया। हमले में सात नागरिक हताहत हुए। यह हमला रात लगभग सवा आठ बजे किया गया। सीरियाई गोलान की दिशा से तीन मिसाइलों के साथ हवाई आक्रमण शुरू किया।

हिज़बुल्लाह लड़ाकों को खदेड़ा, सीमा पर बढ़ाई सैनिकों की संख्या

तेल अवीव। इज़राइल और हिज़बुल्लाह के बीच का संघर्ष अब और तेज हो गया है, जिसमें इज़राइली सेना ने दक्षिणी लेबनान के 130 से ज्यादा कस्बों और गांवों से हिज़बुल्लाह लड़ाकों को खदेड़ दिया है। इस समय इज़राइली सेना इन क्षेत्रों में जमीनी ऑपरेशन चला रही है, और उत्तरी इज़राइल की सीमाओं पर बढ़ते तनाव को देखते हुए और सैनिकों को तैनात करने की योजना है। उत्तरी सीमा पर हुए एक मोर्टार हमले में इज़राइली रक्षा बलों के दो सैनिक मारे गए हैं, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया है। यह हमला इस बात का संकेत है कि संघर्ष अब और तेज हो सकता है। इज़राइली सेना ने पहले ही दक्षिणी लेबनान के नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर जाने का निर्देश दिया है, ताकि उन्हें युद्ध के दुष्प्रभावों से बचाया जा सके। इज़राइली रक्षा बलों ने साफ कहा है कि यदि जरुरी हुआ तो वे सैनिकों की संख्या और ऑपरेशन को और तेज सकते हैं। वर्तमान में इज़रायल की 98वीं, 36वीं, और 91वीं गैलीली रीजनल डिविजन लेबनान की सीमा पर तैनात हैं। इसके अलावा तीसरी इज़राइली डिविजन भी लेबनान में दाखिल हो चुकी है, जिससे सैनिकों की कुल संख्या 10 हजार से ज्यादा हो गई है। इज़राइली सेना ने लेबनान में हिज़बुल्लाह के छोड़े गए हथियारों का एक बड़ा जखीरा बरामद किया है, जिससे आशंका जताई जा रही है कि हिज़बुल्लाह 7 अक्टूबर जैसे हमला करना चाहता था।

खामेनेई के पोते ने ईरान की सैन्य कार्रवाई को बताया उचित

इज़राइल को केवल सैन्य शक्ति से ही रोका जा सकता है

तेहरान, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)।

ईरान और इज़राइल के बीच तनाव चरम पर है और ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई के पोते हसन ख़ामेनेई ने इस तनाव को लेकर कहा कि इज़राइल के खिलाफ ईरान की कड़ी सैन्य प्रतिक्रिया को उचित ठहराया है। उन्होंने कहा कि इज़राइल तब तक नहीं रुकेगा जब तक उसका सामना ताकत और शक्ति से नहीं किया जाएगा। हसन ने इस बात पर जोर दिया कि इज़राइल को केवल सैन्य शक्ति से ही रोका जा सकता है।

हसन खामेनेई ने फ़िलिस्तीनी राज्य की स्थापना के लिए जनमत संग्रह कराने के ईरान के सुझाव पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि यदि जनमत संग्रह होता है, तो फ़िलिस्तीनियों का बहुमत शासन स्थापित हो सकता है, जिससे इज़राइल का खात्मा हो सकता है। उन्होंने कहा कि जो सबसे ज्यादा वोट पाता है, वह जीतता है, और यही इज़राइल के खात्मे का कारण बन सकता है। खामेनेई ने अमेरिका, ब्रिटेन, और इज़रायल द्वारा प्रस्तावित टू-स्टेट समाधान की आलोचना करते हुए इसे एक रणनीति बताया जिससे दुनिया इज़राइली शासन की वैधता को मान्यता दे सके।

हसन खामेनेई ने कहा कि यह सोचना गलत है कि अगर ईरान इज़राइल को अकेला छोड़ देगा, तो इज़राइल भी ईरान को अकेला छोड़ देगा। इसके विपरीत उन्होंने सैन्य शक्ति और ईरान की क्षमता दिखाने पर बल दिया ताकि इज़राइल को मुंहतोड़ जवाब दिया जा सके। बता दें इज़राइली हवाई हमलों में हमास और हिज़्बुल्लाह के नेताओं की मौत के बाद ईरान ने इज़राइल पर सैकड़ों बैलिस्टिक मिसाइल दागीं। इस जोरदार प्रतिक्रिया ने कई लोगों को आश्चर्यचकित कर दिया है। इज़राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने तुरंत कड़ी जवाबी कार्रवाई का ऐलान किया, जिससे मिडिल-ईस्ट में युद्ध की आशंका और भी बढ़ गई है।

1 के बदले 36 मारे फिर भी नहीं रुक रहा इजराइल

गाजा। इजरायल ने अपने एक नागरिक की मौत के बदले 36 फिलिस्तीनी लोगों को मार डाला है। इनमें से 10 हजार लोग तो मलबों में ही दफन हो गए। गाजा में मारे गए लोगों की संख्या वहां रहने वाले हर 55 लोगों में से 1 के बराबर है। इजरायल के इन हमलों में कम से कम 16,756 बच्चे मारे गए हैं। जो पिछले दो दशकों में संघर्ष के एक साल में दर्ज किए गए बच्चों की सबसे अधिक संख्या है। 17,000 से अधिक बच्चों ने एक या दोनों माता-पिता को खो दिया है। हमास और अन्य फिलिस्तीनी समूहों की हथियार बंद शाखा कस्साम ब्रिगेड के लड़ाकों द्वारा किए गए हमले के जवाब में, 7 अक्टूबर को गाजा पर इजरायल का हमला शुरू हुआ। इसके बाद शुरु हुई जंग के दौरान लगभग 1,140 लोग मारे गए और लगभग 240 को बंधक बनाकर गाजा ले जाया गया। इसके जवाब में, इजरायल ने एक भयंकर बमबारी शुरू की और 2007 से गाजा में पहले से ही चल रही घेराबंदी को और कड़ा कर दिया। पिछले एक साल में, इजरायली हमलों में गाजा में रहने वाले कम से कम 41,615 फिलिस्तीनी मारे गए हैं।वैश्विक निंदा और अंतरराष्ट्रीय संगठनों तथा

पाकिस्तान ने लेबनान में फंसे अपने 67 नागरिक सुरक्षित निकाले

कराची, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तााान ने लेबनान में रह रहे अपने 67 नागरिकों को सुरक्षित निकाल लिया है। यह सभी विमान से स्वदेश लाए जा रहे हैं। विमान के अब से कुछ देरबाद कराची पहुंचने की संभावना है। पाकिस्तान के चैनल एआरवाई न्यूज के अनुसार, उड़ान में लेबनान से वापस लाए गए 67 नागरिक सवार हैं। यह लेबनान से सड़क मार्ग से सीरिया की राजधानी दमिश्क पहुंचे। वहां से इनको विमान से कराची लाया जा रहा है।

लेबनान और सीरिया के पाकिस्तान दूतावास ने नागरिकों की सुरक्षित निकासी सुनिश्चित की। सभी के लिए परिवहन और भोजन की व्यवस्था की। इससे पहले, नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के महानिदेशक (डीजीसीएए) ने लेबनान में फंसे पाकिस्तान के नागरिकों को वापस लाने के लिए चाम विंग्स एयरलाइंस की विशेष उड़ान भेजने की अनुमति दी। डीजीसीएए के अनुसार, आगामी 48 घंटों के भीतर लेबनान से कुल 180 नागरिकों को वापस पाकिस्तान ले जाने के लिए एयरबस ए320 का उपयोग किया जाएगा। डीजीसीएए ने लेबनान में पाकिस्तान के राजदूत को इसकी सूचना दी है।

बिलावल ने सरकार की मंशा पर किया सवाल-25 अक्टूबर से पहले संवैधानिक संशोधन पारित कराना अपरिहार्य नहीं

न्यायाधीशों ने कई बार अपने राजनीतिक उद्देश्यों को प्राप्त करने संवैधानिक सीमाओं से परे जाने का प्रयास किया

इस्लामाबाद, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा है कि सरकार 25 अक्टूबर से पहले संवैधानिक संशोधन पारित करना चाहती है। बिलावल ने सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि लेकिन इस तारीख से पहले ऐसा करना न तो आवश्यक है और न ही अपरिहार्य।

जियो न्यूज चैनल ने द न्यूज की रिपोर्ट के हवाले से कहा है कि पूर्व विदेशमंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने एक निजी टीवी चैनल से कहा कि संसदीय विधायी प्रक्रिया उनकी मौजूदा सरकार को न्यायपालिका में सुधार लाने के लिए संविधान में संशोधन करने का अधिकार देती है। इतिहास में पहली बार, एक मुख्य न्यायाधीश ने दूसरे न्यायाधीश के साथ अपने अधिकार साझा किए। उन्होंने कहा कि यह पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश (सीजेपी) काजी फैज ईसा के कार्यकाल में हुआ। उन्होंने कहा, वह जस्टिस काजी फैज ईसा और जस्टिस मंसूर अली शाह का सम्मान करते हैं।

उन्होंने कहा कि कुछ न्यायाधीशों ने कई बार अपने राजनीतिक उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए अपनी संवैधानिक सीमाओं से परे जाने का प्रयास किया। बिलावल ने कहा कि इसलिए सरकार और उसके गठबंधन सहयोगी यह सुनिश्चित करेंगे कि संवैधानिक संशोधन प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हो। उन्होंने कहा की कि राजनीति में कोई आदर्श स्थिति नहीं है, लेकिन उनकी पार्टी का पहले दिन से यही रुख रहा है कि संशोधन को सभी राजनीतिक दलों के बीच सर्वसम्मति से अपनाया जाना चाहिए।

पीपीपी अध्यक्ष ने कहा कि न्यायपालिका हर संस्था में अपनी भूमिका निभा सकती है, लेकिन संसद से कहा गया कि वह न्यायपालिका में हस्तक्षेप न करे। बिलावल ने कहा कि जब सरकार ने संवैधानिक संशोधन के लिए संसदीय समिति का गठन किया, तब पीटीआई संस्थापक इमरान खान ने जेल में एक विवादास्पद बयान दिया, लेकिन पीटीआई के लिए सरकार के दरवाजे अभी भी खुले हैं। उन्होंने पीटीआई से संवैधानिक संशोधन पर अपनी स्थिति, यदि कोई हो, साझा करने को कहा। हालांकि, बिलावल ने कहा कि पीटीआई का राजनीतिक उद्देश्य पाकिस्तान को विफल करना है।

उन्होंने कहा कि विपक्षी दल प्रस्तावित संवैधानिक संशोधन को विवादास्पद बनाने के लिए हर हथकंडा अपना रहा है। पीटीआई संस्थापक ने एक पत्र के माध्यम से न्यायपालिका और प्रतिष्ठान को विवादास्पद बनाने की कोशिश की।

अब रूस का सहयोग करने के लिए किम जॉग की सेना उतरी यूक्रेन के खिलाफ

मॉस्को, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)।

यूक्रेन के खिलाफ रूस की युद्ध में अब उत्तर कोरिया ने भी अपनी सैन्य ताकत का सहयोग देना शुरू कर दिया है। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने अपने सैनिकों को पूरी सैन्य साजो-सामान और हथियारों के साथ रूस का समर्थन करने के लिए भेजा है। दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्री किम योंग युवान के अनुसार, उत्तर कोरिया के 6 सैनिक 3 अक्टूबर को डोनेट्स्क के नजदीक यूक्रेनी मिसाइल हमले में मारे गए हैं। यूक्रेन की मीडिया ने इस घटना की जानकारी पिछले हफ्ते दी थी। बता दें कि उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने जून 2024 में मुलाकात की थी, जिसमें दोनों देशों के बीच आपसी रक्षा समझौते पर सहमति बनी थी। रूस को उत्तर कोरिया का समर्थन मिलना यूक्रेन युद्ध के लिए एक

नया मोड़ हो सकता है। उत्तर कोरिया के साथ चीन भी रूस का समर्थन कर रहा है, जबकि दक्षिण कोरिया को अमेरिका का सहयोग प्राप्त है।

उत्तर कोरिया ने हाल ही में रूस को हथियार सप्लाई करने के आरोपों का खंडन किया था, हालांकि दक्षिण कोरिया का दावा है कि उत्तर कोरिया भविष्य में और भी अधिक सैनिकों को रूस की सहायता के लिए यूक्रेन भेज सकता है। दक्षिण कोरियाई अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि उत्तर कोरिया बिना किसी स्पष्ट समझौते के अपने सैनिकों को इस युद्ध में झोंक सकता है, जो स्थिति को और गंभीर बना सकता है।उत्तर कोरिया ने हाल ही में बड़ी संख्या में तोपखाने और क्रूज मिसाइलों का परीक्षण किया है, जिनका उपयोग उन्नत हथियारों के रूप में रूस को सौंपा जा रहा है। हालांकि, उत्तर कोरिया पर संयुक्त राष्ट्र ने बैलिस्टिक टेक्नोलॉजी का उपयोग करने पर प्रतिबंध लगा रखा है, लेकिन मार्च 2024 में रूस ने उत्तर कोरिया के खिलाफ एक प्रस्ताव पर वीटो कर दिया था, जिसके लिए उत्तर कोरिया ने रूस का आभार व्यक्त किया था। इस घटना ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तनाव बढ़ा दिया है, और यह देखना दिलचस्प होगा कि आने वाले समय में यह संबंध कैसे विकसित होते हैं।

श्रीलंका में अभिनेता रंजन रामनायके और पूर्व क्रिकेटर टीएम दिलशान ने नई पार्टी बनाई

कोलंबो। श्रीलंका में आगामी संसदीय चुनाव से पहले एक नई पार्टी का अभ्युदय हुआ है। अभिनेता रंजन रामनायके और श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर टीएम दिलशान ने नई राजनीतिक पार्टी यूनाइटेड डेमोक्रेटिक वॉयस (यूडीवी) बनाई है। डेली न्यूज के अनुसार, अभिनेता रामनायके और पूर्व क्रिकेटर दिलशान ने कहा कि यूनाइटेड डेमोक्रेटिक वॉयस का चुनाव चिह्न माइक्रोफोन होगा। डेली न्यूज की खबर के अनुसार, पार्टी अध्यक्ष रंजन रामनायके होंगे। दिलशान को राष्ट्रीय संयोजक बनाया गया है।

वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन 2024 की अंतरराष्ट्रीय इवेंट एंबेसडर होंगी दो बार की ओलंपिक चैंपियन वैलेरी ऑलमैन

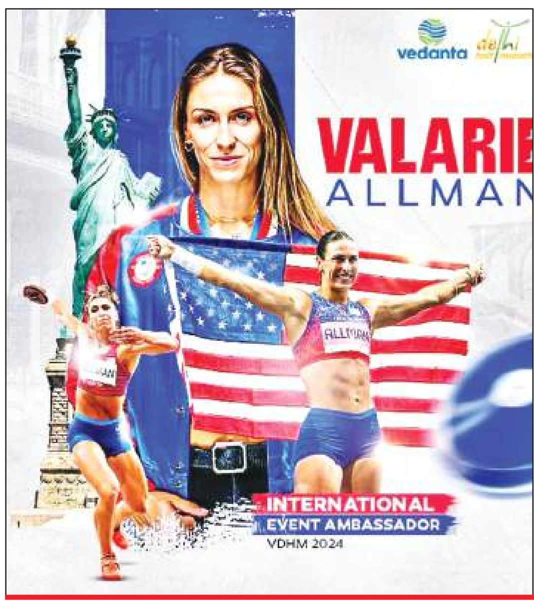

नई दिल्ली, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)।

स्टार अमेरिकी डिस्कस थ्रोअर वैलेरी ऑलमैन, जिन्होंने 2020 टोक्यो ओलंपिक (2021 में आयोजित) और 2024 पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीते, को 20 अक्टूबर को होने वाले वेदांत दिल्ली हाफ मैराथन 2024 के लिए अंतरराष्ट्रीय इवेंट एंबेसडर नामित किया गया है। यह घोषणा रेस प्रमोटर प्रोकैम इंटरनेशनल द्वारा की गई।

पेरिस में 69.50 मीटर के ऑलमैन के उल्लेखनीय थ्रो ने एक नया अमेरिकी रिकॉर्ड बनाया, जिसने वैश्विक स्तर पर शीर्ष डिस्कस थ्रोअर में से एक के रूप में उनकी स्थिति को और मजबूत किया। उनकी ओलंपिक यात्रा टोक्यो 2020 खेलों में स्वर्ण पदक के साथ शुरू हुई, जिसे उन्होंने 68.98 मीटर के शक्तिशाली पहले थ्रो के साथ हासिल किया। अपनी ओलंपिक जीत के अलावा, ऑलमैन दो बार की विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता भी हैं, जिन्होंने 2023 में रजत और 2022 में कांस्य पदक जीता है।

एथलेटिक्स में ऑलमैन की यात्रा अप्रत्याशित रूप से शुरू हुई। वह शुरू में एक डांसर बनना चाहती थीं, लेकिन उसके बाद हाई स्कूल में उन्हें अपने बड़े भाई से प्रेरणा मिली और उन्होंने ट्रैक और फील्ड के प्रति अपना जुनून दिखाया। वह जल्दी ही प्रसिद्धि में आ गई, 2017 समर यूनिवर्सियाड में रजत पदक जीता और अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बनाई।

हालाँकि वह 2017 की विश्व चैंपियनशिप से चूक गई, लेकिन ऑलमैन की दृढ़ता का फल उसे तब मिला जब उसने टोक्यो 2020 के लिए अमेरिकी ओलंपिक टीम के लिए क्वालीफाई किया, और 2008 के बाद से डिस्कस में ओलंपिक स्वर्ण जीतने वाली पहली अमेरिकी महिला बन गई। अप्रैल 2022 में ला जोला में ट्राइटन इनविटेशनल में दर्ज किया गया उसका 71.46 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो इतिहास में 15वां और लगभग तीन दशकों में सबसे लंबा है।

2024 के पेरिस ओलंपिक में, ऑलमैन ने 69.50 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक हासिल करते हुए अपना दबदबा जारी रखा। इस स्पर्धा में उनका प्रभुत्व स्पष्ट था, क्योंकि फाइनल में उनके सभी वैध थ्रो ने उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी, चीन की बिन फेंग को लगभग दो मीटर से पीछे छोड़ दिया।

ऑलमैन ने दिल्लीवासियों को संदेश देते हुए कहा, किसी दौड़ प्रतियोगिता का सबसे खूबसूरत पहलू यह है कि यह हमें एक समुदाय के रूप में एक साथ लाती है और इसे व्यापक हित के लिए अपना बनाती है। स्टार्ट लाइन सिर्फ एक दौड़ नहीं है; यह सौहार्द, दृढ़ संकल्प और लचीलेपन का उत्सव है, और सीमाओं को लांघने और नए व्यक्तिगत मील के पत्थर हासिल करने की हमारी क्षमता का प्रदर्शन है। मुझे खुशी है कि मैं वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन के लिए भारत आई हूं और ऐसी चीज का हिस्सा बनी हूं जो भारत के जीवंत रंगों को सामने लाती है, सआरंगदेदिल्ली, मुझे पसंद है।

न्यूज ब्रीफ

टेस्ट में इंग्लैंड के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बने जो रूट, एलिस्टेयर कुक को छोड़ा पीछे

मुल्तान। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट ने बुधवार को एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की, वह टेस्ट क्रिकेट में थ्री लायंस के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। रूट ने मुल्तान में पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन यह उपलब्धि हासिल की। रूट ने मुल्तान क्रिकेट ग्राउंड पर 71 रन का आंकड़ा छूते ही पूर्व कप्तान एलिस्टेयर कुक के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। रूट अब तक इंग्लैंड के लिए लंबे प्रारूप में 12513 रन बना चुके हैं, समाचार लिखे जाने तक रूट 111 रन बनाकर नाबाद हैं। कुक ने टेस्ट क्रिकेट में थ्री लायंस के लिए 12472 रन बनाए थे। रूट ने 43वें ओवर में पाकिस्तान के अबरार अहमद के खिलाफ सिर्फ एक सिंगल लेकर यह रिकॉर्ड हासिल किया। ब्रिटिश क्रिकेटर द्वारा रिकॉर्ड हासिल करने के तुरंत बाद इंग्लैंड का ड्रेसिंग रूम खड़ा हो गया और 33 वर्षीय की उपलब्धि का सम्मान करने के लिए तालियाँ बजाने लगा। रूट ने 2012 में भारत के खिलाफ़ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था। उसके बाद से उन्होंने 146 टेस्ट मैचों और 267 पारियों में 56.93 की स्ट्राइक रेट और 50.62 की औसत से 12513 रन बनाए हैं। लंबे प्रारूप में रूट ने 35 शतक और 5 दोहरे शतक लगाए हैं। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर 15921 रनों के साथ टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग 13378 रनों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। तीसरे दिन समाचार लिखे जाने तक इंग्लैंड ने 3 विकेट पर 337 रन बना लिए हैं, जिसमें हैरी ब्रुक 58 और जो रूट 111 रन बनाकर क्रीज पर हैं। मुल्तान में पहले टेस्ट मैच में पाकिस्तान ने अपनी पहली पारी में 556 रन बनाए थे। अब्दुल्ला शफीक (102), शान मसूद (151) और आगा सलमान (104*) ने शतक लगाया था।

डब्ल्यूबीबीएल : सूजी बेट्स ने विदेशी प्रतिस्थापन के रूप में होबार्ट हरिकेंस के साथ किया करार

होबार्ट। न्यूजीलैंड की अनुभवी खिलाड़ी सूजी बेट्स महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) में पहली बार होबार्ट हरिकेंस के लिए खेलेंगी, उन्हें टूर्नामेंट के अंतिम चरण के लिए विदेशी प्रतिस्थापन खिलाड़ी के रूप में अनुबंधित किया गया है। 37 वर्षीय बेट्स ने एडिलेड स्ट्राइकर्स, सिडनी सिक्सर्स और पर्थ स्कॉर्चर्स के लिए आठ सत्रों में 100 डब्ल्यूबीबीएल मैच खेले हैं। महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में सर्वाधिक रन बनाने वाली इस खिलाड़ी को इस साल डब्ल्यूबीबीएल ड्राफ्ट में नहीं चुना गया। लेकिन इंग्लैंड के खिलाड़ियों के दक्षिण अफ्रीका दौरे के कारण डब्ल्यूबीबीएल के अंतिम चरण से हटने के कारण, बेट्स को डैनी वायट-हॉज के स्थान पर हरिकेंस द्वारा अनुबंधित किया गया है। इंग्लैंड के टी20 खिलाड़ियों के 17 नवंबर को दक्षिण अफ्रीका पहुंचने की उम्मीद है, जिसके कारण वायट-हॉज डब्ल्यूबीबीएल के अंतिम तीन मैचों और हरिकेंस के क्वालीफाई करने पर फाइनल से बाहर हो जाएंगी।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के शुरुआती मैच से बाहर हुए विलियमसन

वेलिंगटन। केन विलियमसन के भारत रवाना होने में देरी होगी और हाल ही में कमर में खिंचाव के कारण वह बेंगलुरु में होने वाले पहले टेस्ट से बाहर हो गए हैं। विलियमसन को श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दौरान असहजता महसूस हुई थी और भारत में टीम में शामिल होने से पहले उन्हें रिहैबिलिटेशन से गुजरना होगा, न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बुधवार (9 अक्टूबर) को एक मीडिया विज्ञप्ति में उक्त जानकारी दी। न्यूजीलैंड के चयनकर्ता सैम वेल्स ने उम्मीद जताई कि विलियमसन रिहैबिलिटेशन पूरा करने के बाद सीरीज में बाद में खेलने के लिए उपलब्ध होंगे। वेल्स ने कहा, हमें जो सलाह मिली है, वह यह है कि केन के लिए सबसे अच्छा उपाय यह है कि वह चोट को और बढ़ाने के जोखिम के बजाय आराम करें और पुनर्वास करें। हमें उम्मीद है कि अगर पुनर्वास योजना के अनुसार होता है तो केन दौरे के उत्तरार्ध के लिए उपलब्ध होंगे। हालांकि दौरे की शुरुआत से केन का उपलब्ध न होना स्पष्ट रूप से निराशाजनक है, लेकिन यह किसी और को एक महत्वपूर्ण श्रृंखला में भूमिका निभाने का अवसर प्रदान करता है।

नीतीश रेड्डी और रिंकू ने दिल्ली में दिल जीता

भारत का टी-20 सीरीज पर कब्जा, बांग्लादेश को 86 रन से रौंदा

नई दिल्ली, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)।

टेस्ट सीरीज में कब्जा करने के बाद अब भारत ने टी-20 सीरीज में भी बांग्लादेश को हरा दिया। दिल्ली का किला 86 रन से फतह करते ही तीन मैच की टी-20 सीरीज में अब भारत के पास 2-0 की अजेय लीड हो चुकी है। भारत ने श्रृंखला का पहला मैच सात विकेट से जीता था। तीसरा और आखिरी मैच हैदराबाद में 12 अक्टूबर को खेला जाएगा, जो बांग्लादेश के लिए प्रतिष्ठा का सवाल होगा तो भारतीय टीम उसे भी अपने नाम कर क्लीन स्वीप करना चाहेगी।

दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला गया दूसरा मैच नीतीश कुमार रेड्डी (34 गेंद में 74 रन) और रिंकू सिंह (29 गेंद में 53 रन) के लिए याद रखा जाएगा। रेड्डी ने गेंदबाजी में चार ओवर में 23 रन देकर दो विकेट भी लिए। इससे पहले रेड्डी ने रिंकू के साथ मिलकर टीम को मुश्किल से उबारा और चौथे विकेट के लिए 49 गेंद में 108 रन की साझेदारी कर भारत का स्कोर 221/9 तक पहुंचाया। टी-20 के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ जब टीम इंडिया ने किसी मैच में सात गेंदबाज आजमाए हो, दिलचस्प है कि सभी को विकेट भी मिले, इस तरह बांग्ला टाइगर्स नौ विकेट खोकर 20 ओवर में सिर्फ 135 रन ही बना पाई।

बांग्लादेश के लिए इस फॉर्मेट में अपनी आखिरी इंटरनेशनल सीरीज खेल रहे महमुदुल्लाह ने सबसे ज्यादा 41 रन का योगदान दिया, उन्होंने 39 गेंद की पारी में तीन छक्के लगाए। बल्ले से कमाल करने के बाद रेड्डी ने दो विकेट भी चटकाए। वरुण चक्रवर्ती को भी दो सफलता मिली। लक्ष्य का पीछा करते हुए परवेज हुसैन इमोन (12 गेंद में 16 रन) ने अर्शदीप के पहले ओवर में तीन चौके जड़ आक्रामक शुरुआती की, लेकिन इस गेंदबाज ने अपने अगले ओवर में उन्हें बोल्ड कर भारत को पहली सफलता दिलाई। पावरप्ले में बांग्लादेश का स्कोर तीन विकेट पर 43 रन था। 18वें ओवर में गेंदबाजी के लिए आए रेड्डी ने तंजिम हसन को आउट कर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अपना पहला विकेट लेने के बाद महमुदुल्लाह को चलता किया।

अपना दूसरा टी-20 अंतरराष्ट्रीय खेल रहे नीतीश कुमार रेड्डी ने अपनी पारी में चार चौके और सात शानदार छक्के जड़े तो वहीं रिंकू ने पांच चौके और तीन छक्के लगाए। हार्दिक पंड्या ने 19 गेंद में दो चौके और दो छक्के की मदद से 32 जबकि रियान पराग ने दो छक्के की मदद से छह गेंद में 15 रन बनाए। बांग्लादेश के लिए तस्कीन अहमद ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में सिर्फ 16 रन देकर दो विकेट लिए। तंजिम हसन और मुस्तफिजुर रहमान को भी दो-दो सफलता मिली लेकिन दोनों काफी महंगे रहे। रिशाद हुसैन ने 55 रन देकर तीन विकेट चटकाए।

शंघाई मास्टर्स 2024: अल्कराज सिनर क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

शंघाई, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)।

विश्व के नंबर एक खिलाड़ी जननिक सिनर का शंघाई मास्टर्स क्वार्टर फाइनल में डेनियल मेदवेदेव से मुकाबला होगा, दोनों ने बुधवार को सीधे सेटों में जीत हासिल कर अंतिम 8 में प्रवेश किया।

सिनर ने अमेरिकी बेन शेल्टन को 6-4, 7-6(1) से हराया, जबकि मेदवेदेव ने ग्रीस के स्टेफानोस सितसिपास को 7-6(3), 6-3 से हराया। 16वीं रैंकिंग वाले शेल्टन ने पिछले साल इसी चरण में सिनर को हराया था, लेकिन बुधवार को इटालियन खिलाड़ी शुरू से ही आत्मविश्वास में दिखे और 88 मिनट में जीत दर्ज की। सिनर ने कहा, यह बहुत कठिन था, जब आप उनके खिलाफ खेलते हैं तो आपके पास इतना नियंत्रण नहीं होता... मैंने बस मानसिक रूप से मजबूत रहने की कोशिश की।

दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी मेदवेदेव और सितसिपास 14वीं बार आमने-सामने थे। सितसिपास ने दूसरे सेट की शुरुआत जोरदार तरीके से की, पहले गेम में ब्रेक किया, लेकिन मेदवेदेव ने चौथे और आठवें गेम में ब्रेक करके आगे बढ़ गए। मेदवेदेव और सिनर इस साल टूर्नामेंट के अंतिम चरण में चार बार भिड़ चुके हैं। सिनर ने मियामी में सेमीफाइनल, यूएस ओपन में क्वार्टर फाइनल और ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में मेदवेदेव को हराया था, लेकिन रूसी खिलाड़ी ने विंबलडन में अंतिम आठ में पांच सेटों के रोमांचक मुकाबले में इतालवी खिलाड़ी की उम्मीदों को खत्म कर दिया था। क्वार्टर फाइनल में दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज भी पहुंच गए हैं, जिन्होंने एक सप्ताह पहले चाइना ओपन के फाइनल में सिनर को हराया था। 21 वर्षीय अल्कराज ने अनुभवी गेल मोनफिल्स को 6-4, 7-5 से शिकस्त देकर लगातार 12वीं जीत दर्ज की। 38 वर्षीय फ्रांसीसी खिलाड़ी ने अगस्त में सिनसिनाटी में अपनी पिछली मुलाकात में अल्काराज को परेशान किया था, और स्पैनियार्ड ने स्वीकार किया कि मैच के दौरान यह बात उनके दिमाग में थी। उन्होंने कहा, मैं वास्तव में बहुत खुश हूं कि मैंने मैच जीता, और मैं पूरे मैच के दौरान शांत रहा। उन्होंने कहा, गेल के खिलाफ खेलना कभी आसान नहीं होता... आपको हर गेंद पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत होती है।

रणजी ट्रॉफी 2024-25 के पहले दो राउंड के लिए मुंबई की 16 सदस्यीय टीम में शामिल हुए तनुश कोटियन

मुंबई, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)।

ईरानी कप में अच्छे प्रदर्शन के बाद तनुश कोटियन को 11 अक्टूबर से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी 2024-25 के पहले दो राउंड के लिए 16 सदस्यीय मुंबई टीम में शामिल किया गया है।

रणजी ट्रॉफी के एलीट ग्रुप ए में, मुंबई शुक्रवार को वडोदरा के कोटांबी स्टेडियम में बड़ौदा से भिड़ेगी। रणजी ट्रॉफी में एलीट ग्रुप ए की अन्य टीमें जम्मू और कश्मीर, सर्विसेज, मेघालय, त्रिपुरा और ओडिशा हैं। मुंबई 18 अक्टूबर से शरद पवार क्रिकेट अकादमी में महाराष्ट्र की मेजबानी करेगी।

राजस्थान रॉयल्स के क्रिकेटर कोटियन अच्छी फॉर्म में हैं और वह मौजूदा रणजी ट्रॉफी अभियान में आगे बढ़ रहे हैं। कोटियन पिछले महीने अनंतपुर में दलीप ट्रॉफी 2024 जीतने वाली इंडिया ए टीम का हिस्सा थे। 25 वर्षीय तनुश ने तीन मैचों में 22.00 की औसत और 45.60 की शानदार स्ट्राइक रेट से 10 विकेट लिए। उन्होंने 121 रन भी बनाए।

दलीप ट्रॉफी जीतने के बाद, इस ऑलराउंडर ने मुंबई को 27 साल बाद ईरानी कप जीतने में मदद की। उन्होंने पहली पारी में अर्धशतक बनाया और दूसरी पारी में नाबाद शतक जड़कर अपनी टीम को खतरनाक स्थिति से उबारा। उन्होंने उसी मैच में तीन विकेट भी लिए।

तनुश ने पिछले साल रणजी ट्रॉफी में मुंबई के लिए अच्छा प्रदर्शन किया था। उन्होंने बल्ले और गेंद दोनों से योगदान दिया और 29 विकेट लिए और 500 से अधिक रन बनाए। वे प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे। अजिंक्य रहाणे टीम की अगुआई करेंगे और उन्हें पृथ्वी शॉ, शार्दुल ठाकुर और श्रेयस अय्यर की सेवाएं मिलेंगी।

मुंबई क्रिकेट टीम- अजिंक्य रहाणे (कप्तान), पृथ्वी शॉ, आयुष म्हात्रे, अंगकृष रघुवंशी, श्रेयस अय्यर, सिद्धेश लाड, सूर्यांश शेडगे, हार्दिक तामोरे (विकेटकीपर), सिद्धांत अधातराव (विकेटकीपर), शम्स मुलानी, तनुष कोटियन, हिमांशु सिंह, शार्दुल ठाकुर, मोहित अवस्थी, मोहम्मद जुनेद खान, रॉयस्टन डायस।

मेसी वेनेजुएला के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर में अर्जेंटीना के लिए खेलने को तैयार, मैक एलिस्टर पर संदेह

फ्लोरिडो, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसीदक्षिण अमेरिकी फुटबॉल परिसंघ (कॉनमेबोल) विश्व कप क्वालीफायर में वेनेजुएला के खिलाफ वापसी के लिए तैयार हैं, लेकिन मिडफील्डर एलेक्सिस मैक एलिस्टर की उपलब्धता संदेह में है, मैनेजर लियोनेल स्कालोनी ने उक्त जानकारी दी।

अर्जेंटीना को वेनेजुएला और बोलीविया के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर के लिए मेसी की वापसी से बढ़ावा मिला है, क्योंकि 37 वर्षीय खिलाड़ी दाएं टखने की चोट से उबर चुके हैं, जो उन्हें जुलाई में कोलंबिया के खिलाफ कोपा अमेरिका फाइनल के दौरान लगी थी। मेसी, जो मेजर लीग सॉकर क्लब इंटर मियामी के लिए खेलते हैं, चिली और कोलंबिया के खिलाफ क्वालीफायर से चूक गए थे। स्कोलोनी ने मंगलवार को संवाददाताओं से कहा, मेसी ठीक हैं। उन्होंने पिछले कुछ हफ्तों में अपनी टीम के लिए कई मैच खेले हैं, वह टीम के साथ प्रशिक्षण ले रहे हैं और वेनेजुएला के खिलाफ खेलने के लिए टीम का हिस्सा बनने के लिए तैयार हैं। पिछले सप्ताहांत प्रीमियर लीग में क्रिस्टल पैलेस पर क्लब की 1-0 की जीत के दौरान लिवरपूल के मैक एलिस्टर को हाफ टाइम पर बदल दिया गया था।

स्कोलोनी ने कहा, मैक एलिस्टर अलग से प्रशिक्षण ले रहा है। हम देखेंगे कि वह पहले गेम में खेल पाता है या नहीं। अभी तक, वह हमारे साथ नहीं जुड़ पाया है, और, ठीक है, हम निर्णय लेंगे कि वह टीम का हिस्सा होगा या बेंच पर या वह गुरुवार को खेलेगा। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हमें उसका ख्याल रखना होगा। वह एक ऐसा खिलाड़ी है जिसने बहुत सारे मैच खेले हैं और आज यही स्थिति है। हमें उम्मीद है कि हम और कोई खिलाड़ी नहीं खोएँगे क्योंकि बाद में स्थिति बदल सकती है।

अर्जेंटीना को आज माटुरिन के मोनुमेंटल स्टेडियम में वेनेजुएला का सामना करना है, और फ्लोरिडा में इंटर मियामी के प्रशिक्षण केंद्र में टीम के प्रशिक्षण के साथ, स्कोलोनी ने कहा कि उनकी टीम तूफान मिल्टन के बारे में चिंतित थी।

तूफान मिल्टन मंगलवार को फ्लोरिडा के क्षतिग्रस्त खाड़ी तट की ओर एक विशाल श्रेणी 5 तूफान के रूप में बढ़ गया, जिससे भारी ट्रैफ़िक जाम और ईंधन की कमी हो गई क्योंकि अधिकारियों ने 1 मिलियन से अधिक लोगों को टैम्पा खाड़ी क्षेत्र में आने से पहले भागने का आदेश दिया।

उन्होंने कहा, सच्चाई यह है कि प्रशिक्षण स्थल एकदम सही है, हम अच्छा काम करते हैं, लेकिन यह हमेशा इस मुद्दे के इर्द-गिर्द रहता है और खासकर जब सुरक्षा का मुद्दा होता है, तो यह एक नाजुक मुद्दा होता है, मैच महत्वपूर्ण है, लेकिन सुरक्षा उससे कहीं ज़्यादा महत्वपूर्ण है। इसलिए जब हवा, तूफान, पास में होता है, हवाई अड्डा बंद हो जाता है, तो, चाहे आप इसे पसंद करें या नहीं, यह आपको चिंतित करता है। हम चिंतित हैं और हम यह देखने का इंतज़ार कर रहे हैं कि क्या यह सच है कि हम कल निकल सकते हैं, वे कहते हैं कि हम दोपहर में निकल पाएंगे। हमारे पास कोई निश्चितता नहीं है, लेकिन ठीक है, उस तरफ़ हम चिंतित हैं।

एलएलसी 2024: इंडिया कैपिटल्स का लक्ष्य प्लेऑफ में जगह पक्की करना

श्रीनगर, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)।

जीएमआर ग्रुप की फ्रेंचाइज़ी इंडिया कैपिटल्स, बक्शी स्टेडियम में मणिपाल टाइगर्स के खिलाफ मुकाबले में जीत दर्ज कर प्लेऑफ़ में अपनी जगह पक्की करने और दूसरे स्थान पर पहुंचने की कोशिश करेगी।

अपने पिछले मैच में आखिरी गेंद पर रोमांचक जीत हासिल करने के बाद, कैपिटल्स का लक्ष्य लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) सीजन 3 के ग्रुप स्टेज को शानदार तरीके से खत्म करना है। 6 अंकों के साथ और गुजरात ग्रेट्स पर ताज़ा जीत के बाद, कैपिटल्स वर्तमान में अंकतालिका में तीसरे स्थान पर है। वहीं, मणिपाल टाइगर्स 7 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। इस उच्च-दांव वाले मुकाबले में जीत कैपिटल्स को न केवल प्लेऑफ़ में जगह दिलाएगी बल्कि शीर्ष-दो स्थान को सुरक्षित करने के लिए उनकी दावेदारी को भी मजबूत करेगी। इंडिया कैपिटल्स और मणिपाल टाइगर्स के बीच यह मुकाबला 10 अक्टूबर 2024 (गुरुवार) को खेला जाएगा।

इंडिया कैपिटल्स इस मैच में गुजरात ग्रेट्स पर हौसला बढ़ाने वाली जीत के साथ उतरेगी, जहां कप्तान इयान बेल ने 49 गेंदों पर नाबाद 41* रनों की सूझ-बूझ भरी पारी खेलकर टीम को 4 विकेट से जीत दिलाई थी। टीम की गेंदबाज़ी, जिसमें इक़बाल अब्दुल्ला और धवल कुलकर्णी ने प्रमुख भूमिका निभाई है, पूरे सीज़न में उनकी ताकत रही है। खासकर इक़बाल अब्दुल्ला ने नियमित रूप से महत्वपूर्ण मौकों पर विकेट लिए हैं और बेहतरीन फॉर्म में हैं।

बल्लेबाजी के मोर्चे पर, कैपिटल्स ने चमकदार प्रदर्शन किया है, जिसमें भरत चिपली, बेन डंक और कॉलिन डी ग्रैंडहोम ने अहम मौकों पर योगदान दिया है। हालांकि, मणिपाल टाइगर्स के मजबूत गेंदबाज़ी आक्रमण का सामना करने के लिए शीर्ष क्रम को दबाव में प्रदर्शन करना होगा।

इंडिया कैपिटल्स के कप्तान इयान बेल ने कहा,

हमें पता है कि यह हमारे लिए एक महत्वपूर्ण मैच है। पिछले मैच में हमने जबरदस्त धैर्य दिखाया था, और अब हमारे पास शीर्ष-दो में जगह बनाने का मौका है, जिससे हमें प्लेऑफ़ में एक मज़बूत बढ़त मिलेगी। टीम पूरी तरह से एकजुट है और हम जानते हैं कि इस मुकाबले में क्या दांव पर लगा है। हम अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे और लीग स्टेज को सकारात्मक तरीके से समाप्त करेंगे।

दूसरी ओर, मणिपाल टाइगर्स, जिनके कप्तान हरभजन सिंह हैं, इस सीज़न में लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं और वर्तमान में अंकतालिका में दूसरे स्थान पर हैं। गुजरात ग्रेट्स के खिलाफ अपने पिछले मैच में ऑलराउंडर थिसारा परेरा ने बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन किया था। 7 अंकों के साथ, वे जीत दर्ज कर प्लेऑफ़ में अपनी गति को बनाए रखने की कोशिश करेंगे। टाइगर्स का मध्यक्रम, जिसमें रॉबिन उथप्पा, मनोज तिवारी और डैन क्रिस्टियन शामिल हैं, ने लक्ष्य का पीछा करने और टीम को स्थिरता प्रदान करने में अहम भूमिका निभाई है।

हरभजन सिंह की अगुवाई में मणिपाल टाइगर्स का गेंदबाज़ी आक्रमण कैपिटल्स की बल्लेबाज़ी की गहराई को परखने के लिए तैयार होगा, खासकर श्रीनगर की पिच पर स्पिन एक प्रमुख भूमिका निभा सकता है। दोनों टीमों के बीच प्लेऑफ़ स्थान के लिए होने वाला यह रोमांचक मैचों में से एक हो सकता है, जो दोनों टीमों के अभियान के लिए निर्णायक साबित होगा।

इंडिया कैपिटल्स की टीम

इयान बेल (कप्तान), किर्क एडवर्ड्स, ड्वेन स्मिथ, बेन डंक, नमन ओझा, कॉलिन डी ग्रैंडहोम, इक़बाल अब्दुल्ला, ध्रुव रावल, धवल कुलकर्णी, एशली नर्स, परविंदर अवाना, पंकज सिंह, पवन सुयाल, क्रिस म्पोफु, बरिंदर सरन, भरत चिपली, और फैज़ फ़ज़ल।

मणिपाल टाइगर्स की टीम

हरभजन सिंह (कप्तान), रॉबिन उथप्पा, थिसारा परेरा, शेल्डन कॉट्रेल, डैन क्रिस्टियन, एंजेलो परेरा, मनोज तिवारी, असेला गुणारत्ने, सोलोमन मायर, अनुरीत सिंह, अबू नेचिम, अमित वर्मा, इमरान खान, राहुल शुक्ला, अमितोज़ सिंह, प्रवीण गुप्ता और सौरभ तिवारी।

त्योहारी सीजन में कार शोरूमों में अभी से चार गुना बढ़े ग्राहक, दिवाली पर बम्पर बिक्री होने की उम्मीद

नई दिल्ली, 09 अक्टूबर (एजेंसियां) । अक्टूबर के पहले सप्ताह में कार शोरूमों में ग्राहकों की संख्य चार गुना बढ़ गई। इसी महीने दो बड़े त्योहार दशहरा और दीवाली हैं जिसमें लोग खूब खरीदारी करते हैं। कार डीलर के सूत्रों का कहना है कि पिछले 2 से 3 महीनों की तुलना में ग्राहकों की ओर से पूछताछ और बुकिंग 3 से 4 गुना बढ़ गई है। अगर इसे संकेत के तौर पर देखें तो त्योहारी सीजन की अच्छी शुरुआत मानी जा सकती है। कार डीलरों और वाहन विनिर्माताओं का कहना है कि इस साल त्योहारी सीजन पिछले साल से बेहतर रह सकता है। 2023 में 24 दिन के त्योहारी सीजन में रिकॉर्ड 5,47,247 यात्री वाहनों की बिक्री हुई थी। वाहन डीलरों के संगठन फाडा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अक्टूबर के पहले हफ्ते में शोरूम में संभावित ग्राहकों की आमद करीब 4 गुना बढ़ गई। उन्होंने कहा कि इसके पीछे कई कारण हैं। इस साल चुनावों और फिर प्रचंड गर्मी तथा मॉनसून के दौरान कुछ इलाकों में बाढ़ के कारण यात्री वाहनों की बिक्री प्रभावित हुई है। ऐसे में उस दौरान जिन ग्राहकों ने खरीद की योजना टाल दी थी वह भी अब वाहन खरीदने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी के वर्षों में खरीदारी नहीं होने और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के कारण उत्पादन प्रभावित हुआ था, जिससे टाली गई खरीदारी आने से 2023 में वाहनों की रिकॉर्ड बिक्री हुई थी। मारुति सुजुकी इंडिया में एक वरिष्ठ कार्याधिकारी ने कहा कि अगर हम अगस्त और सितंबर को देखें तो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में ग्राहकों की ओर से पूछताछ 14 फीसदी और बुकिंग 11 फीसदी बढ़ी है। नवरात्र शुरू होते ही खुदरा बिक्री में तेजी दिखने लगी है।' डीलरों के पास फिलहाल करीब 30 दिन की इन्वेंट्री (अनबिके कारों का स्टॉक) है। मुंबई में मारुति सुजूकी के एक डीलर ने कहा कि इस त्योहारी सीजन में ग्राहकों की मांग पूरी करने के लिए हमारे पास वाहनों का पर्याप्त स्टॉक है। दिल्ली के एक अन्य डीलर ने कहा कि इन्वेंट्री पिछले साल की तुलना में थोड़ी कम है। सितंबर में यात्री वाहनों की थोक आपूर्ति 3.55 लाख से 3.60 लाख वाहनों की रही जो पिछले साल की समान अवधि के 3.64 लाख वाहनों से मामूली कम है। कंपनियों ने कहा कि वाहनों की खुदरा बिक्री को ध्यान में रखकर वे अब थोक आपूर्ति बढ़ा रही हैं।

2023 के त्योहारी सीजन में रिकॉर्ड 5,47,247 यात्री वाहनों की बिक्री हुई थी

प्रथम पृष्ठ का शेष...

भारत विरोधी ...

स्रोतों से आया है। आरोपों का मूल आरोप यह है कि ये एनजीओ केवल धर्मार्थ या मानवीय लक्ष्यों पर केंद्रित होने के बजाय, भारत के राष्ट्रीय हितों के लिए महत्वपूर्ण आर्थिक और विकास पहलों को बाधित करने के लिए मिलकर काम कर रहे थे। आयकर विभाग ने कहा है कि एनजीओ एक व्यापक विदेशी एजेंडे के वाहक के रूप में काम कर रहे थे।इस जांच में सामने आने वाले सबसे प्रमुख नामों में से एक अमेरिकी अरबपति जॉर्ज सोरोस का नाम है। रिपोर्टों के अनुसार, सोरोस ओपन सोसाइटी फाउंडेशन ऑक्सफैम का एक प्रमुख वित्तपोषक है, जो भारत में गहन जांच के दायरे में है। ऑक्सफैम के विदेशी योगदान प्राप्त करने के लाइसेंस को 2022 में नई दिल्ली द्वारा रद्द कर दिया गया था, जिसमें अधिकारियों ने दावा किया था कि संगठन की गतिविधियां एफसीआरए मानदंडों का उल्लंघन कर रही थीं।जॉर्ज सोरोस भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कट्टर आलोचक हैं और भारत सरकार को अस्थिर करने के षडयंत्र में लगे रहते हैं। 2023 में म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में एक भाषण में जॉर्ज सोरोस ने नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी की सरकार के खिलाफ आग उगले थे। भाजपा ने पलटवार करते हुए सोरोस पर वित्तीय प्रभाव के ज़रिए भारत के लोकतंत्र को अस्थिर करने का प्रयास करने का आरोप लगाया है।

आयकर की जांच में ऑक्सफैम के लिए ओपन सोसाइटी फाउंडेशन द्वारा दी जा रही वित्तीय सहायता एक व्यापक गिरोहाना साजिश के हिस्से के रूप में उजागर हुआ है, जिसका प्रमुख काम भारत के विकास से जुड़ी परियोजनाओं को रोकने का प्रयास करना है। अधिकारियों के अनुसार, इन परियोजनाओं के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कथित तौर पर विदेशी-वित्तपोषित गैर सरकारी संगठनों द्वारा आयोजित किए गए थे और ये जैविक आंदोलन नहीं थे, बल्कि विकास कार्यों को रोकने के लिए किए गए भुगतान पर किए गए कार्य थे।

आयकर विभाग के इन जांच-निष्कर्षों ने चिंता बढ़ा दी है। देश के विकास की विभिन्न परियोजनाओं, विशेष रूप से ऊर्जा और बुनियादी ढांचे के क्षेत्रों में होने वाले कार्यों में बाधा पहुंचाना इन विदेशी फंड पर पलने वाले गैर सरकारी संगठनों का मुख्य टारगेट है। आयकर विभाग का दावा है कि गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ), विशेष रूप से सीपीआर और लाइफ ने कोयला खनन और अन्य संसाधन-आधारित परियोजनाओं को रोकने के उद्देश्य से विरोध प्रदर्शनों और कानूनी लड़ाइयों को वित्त पोषित किया। जबकि ये परियोजनाएं देश की आर्थिक वृद्धि के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। एनजीओ सीपीआर का एफसीआरए लाइसेंस इस साल की शुरुआत में रद्द कर दिया गया था, लेकिन गुपचुप तरीके से विदेशी फंडिंग जारी है। विभाग का आरोप है कि सीपीआर ऊर्जा परियोजनाओं के खिलाफ मुकदमेबाजी के वित्तपोषण में शामिल रहा है, जिससे विकास प्रयासों में और बाधा आई है। एनवायरनिक्स ट्रस्ट और लाइफ पर बुनियादी ढांचे और पर्यावरण परियोजनाओं के खिलाफ स्थानीय विरोधों को बढ़ावा देने के लिए विदेशी फंड का उपयोग करने का गंभीर आरोप है, जिससे यह चिंता बढ़ गई है कि विदेशी-संचालित एजेंडे भारत की राष्ट्रीय विकास रणनीतियों में हस्तक्षेप कर रहे हैं।

आयकर जांच के सबसे विस्फोटक पहलुओं में से एक है अडाणी समूह के खिलाफ चले षडयंत्र में ओपन सोसाइटी फाउंडेशन की स्पष्ट भागीदारी। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि अडाणी समूह और उसके विस्तार से प्रधानमंत्री मोदी जोड़ कर उन्हें बदनाम करने की साजिश फाउंडेशन के कुचक्र का हिस्सा थी। आयकर विभाग की जांच से हुए खुलासे भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और राजनीतिक परिदृश्य के लिए व्यापक निहितार्थ रखते हैं। जांच में यह आधिकारिक पुष्टि हुई है कि विदेशी फंडिंग पर चलने वाले एनजीओ देश की विकास-परियोजनाओं को नाकाम करने और देश में राजनीतिक अशांति को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहे हैं। इस जांच ने भारत की घरेलू नीतियों को आकार देने में बाहरी ताकतों के प्रभाव को लेकर चिंता बढ़ा दी है। जांच से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि भारत की संप्रभुता को उन विदेशी हितों से बचाना आवश्यक है जो देश के विकास लक्ष्यों को फेल करने में लगे हैं।

लोगों को...

नागपुर एयरपोर्ट के आधुनिकीकरण और विस्तार का काम, शिरडी एयरपोर्ट के लिए एक टर्मिनल बिल्डिंग का निर्माण, आज इंफ्रास्ट्रक्टर से जुड़े इन दो अहम प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास भी हुआ है। मैं इन सभी विकास कार्यों के लिए महाराष्ट्र के लोगों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। महाराष्ट्र के इतिहास में इतनी तेज गति से, इतने बड़े स्केल पर अलग-अलग क्षेत्रों में कभी भी विकास नहीं हुआ। हां, ये बात अलग है कि कांग्रेस के राज में इतनी ही तेज गति से, इतने ही स्केल पर अलग अलग क्षेत्रों में भ्रष्टाचार जरूर होता था।

पीएम मोदी ने कहा कि कुछ दिन पहले ही हमने मराठी भाषा को अभिजात भाषा का दर्जा दिया। जब एक भाषा को उसका गौरव मिलता है, तब सिर्फ शब्द नहीं बल्कि पूरी पीढ़ी को नए बोल मिलते हैं। करोड़ों मराठी मानुष का दशकों पुराना सपना पूरा हुआ। महाराष्ट्र के लोगों ने जगह-जगह इसकी खुशी मनाई। आज महाराष्ट्र के गांव-गांव से मुझे खुशी के संदेश भी भेज रहे हैं। महाराष्ट्र के लोग अपने संदेशों में मराठी को अभिजात भाषा का दर्जा देने के लिए मुझे धन्यवाद दे रहे हैं, लेकिन मैं बताना चाहता हूं कि ये काम मैंने नहीं, आप सबके आशीर्वाद ने किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र को 7600 करोड़ रुपए से अधिक की सौगात दी। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी। प्रधानमंत्री मोदी ने नागपुर में करीब 7000 करोड़ की अनुमानित परियोजना लागत वाले डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के उन्नयन की आधारशिला रखी। इससे विनिर्माण, विमानन, पर्यटन, लॉजिस्टिक्स और स्वास्थ्य सेवा सहित कई क्षेत्रों में विकास के लिए उत्प्रेरक का काम करेगा। इससे नागपुर शहर और विदर्भ क्षेत्र को फायदा होगा। प्रधानमंत्री ने शिरडी हवाई अड्डे पर 645 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले नए एकीकृत टर्मिनल भवन की आधारशिला भी रखी। इससे शिरडी की यात्रा करने वाले धार्मिक पर्यटकों के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध होंगी। पीएम मोदी ने मुंबई, नासिक, जालना, अमरावती, गढ़चिरौली, बुलढाणा, वाशिम, भंडारा, हिंगोली और अंबरनाथ (ठाणे) में 10 सरकारी मेडिकल कॉलेजों के संचालन की शुरुआत की। इससे सभी के लिए सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य देखभाल सुविधा सुनिश्चित हो सकेगी। स्नातक और स्नातकोत्तर सीटों को बढ़ाने के साथ ही ये मेडिकल कॉलेज लोगों को विशेष स्वास्थ्य देखभाल सुविधा भी मुहैया कराएंगे।

पीएम मोदी ने मुंबई में भारतीय कौशल संस्थान (आईआईएस) का उद्घाटन भी किया। इसका मकसद अत्याधुनिक तकनीक और व्यावहारिक प्रशिक्षण के साथ एक उद्योग कार्यबल बनाना है। भारत को विश्व की कौशल राजधानी के रूप में स्थापित करने के अपने दृष्टिकोण के तहत भाजपा नीत एनडीए सरकार आईआईएस के जरिए अपनी प्रतिबद्धता जाहिर करेगी। प्रधानमंत्री ने महाराष्ट्र के विद्या समीक्षा केंद्र (वीएसके) का भी उद्घाटन किया। इससे छात्रों, शिक्षकों और प्रशासकों की स्मार्ट उपस्थिति, स्वाध्याय जैसे लाइव चैटबॉट के जरिए महत्वपूर्ण शैक्षणिक और प्रशासनिक डेटा तक पहुंच आसान होगी। यह स्कूलों को संसाधनों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने, अभिभावकों और राज्य के बीच संबंधों को मजबूत करने और उत्तरदायी समर्थन प्रदान करने के लिए उच्च गुणवत्ता वाली अंतर्दृष्टि प्रदान करेगा। इससे पहले शनिवार को पीएम मोदी ने कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया था। उन्होंने लगभग 9.4 करोड़ किसानों के खाते में 20,000 करोड़ रुपए की पीएम-किसान सम्मान निधि की 18वीं किस्त भी जारी की थी। उन्होंने ठाणे में 32,800 करोड़ रुपए से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया था।

प्रधानमंत्री ने लगभग 9.4 करोड़ किसानों को लगभग 20,000 करोड़ रुपए की पीएम-किसान सम्मान निधि की 18वीं किस्त जारी की थी। इसके साथ ही सम्मान निधि के तहत किसानों को जारी कुल धनराशि लगभग 3.45 लाख करोड़ रुपए हो गई। प्रधानमंत्री ने नमो शेतकारी महासम्मान निधि योजना की 5वीं किस्त भी जारी की। इसके तहत लगभग 2,000 करोड़ रुपए जारी किए गए। प्रधानमंत्री मोदी ने कृषि अवसंरचना कोष (एआईएफ) के तहत 1,920 करोड़ रुपए से अधिक की 7,500 से अधिक परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित की। इनमें कस्टम हायरिंग सेंटर, प्राथमिक प्रसंस्करण इकाइयां, गोदाम, छंटाई और ग्रेडिंग इकाइयां, कोल्ड स्टोरेज परियोजनाएं और फसल कटाई के बाद प्रबंधन परियोजनाएं शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने लगभग 1,300 करोड़ रुपए के संयुक्त कारोबार वाले 9,200 किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को भी राष्ट्र को समर्पित किया। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने मवेशियों और स्वदेशी सेक्स-सॉर्टेड वीर्य प्रौद्योगिकी के लिए विकसित एकीकृत जीनोमिक चिप भी जारी की। इसका मकसद किसानों को सेक्स-सॉर्टेड वीर्य की सस्ती कीमत पर उपलब्धता में वृद्धि करना और लागत को लगभग 200 रुपए प्रति खुराक कम करना है। प्रधानमंत्री मोदी ने मुख्यमंत्री सौर कृषि वाहिनी योजना-2.0 के तहत महाराष्ट्र में 19 मेगावाट की कुल क्षमता वाले पांच सौर पार्क भी समर्पित किया। प्रधानमंत्री ने प्रमुख मेट्रो और सड़क परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया था। उन्होंने लगभग 14,120 करोड़ रुपए की लागत वाली मुंबई मेट्रो लाइन-3 के बीकेसी से आरे जेवीएलआर खंड का उद्घाटन किया था। इस खंड में 10 स्टेशन हैं, जिनमें से नौ भूमिगत हैं। प्रधानमंत्री ने लगभग 12,200 करोड़ रुपए की लागत की ठाणे इंटीग्रल रिंग मेट्रो रेल परियोजना की आधारशिला रखी थी। इस परियोजना की कुल लंबाई 20 एलिवेटेड और दो भूमिगत स्टेशनों के साथ 29 किलोमीटर है। प्रधानमंत्री ने छेदा नगर से आनंद नगर, ठाणे तक लगभग 3,310 करोड़ रुपए की लागत से एलिवेटेड ईस्टर्न फ्रीवे एक्सटेंशन की आधारशिला भी रखी थी। प्रधानमंत्री ने लगभग 2,550 करोड़ रुपए की लागत वाली नवी मुंबई हवाई अड्डा प्रभाव अधिसूचित क्षेत्र (नैना) परियोजना के चरण-1 की आधारशिला रखी थी। इस परियोजना में प्रमुख मुख्य सड़कों, पुलों, फ्लाईओवर, अंडरपास और एकीकृत उपयोगिता बुनियादी ढांचे का निर्माण शामिल है। प्रधानमंत्री ने करीब 700 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित होने वाले ठाणे नगर निगम की आधारशिला भी रखी थी।

2028 तक दिया...

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आगे बताया कि, आज मंत्रिमंडल ने मंजूरी दी है कि गुजरात के लोथल में एक राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर विकसित किया जाएगा। इस प्रस्ताव का उद्देश्य समृद्ध और विविध समुद्री विरासत को प्रदर्शित करना और दुनिया का सबसे बड़ा समुद्री विरासत परिसर बनाना है। जानकारी के मुताबिक ये परियोजना दो चरणों में पूरी की जाएगी। इस परियोजना से 15,000 प्रत्यक्ष रोजगार और 7,000 अप्रत्यक्ष रोजगार का सृजन होगा। केंद्रीय कैबिनेट की तीसरे मुख्य फैसले के बारे में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास पर जोर दिया है। आज कैबिनेट ने राजस्थान और पंजाब के सीमावर्ती क्षेत्रों में 4,406 करोड़ रुपए के निवेश से 2,280 किलोमीटर सड़क नेटवर्क के निर्माण को मंजूरी दी है। यह कनेक्टिविटी, स्वास्थ्य, शिक्षा और आजीविका पर बड़ा प्रभाव डालेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने...

सारण से लेकर उत्तर प्रदेश तक के नामी सतीश पांडेय को सुप्रीम कोर्ट में मृत बताया जाना और फैसले में उसके मृत होने का जिक्र होना चर्चा में है।

बृज बिहारी प्रसाद हत्याकांड में राष्ट्रीय जनता दल के वैशाली लोकसभा प्रत्याशी और पूर्व विधायक विजय कुमार शुक्ला उर्फ मुन्ना शुक्ला और मंटू तिवारी को सुप्रीम कोर्ट ने तीन अक्टूबर को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। उन्हें दो हफ्ते में आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया गया है, क्योंकि 2014 में हाईकोर्ट से निर्दोष करार दिए जाने के कारण यह फिलहाल बाहर हैं। इसी केस में लोक जनशक्ति पार्टी के बाहुबली पूर्व सांसद सूरजभान सिंह, बाहुबली पूर्व विधायक राजन तिवारी समेत छह आरोपियों को इस हत्याकांड से सुप्रीम कोर्ट ने बरी कर दिया। चालीस पेज इस फैसले के दस्तावेज में सुप्रीम कोर्ट ने एक जगह सतीश पांडेय को मृत मानते हुए आगे इसपर चर्चा ही नहीं की है। सतीश पांडेय के छोटे भाई अमरेंद्र पांडेय कुचायकोट से लगातार पांचवीं बार जदयू विधायक हैं। जब बृज बिहारी प्रसाद और उनके अंगरक्षक बिहार पुलिस के सिपाही लक्ष्मेश्वर साहू की हत्या हुई थी, तब बिहार के मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव थे। अब उन्हीं की पार्टी के नेता को उम्रकैद की सजा मिली है।

बृज बिहारी हत्याकांड में फैसले के बाद उनकी पत्नी एवं पूर्व सांसद रमा देवी का वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें इस केस के फैसले के लिए उन्होंने अमित शाह का आभार जताया था। अब इस केस में केंद्रीय जांच ब्यूरो पर भी सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि 1998 में इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान के अहाते में पुलिस अभिरक्षा के दरम्यान 13 जून 1998 को बृज बिहारी प्रसाद की हत्या के एक साल पूरा होने के पहले ही सात मार्च 1999 को यह केस सीबीआई के सुपुर्द कर दिया गया था। इस केस में प्राथमिक जांच और साक्ष्य बिहार पुलिस ने जमा कराए थे। उसके बाद सीबीआई ने ही केस को आगे बढ़ाया। निचली अदालत में दोषियों को सजा दिलाने, हाईकोर्ट में सभी के बरी हो जाने और अब सुप्रीम कोर्ट में दो दोषियों को उम्रकैद मिलने तक सीबीआई की जांच और उसके जुटाए या अनुमोदित साक्ष्यों पर ही ज्यादा बहस हुई। ऐसे में सतीश पांडेय जैसे चर्चित शख्स को मृत बताए जाने की चर्चा तेजी से फैल रही है। जदयू विधायक के भाई होने के नाते विपक्ष इसे मुद्दा बनाए या सुप्रीम कोर्ट को गुमराह करने के लिए सीबीआई को घेरे तो आश्चर्य नहीं।

आयुर्वेद को...

खराब करते हैं। ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि आयुर्वेदिक उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार बनाया जाना चाहिए, ताकि इन्हें बिना किसी रुकावट के निर्यात किया जा सके।

राष्ट्रपति ने कहा, हम अपने आयुर्वेदिक ज्ञान भंडार को साक्ष्य आधारित और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ वैश्विक स्तर पर मान्यता दिला सकते हैं। आयुर्वेद दुनिया की सबसे प्राचीन प्रणालियों में से एक है और भारत के लिए एक अनमोल उपहार है। अब दुनियाभर में इस बात को माना जा रहा है कि स्वस्थ रहने के लिए मन और शरीर दोनों का स्वस्थ होना जरूरी है। आयुर्वेद और योग के बारे में जानने की इच्छा ने लोगों को भारत की ओर आकर्षित किया है। राष्ट्रपति ने यह भी बताया कि एआईआईए विभिन्न संस्थानों के साथ मिलकर आयुर्वेद को एक साक्ष्य आधारित विज्ञान के रूप में मजबूत करने के लिए कई एकीकृत अनुसंधान परियोजनाएं चला रहा है।

लोगों के फैसले का...

12 सदस्यीय आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल के लिए बैठक का समय मांगने का अनुरोध मिला है, जिसमें हरियाणा के चुनावी नतीजे अस्वीकार्य वाला बयान देने वाले लोग भी शामिल हैं।

हरियाणा चुनाव में हार के लिए चुनाव आयोग से सवाल करने पर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को कहा कि विपक्षी पार्टी को जनता के फैसले का सम्मान करना और उसे स्वीकार करना सीखना चाहिए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की इस टिप्पणी पर कि विपक्षी पार्टी विधानसभा क्षेत्रों से शिकायतों से चुनाव आयोग को अवगत कराएगी, किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया पर कहा, अब, ईवीएम और चुनाव आयोग को फिर से दोष न दें। उन्होंने कहा, लोगों के फैसले का सम्मान करना और उसे स्वीकार करना सीखें।

देवीलाल और ...

उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार अमित सिहाग को हराया। सिहाग भी देवीलाल के कुनबे से आते हैं। इस सीट जजपा के टिकट पर दिग्विजय चौटाला उतरे थे। ओम प्रकाश चौटाला के पोते दिग्विजय यहां तीसरे स्थान पर खिसक गए। बाकी सीटों पर देवीलाल परिवार के सदस्यों को हार का सामना करना पड़ा। दिग्विजय सिंह चौटाला पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला के भाई हैं। वहीं आदित्य, देवीलाल के सबसे छोटे बेटे जगदीश के बेटे हैं। 2019 में डबवाली में कांग्रेस के अमित सिहाग को जीत मिली थी। पिछली बार कांग्रेस के सिहाग ने भाजपा के टिकट पर उतरे आदित्य देवीलाल को 15647 मतों से शिकस्त दी थी जो अब इनेलो में हैं।

सिरसा जिले की एक अन्य सीट रानियां पर भी चुनावी जंग देवीलाल परिवार में हुई। रनिया से देवीलाल के पड़पोते और पार्टी के वरिष्ठ नेता अभय सिंह चौटाला के बेटे अर्जुन चौटाला को जीत मिली है। इनेलो उम्मीदवार अर्जुन ने कांग्रेस के सर्व मित्र को 4,191 मत से हराया। वहीं निर्दलीय चुनाव मैदान में उतरे देवीलाल के बेटे रणजीत चौटाला तीसरे पायदान पर रहे। यानी रानियां में दादा-पोता आमने-सामने रहे। 2019 में यहां से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर रणजीत चौटाला को जीत मिली थी। उन्होंने हरियाणा लोकहित पार्टी के गोबिंद कांडा को 19431 मतों से शिकस्त दी थी। लोकसभा चुनाव से पहले वह इस्तीफा देकर भाजपा में आए और चुनाव भी लड़ा लेकिन हार गए। इस विधानसभा चुनाव में रणजीत रानियां सीट से टिकट चाह रहे थे, लेकिन भाजपा से उन्हें टिकट नहीं मिला। इस बात से नाराज रणजीत ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया और इसी सीट से निर्दलीय ताल ठोकी।

हरियाणा में विधानसभा चुनाव में ऐलनाबाद कुछ खास सीटों में रही। चार बार के विधायक और देवीलाल के पोते इनेलो के अभय सिंह चौटाला इस सीट पर अपना चुनाव हार गए हैं। अभय अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पूर्व विधायक भरत सिंह बेनीवाल से 15,000 मत से हार गए। भरत बेनीवाल 2005 में कांग्रेस की टिकट पर दड़बा विधानसभा सीट से विधायक रह चुके हैं। राज्य के मुख्यमंत्री रहे ओम प्रकाश चौटाला ऐलनाबाद सीट से पहली बार विधायक बने थे। ऐलनाबाद में अभय चौटाला पहली बार हारे हैं।

उचाना कलां सीट पर देवीलाल की चौथी पीढ़ी मैदान में थी। पिछले चुनाव में किंगमेकर बने दुष्यंत चौटाला उचाना कलां सीट से चुनाव मैदान में उतरे लेकिन उन्हें करारी हार मिली। बांगर बेल्ट में जींद जिले की उचाना कलां सीट की गिनती प्रदेश की सबसे हॉट सीटों में की जा रही थी। यहां भाजपा के देवेंद्र चतर्भुज अत्री ने कांग्रेस के उम्मीदवार और पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह को मात्र 32 वोट से हराया। वहीं केवल 7950 वोट पाकर दुष्यंत चौटाला पांचवें नंबर पर रहे। 2019 में यहां जजपा की तरफ से पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला को जीत मिली थी। उन्होंने तब भाजपा प्रत्याशी प्रेम लता को 47452 मतों से हराया था।

फतेहाबाद विधानसभा सीट से इनेलो के टिकट पर सुनैना चौटाला मैदान में थीं। देवीलाल के पोते रवि चौटाला की पत्नी सुनैना को लोकसभा चुनाव में भी हार मिली थी। रवि देवीलाल के बेटे प्रताप सिंह चौटाला के बेटे हैं। सुनैना फतेहाबाद में तीसरे स्थान पर रहीं। उन्हें 9681 वोट मिले और वो अपनी जमानत भी नहीं बचा सकीं। हरियाणा की राजनीति में बात करते ही तीन लाल का जिक्र जरूर आता है। इन्हीं में से एक बंसीलाल परिवार की सियासी विरासत को आगे बढ़ाने के लिए दो प्रत्याशी विधानसभा चुनाव में उतरे। भिवानी जिले की तोशाम सीट पर हरियाणा के पूर्व सीएम बंसीलाल की पोते-पोती के बीच लड़ाई रही। तोशाम में चचेरे भाई-बहन अनिरुद्ध और श्रुति चौधरी आमने-सामने रहे। श्रुति ने भाई अनिरुद्ध को 14257 वोट से हरा दिया।

हरियाणा के पूर्व सीएम बंसीलाल की पोती श्रुति भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से सांसद रह चुकी हैं। वहीं, बंसीलाल के पोते हैं अनिरुद्ध चौधरी के पिता रणबीर महेंद्रा बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष रह चुके हैं। 2019 के विधानसभा चुनाव में तोशाम का मुकाबला कांग्रेस और भाजपा के बीच हुआ था। इस चुनाव में बंसीलाल की बहू किरण चौधरी ने शशि रंजन को 18,059 वोटों के अंतर से परास्त किया था। पिछली बार की विधायक किरण चौधरी कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गईं। हाल ही में किरण हरियाणा से भाजपा की राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित हुई हैं।

हरियाणा में भजनलाल परिवार की सियासत बेहद खास मानी जाती है। इस चुनाव में भी परिवार के दो सदस्य उतरे और इनमें से एक को जीत मिली तो दूसरे को हार का सामना करना पड़ा। आदमपुर सीट की बात करें तो यहां भजनलाल परिवार की सियासी विरासत को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी भव्य बिश्नोई पर थी। मौजूदा विधायक भव्य एक बार फिर भाजपा के टिकट पर चुनाव मैदान में उतरे। कांग्रेस ने आदमपुर से नए चेहरे रिटायर्ड आईएएस चंद्रप्रकाश पर दांव खेला था और वो सफल रहा। भव्य यह चुनाव महज 1268 वोट से चुनाव हार गए। आदमपुर में भजनलाल परिवार 1968 से लगातार जीतता आ रहा था। 56 साल में पहली बार परिवार के किसी सदस्य को यहां हार का सामना करना पड़ा। आदमपुर में कांग्रेस उम्मीदवार चंद्रप्रकाश को 65371 वोट मिले जबकि भाजपा के भव्य को 64103 वोट मिले।

भजनलाल के बड़े बेटे चंद्रमोहन ने भी इस चुनाव में अपनी किस्मत आजमाई। चंद्रमोहन बिश्नोई पंचकूला सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार थे। पंचकूला में चंद्रमोहन ने भाजपा प्रत्याशी और स्पीकर ज्ञान चंद गुप्ता को 1997 वोट से हरा दिया। 1993 में भजनलाल परिवार के सदस्य चंद्रमोहन ने चुनावी राजनीति में कदम रखा था। 2005 में चंद्रमोहन बिश्नोई को राज्य के उपमुख्यमंत्री भी बने थे।

हरियाणा में विधानसभा चुनाव में हिसार हाई प्रोफाइल सीटों में रही। यहां से देश की सबसे अमीर महिला सावित्री जिंदल ने चुनाव लड़ा और जीत दर्ज की। उन्होंने कांग्रेस के रामनिवास राड़ा को 18941 मत से हरा दिया। स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा के उम्मीदवार डॉ. कमल गुप्ता तीसरे स्थान पर चले गए। दो बार के विधायक डॉ. कमल गुप्ता ने 2019 के चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार रामनिवास राड़ा को 15,832 वोट से हराया था। हिसार सीट पर जिंदल परिवार का प्रभाव रहा है। 1991 से 2024 तक यहां से जिंदल परिवार छह बार मैदान में आया और पांच जीता था। तीन बार ओपी जिंदल खुद जीते तो दो सावित्री जिंदल जीतीं थीं। 2014 के विधानसभा चुनाव में सावित्री को हार का सामना करना पड़ा था। 10 साल बाद चुनाव लड़ रहीं सावित्री जिंदल ने जीत के साथ चुनावी राजनीति में वापसी कर ली है।

हरियाणा विधानसभा चुनाव में कुछ खास सीटों में महेंद्रगढ़ जिले की अटेली विधानसभा सीट भी शामिल है। ये वही सीट है जहां से कभी मुख्यमंत्री राव बीरेंद्र सिंह जीते थे। इस चुनाव में भी राव राज परिवार की वंशज आरती राव उतरीं और जीत भी हासिल की। आरती ने विरोधी बसपा के अत्तर लाल को 3085 मत से हरा दिया। आरती केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत की बेटी हैं। केंद्रीय मंत्री और छह बार के सांसद राव इंद्रजीत की प्रतिष्ठा इस चुनाव में दांव पर थी। उनकी राजनीतिक वारिस व बेटी आरती राव महेंद्रगढ़ जिले की अटेली विधानसभा सीट से भाजपा की उम्मीदवार हैं। यह उनका पहला चुनाव है।

2019 के विधानसभा चुनाव में अटेली में मुकाबला भाजपा और बहुजन समाज पार्टी के बीच रहा था। भाजपा ने सीताराम को अपना उम्मीदवार बनाया था तो बसपा के टिकट पर अत्तरलाल उतरे थे। भाजपा यह चुनाव 18406 मत से जीतने में सफल रही थी। हरियाणा विधानसभा चुनाव से गढ़ी सांपला किलोई विधानसभा सीट भी खास रही। रोहतक जिले की इस सीट से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा एक बार फिर मैदान में थे। वहीं, जिला परिषद की चेयरपर्सन मंजू हुड्डा भाजपा की प्रत्याशी थीं। नतीजों में भूपेंद्र सिंह हुड्डा मंजू से काफी आगे रहे। 2019 के विधानसभा चुनाव की बात करें तो इसमें भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने भाजपा के सतीश नांदल 58,312 वोट से हराया था।

दिलचस्प यह है कि यहां अपने पहले ही चुनाव में भूपेंद्र हुड्डा और उनके पिता भी हारे थे। 1967 में बनी किलोई विधानसभा सीट पर जब पहली बार चुनाव हुए तो चौधरी रणबीर सिंह हुड्डा कांग्रेस के टिकट पर उतरे थे। संविधान सभा के सदस्य रहे चौधरी रणबीर सिंह हुड्डा को 1967 के विधानसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। 1982 के विधानसभा चुनाव में रणबीर सिंह के बेटे भूपेंद्र सिंह हुड्डा को भी अटेली सीट से हार का सामना करना पड़ा था। हालांकि, 2000 के बाद यह सीट भूपेंद्र हुड्डा का गढ़ बन चुकी है। हर चुनाव में उनकी जीत का अंतर बढ़ता जा रहा है। कैथल विधानसभा सीट की चुनावी जंग भी खास रही। यहां सुरजेवाला परिवार की तीसरी पीढ़ी मैदान में थी। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला के बेटे आदित्य कांग्रेस के प्रत्याशी थे जिन्होंने भाजपा के लीलाराम गुर्जर को हरा दिया है। 2019 में कांग्रेस प्रत्याशी रणदीप सुरजेवाला भाजपा के लीलाराम गुर्जर से महज 1246 वोटों से हार गए थे। 25 साल के आदित्य नई विधानसभा के सबसे युवा विधायक होंगे। आदित्य से पहले उनके पिता रणदीप और दादा शमशेर सिंह सुरजेवाला कैथल सीट का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

अब्दुल्ला परिवार...

इल्तिजा जीततीं तो मुफ्ती परिवार की तीसरी पीढ़ी का विधानसभा में प्रवेश होता। इससे पहले मुफ्ती मोहम्मद सईद और महबूबा मुफ्ती सत्ता का सुख भोग चुके हैं। मुफ्ती मोहम्मद सईद दो बार तो महबूबा एक बार सीएम रह चुकी हैं। मुफ्ती मोहम्मद सईद ने 1996 में पीडीपी की स्थापना की थी। स्थापना के बाद पहली बार पार्टी का सबसे खराब प्रदर्शन रहा है। पीडीपी ने 2002 में 16 सीटें जीतीं, 2008 में 21 और 2014 में 28 सीटें जीतकर सबसे बड़ा क्षेत्रीय दल बनी। भाजपा के साथ सरकार बनाई, लेकिन तीन साल में ही दोनों की राहें अलग हो गईं। सरकार अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाई। अनुच्छेद 370 हटने के बाद भाजपा-पीडीपी के रिश्ते और खराब हो गए।

अल्ताफ बुखारी भी अपने परिवार की सीट से नेकां प्रत्याशी मुश्ताक गुरु से 5688 वोटों से हार गए। वह अपनी पार्टी के प्रमुख हैं। उनकी पार्टी एक भी सीट नहीं निकाल पाई। सज्जाद गनी लोन अपनी पारिवारिक सीट बचाने में सफल रहे। हंदवाड़ा सीट को उन्होंने कांटे की टक्कर में जीता। मात्र 662 वोट के अंदर से उनको ये सीट मिल पाई।

उमर अब्दुल्ला को दोनों सीटों से मिली जीत ने अगली पीढ़ी के लिए भी रास्ते खोल दिए हैं। जीत से उमर अब्दुल्ला के बेटों के भी हौसले बुलंद हुए हैं। इस चुनाव में उन्होंने जीत के लिए पिता के अपनाए पैंतरे भी देखे हैं। लोकसभा चुनाव से ही पिता के प्रचार अभियानों में दिखने वाले जमीर और जहीर अब्दुल्ला राजनीति के गुर सीख रहे हैं। विधानसभा चुनाव में भी दोनों सक्रिय दिखे। हालांकि उमर अब्दुल्ला इस बात से इन्कार करते हैं कि दोनों बेटे राजनीति में आना चाहते हैं। उमर कह चुके हैं कि दोनों बेटों की राजनीति में रुचि नहीं है, लेकिन पढ़ाई से फुर्सत के दौरान वे मदद के लिए आ जाते हैं।

चुनाव प्रचार के लिए तिहाड़ जेल से मैदान में आए इंजीनियर रशीद अपनी पारंपरिक लंगेट सीट को बचा पाने में कामयाब रहे। यहां से चुनाव मैदान में उतरे उनके भाई खुर्शीद अहमद शेख सुबह के रुझान में पीछे चल रहे थे, लेकिन बाद दोपहर तक उन्होंने बढ़त बना ली। हालांकि यह सीट मुश्किल हो गई थी और उन्हें 1602 वोट से जीत मिली। उनके मुकाबले में नेकां के प्रत्याशी इरफान सुल्तान रहे। रशीद के बाहर आने के बाद उनकी अवामी इत्तेहाद पार्टी को संजीवनी मिली। बारामुला सीट से उमर अब्दुल्ला को हराकर जेल में बैठकर देशभर में चर्चा में आए इंजीनियर रशीद को विपक्षी पार्टियों पीडीपी और नेकां ने भाजपा की बी टीम बताने की कोशिश की, लेकिन वो कामयाब नहीं हो पाईं।

जम्मू-कश्मीर में दस वर्षों के बाद और अनुच्छेद-370 हटाए जाने के बाद हुए पहले विधानसभा चुनावों में एक अच्छी लोकतांत्रिक प्रक्रिया की उम्मीद रखते हुए कश्मीर घाटी में कई ऐसे चेहरे मैदान में उतरे थे, जो पहले कभी अलगाववाद से जुड़े हुए थे या अलगाववादी विचारधारा रखते थे। खासकर प्रतिबंधित जमात-ए-इस्लामी (जेईआई) जैसे संगठन की बात करें, तो उसने चुनाव बहिष्कार की अपनी रणनीति को दरकिनार कर मुख्यधारा में कदम रखने का फैसला किया था। उसके अनुसार, लोकतांत्रिक प्रक्रिया ही एकमात्र ऐसा हल है, जिससे जनता के मसलों को हल किया जा सकता है। हिंसा और बहिष्कार किसी मुद्दे का समाधान नहीं कर सकते।

कश्मीर घाटी में जेईआई के या जेईआई समर्थित जो उम्मीदवार मैदान में अपनी किस्मत आजमाने उतरे थे उनमें से कुछ प्रमुख सैयार रेशी (कुलगाम), एजाज अहमद मीर (जैनापोरा), डॉ तलत मजीद (पुलवामा), अब्दुल रेहमान शाला (बारामुला), मजूर कलू (सोपोर) और कलीमुल्ला लोन (लंगेट) शामिल थे। इसके अलावा सरजन बरकाती (गांदरबल और बीरवाह) और अफजल गुरु के भाई एजाज गुरु (सोपोर) भी मैदान में उतरे थे जो कट्टर अलगाववादी विचारधारा से संबंध रखते थे। लेकिन कश्मीर की अवाम ने इन सबकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

चुनाव नतीजे कहीं न कहीं यह दर्शाते हैं कि लोगों को इन उम्मीदवारों पर शक था कि वे जो कुछ कर रहे हैं, दिल्ली के इशारों पर कर रहे हैं। इसलिए लोगों ने उनपर भरोसा नहीं जताया। उन्होंने कहा, मतदाता तीन हिस्सों में बंटे थे। एक वर्ग वो जो सिस्टम से नाराज था और मान रहा था कि वोट दें या नहीं, कुछ बदलने वाला नहीं है। दूसरा एक तबका ऐसा था जिसे उम्मीद थी कि अबकी बार हमारी अपनी सरकार होगी तो हम रोजमर्रा का मसलों को हल कर सकेंगे। तीसरा ऐसा तबका था जो केंद्र सरकार के 5 अगस्त, 2019 को लिए गए फैसले से नाराज था। उसके बाद घाटी के लोगों को लगा कि केंद्र ने एआईपी के इंजीनियर रशीद को परदे के पीछे से समर्थन दिया है या फिर एआईपी ने जमात को। इसलिए उसने इनकी रणनीति को नकार दिया। बता दें जहां जमात को किसी भी सीट पर जीत हासिल नहीं हुई है वहीं एआईपी की ओर से मैदान में उतारे गए 38 उम्मीदवारों में से 37 हार गए और केवल लंगेट सीट पर उसे कामयाबी हासिल हुई है।

जैनापोरा से जमात समर्थित एजाज अहमद मीर नेकां के शौकत हुसैन गनई से 13,233 वोटों से हारे, जिन्हें 28,251 वोट हासिल हुए। एजाज वाची से पीडीपी विधायक रह चुके हैं और इस बार टिकट न मिलने पर मैदान में निर्दलीय उतरे। बाद में जमात ने उन्हें समर्थन देने का फैसला लिया था। कुलगाम से जमात के सैयार रेशी करीब 7,838 वोटों से सीपीआईएम के एमवाई तारिगामी से हारे। पांचवीं बार जीतने वाले तारिगामी को 33,634 वोट प्राप्त हुए। पुलवामा से डॉ. तलत मजीद पीडीपी के वहीद पर्रा से 22,883 वोटों से हारे, जिन्हें 24,716 वोट मिले।बारामुला से अब्दुल रहमान शाला नेकां के जावेद बेग से 20,555 वोटों से हारे। बेग को 22,523 वोट मिले। सोपोर में जमात ने पूर्व हुर्रियत नेता मंजूर कलू को समर्थन दिया था जो नेकां के इरशाद अहमद कार से 26,569 वोटों से हारे, उन्हें कुल 406 वोट प्राप्त हुए।

अफजल गुरु के भाई एजाज गुरु को नोटा से भी कम 129 वोट हासिल हुए। लंगेट से पीएचडी स्कॉलर कलीमुल्ला लोन को जमात ने समर्थन दिया, पर वह इंजीनियर रशीद के भाई और एआईपी प्रत्याशी खुर्शीद अहमद से हार गए। सरजान बरकाती बीरवाह और गांदरबल से लड़े पर जीत नहीं पाए। गांदरबल में उन्हें 418 वोट पड़े और वे उमर से 32,046 वोटों से हारे।

रतन टाटा नहीं रहे ...

टाटा संस के अध्यक्ष एन चंद्रशेखरन ने यहां जारी बयान में यह जानकारी देते हुये कहा, हम श्री टाटा को बहुत ही दुख के साथ विदाई दे रहे हैं, जो वास्तव में एक असाधारण नेता थे, जिनके अतुल्य योगदान ने न केवल टाटा समूह को बल्कि हमारे राष्ट्र के ताने-बाने को भी आकार दिया है। उन्होंने कहा, पूरे टाटा परिवार की ओर से मैं उनके प्रियजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।

उनकी विरासत हमें प्रेरित करती रहेगी, क्योंकि हम उनके सिद्धांतों को बनाए रखने का प्रयास करते रहेंगे। रतन टाटा अपनी सादगी और सरल स्वभाव की वजह से जाने जाते थे। उदारीकरण के दौर के बाद टाटा समूह आज जिस ऊंचाइयों पर है, उसे यहां तक पहुंचाने में रतन टाटा बहुत बड़ा योगदान है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टाटा के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने एक्स पर लिखा, श्री रतन टाटा जी एक दूरदर्शी बिजनेस लीडर, दयालु आत्मा और एक असाधारण इंसान थे। उन्होंने भारत के सबसे पुराने और सबसे प्रतिष्ठित व्यापारिक घरानों में से एक को स्थिर नेतृत्व प्रदान किया। साथ ही, उनका योगदान बोर्डरूम से कहीं आगे तक गया। अपनी विनम्रता, दयालुता और हमारे समाज को बेहतर बनाने के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के कारण उन्होंने कई लोगों का प्रिय बना लिया।

महागौरी को समर्पित होता है नवरात्रि का आठवां दिन, जानिए शुभ मुहूर्त, मंत्र और भोग

नवरात्रि के पावन पर्व अब अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच चुका है । शारदीय नवरात्रि के आठवें दिन मां महागौरी की विशेष पूजा का विधान है। महागौरी माता भगवान शिव की अर्धांगिनी हैं। माना जाता है कि महागौरी माता की पूजा करने से जीवन के सभी कष्ट दूर हो जाते हैं और माता की कृपा से व्यक्ति को सुख, शांति और समृद्धि प्राप्त होती है मां दुर्गा के इस स्वरूप की पूजा करने से हर असंभव कार्य पूर्ण हो जाते हैं। ज्यादातर घरों में इस दिन कन्या पूजन किया जाता है। कुछ लोग नवमी के दिन पूजा-अर्चना करने के बाद कन्या पूजन करते हैं।

शुभ तिथि और मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, नवरात्रि की अष्टमी तिथि 10 अक्टूबर दिन गुरुवार को दोपहर 12 बजकर 31 मिनट पर शुरू होगी और 11 अक्टूबर, दिन शुक्रवार को दोपहर 12 बजकर 6 मिनट पर समाप्त होगी।

महागौरी माता की पूजा के लिए शुभ समय

सुबह 6 बजकर 20 मिनट से सुबह 7 बजकर 47 मिनट रहेगा। अमृत काल में सबसे शुभ मुहूर्त सुबह 9 बजकर 14 मिनट से 10 बजकर 41 मिनट तक रहेगा।

कैसा है मां का स्वरूप

महागौरी का स्वरूप बहुत ही उज्जवल कोमल, श्वेत वर्ण और श्वेत वस्त्रधारी है। महागौरी का रंग अंत्यत गोरा है। इनकी 4 भुजाएं हैं और मां बैल की सवारी करती हैं। मां का यह स्वरूप बेहद शांत और दृष्टिगत है। देवी महागौरी को गायन-संगीत प्रिय है। मां का दाहिना हाथ अभयमुद्रा लिए हुए हैं और नीचे वाले हाथ में शक्ति का प्रतीक त्रिशूल है। मां बायें वाले हाथ में शिव का प्रतीक डमरू और नीचे वाला हाथ भी भक्तों को अभय दे रहा है। मां के हाथ डमरू होने के कारण इनको शिवा भी कहा जाता है। इनकी पूजा करने मात्र सभी व्यक्ति के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं।

मां महागौरी पूजा विधि

नवरात्रि के आठवें दिन पूजा से पहले स्नान करके स्वच्छ कपड़े पहने। पूजा से पहले घर को साफ-सुथरा करें और एक चौकी पर माता महागौरी की प्रतिमा रखें।

मां की प्रतिमा को गंगाजल या शुद्ध जल से स्नान कराएं।सफेद रंग के वस्त्र अर्पित करें। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मां को सफेद रंग पसंद है। सफेद पुष्प चढ़ाएं। मां को रोली कुमकुम लगाएं। इसके बाद मां को मिष्ठान, पंच मेवा, फल अर्पित करें। मां महागौरी को काले चने का भोग अवश्य लगाएं। मां की आरती करके क्षमा याचना करें। पूजा खत्म होने के बाद गरीबों और जरूरतमंदों को प्रसाद और दान अवश्य दें।

मां महागौरी मंत्र

मंत्र: या देवी सर्वभूतेषु माँ गौरी रूपेण संस्थिता।

दुर्गा अष्टमी का महत्व

दुर्गा अष्टमी के दिन मां दुर्गा के महागौरी स्वरूप की पूजा की जाती है। इस दिन कन्या पूजन का विशेष महत्व है। कन्या पूजन के लिए 2 से लेकर 10 वर्ष की कन्याओं को भोजन कराया जाता है। अष्टमी तिथि के दिन कन्या पूजन करने से मां दुर्गा प्रसन्न होती हैं और भक्तों का आशीर्वाद देती हैं। क्योंकि कन्याओं का मां दुर्गा का स्वरूप माना जाता है। है। इस दिन देवी महागौरी की पूजा करके लोग उनकी कृपा प्राप्त करते हैं।

प्रसिद्ध शक्तिपीठ मां मंगलागौरी मंदिर में पूरी होती है भक्तों की मनोकामना

बिहार में गया शहर स्थित मां मंगलागौरी मंदिर में पूजा करने वाले भक्तों की हर मनोकामना पूरी होती है। बिहार के बोधगया मार्ग पर स्थित भस्मकुट पर्वत पर मां मंगला गौरी का प्रसिद्ध शक्तिपीठ मंदिर है। इस मंदिर परिसर में कई देवी-देवताओं की मूर्तियां भी हैं। शक्तिपीठ मां मंगला गौरी के मंदिर में नवरात्र के महीने में दूर-दराज से भक्त आते हैं और अपने परिवार की सुख, समृद्धि, शांति के लिए प्रार्थना करते हैं।नवरात्रि में इस मंदिर में दर्शन करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है।

पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान शिव जब माता पार्वती के जलते शरीर को लेकर तांडव करते हुए आकाश मार्ग से चल पड़े, तब उनके रौद्र रूप को शांत करने के लिए भगवान विष्णु ने सुदर्शन चक्र चलाकर मां पार्वती के शरीर के कई टुकड़े कर दिए। जहां-जहां माता पार्वती के शरीर के टुकड़े गिरे, वह स्थल शक्तिपीठ कहलाया।

गया शहर के भस्मकुट पर्वत पर माता सती का वक्षस्थल गिरा, जो मंगला गौरी शक्ति पीठ के रूप में जाना जाता है। मां मंगलागौरी मंदिर में सबसे ज्यादा श्रद्धालुओं की भीड़ हर मंगलवार को लगती है लेकिन नवरात्रि के दौरान दिन भर काफी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रहती है। मंदिर के अंदर कई वर्षों से अखंड ज्योति जल रही है, जिसके दर्शन कर श्रद्धालु पूजा-पाठ करते हैं। इस मंदिर का उल्लेख, पद्म पुराण, वायु पुराण, अग्नि पुराण और अन्य हिंदू ग्रंथों में भी मिलता है। तांत्रिक कार्यों की सिद्धि के लिए भी इस मंदिर को प्रमुखता दी जाती है। कहा जाता है कि इस मंदिर में मां शक्ति का वास है।मंदिर के गर्भगृह में देवी की प्रतिमा रखी है और यहां भव्य नक्काशी की गई है। माता के अलावा यहां भगवान शिव और महिषासुर की प्रतिमा, मां देवी दुर्गा की मूर्ति और दक्षिणा काली की मूर्ति भी विराजमान है।

आरा की अधिष्ठात्री देवी हैं मां आरण्य देवी

बिहार के आरा में मौजूद ऐतिहासिक आरण्य देवी के द्वापरकालीन मंदिर में धर्मराज युधिष्ठिर ने मां आरण्य देवी की प्रतिमा स्थापित की थी जिन्हें आरा की अधिष्ठात्री देवी माना जाता है।

आरण्य देवी मंदिर में सालोंभर श्रद्धालु-भक्तों की भीड़ उमड़ी रहती है। चैत्र तथा शारदीय नवरात्र में यहां तिल रखने की जगह नहीं होती है। इस मंदिर की सबसे बड़ी खासियत है कि यहां पशु बलि नहीं दी जाती है। बल्कि मां को नारियल चढ़ाया जाता है। आरण्य देवी मंदिर में स्थापित बड़ी प्रतिमा को जहां सरस्वती का रूप माना जाता है, वहीं छोटी प्रतिमा को महालक्ष्मी का रूप माना जाता है। इस मंदिर में वर्ष 1953 में श्रीराम, लक्ष्मण, सीता, भरत, शत्रुध्न एवं हनुमान जी के अलावे अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमा स्थापित की गयी थी।

बताया जाता है कि उक्त स्थल पर प्राचीन काल में सिर्फ आदिशक्ति की प्रतिमा थी। इस मंदिर के चारों ओर घनघोर वन था। पांडव वनवास के क्रम में आरा में ठहरे थे। पांडवों ने आदिशक्ति की पूजा-अर्चना की। मां ने युधिष्ठिर को स्वप्न में संकेत दिया कि वह आरण्य देवी की प्रतिमा स्थापित करे। धर्मराज युधिष्ठिर ने मां आरण्य देवी की प्रतिमा स्थापित की। मान्यता है कि भगवान राम, लक्ष्मण और विश्वामित्र जब बक्सर से जनकपुर धनुष यज्ञ के लिए जा रहे थे, तब उन्होंने आरण्य देवी की पूजा-अर्चना की थी। तदोपरांत सोनभद्र नदी को पार किये थे। अति प्राचीन आरा शहर के नामकरण की प्रचलित कहानियों के अनुसार घने जंगल से घिरा होने के कारण ये मआरण्य क्षेत्रफ से आरा हो गया। महाभारत काल में पांडवों ने भी अपना गुप्त वासकाल यहां बिताया था, बताया जाता है कि घने जंगल के बीच उक्त स्थल पर प्राचीन काल में सिर्फ आदिशक्ति की प्रतिमा थी।

लोक मान्यता है कि मां ने युधिष्ठिर को स्वप्न में संकेत दिया कि वह आरण्य देवी की प्रतिमा स्थापित करें। तब धर्मराज युधिष्ठिर ने मां आरण्य देवी की प्रतिमा स्थापित की थी। इसके बाद मआरण्य क्षेत्रफ आरण्य देवी के क्षेत्र से बहुत प्रसिद्ध होता गया। दूसरी कहानी जेनरल कनिंघम के अनुसार, ह्वेनसांग द्वारा उल्लिखित कहानी का संबंध, जिसमें अशोक ने दानवों के बौद्ध होने के संस्मरणस्वरूप एक बौद्ध स्तूप खड़ा किया था, इसी स्थान से है। आरा के पश्चिम स्थित मसाढ़ ग्राम में प्राप्त जैन अभिलेखों में उल्लिखित मआराम नगरफ नाम भी इसी नगर के लिए आया है। तीसरी कहानी के अनुसार, बुकानन ने इस नगर के नामकरण में भौगोलिक कारण बताते हुए कहा कि गंगा के दक्षिण ऊंचे स्थान पर स्थित होने के कारण, अर्थात् आड या अरार में होने के कारण, इसका नाम आरा पड़ा। मां आरण्य देवी के भव्य मंदिर का जीर्णोद्धार हो रहा है। मंदिर का नवनिर्माण कार्य मां आरण्य देवी मंदिर विकास ट्रस्ट द्वारा किया जा रहा है। समाज सेवी सह वरिष्ठ पत्रकार डॉ भीम सिंह भवेश की पहल पर एक ट्रस्ट के जरिए मंदिर का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। शहर के करीब 50 व्यवसायी एवम प्रबुद्ध लोगों की हुई बैठक में 108 फीट ऊँचा मंदिर बनाने का निर्णय लिया है।

मां आरण्य देवी मंदिर विकास ट्रस्ट के मीडिया प्रबंधक कृष्ण कुमार ने बताया कि मां आरण्य देवी के मंदिर में इस बार शारदीय नवरात्र में भव्य श्रृंगार एवं सजावट का अनुपम दृश्य भक्तों एवं श्रद्धालुओं को दीदार करने का मौका मिलेगा। षष्ठी तिथि की रात्रि मां के मंदिर में देश-विदेश के नाना प्रकार के फुल से सजावट एवं श्रृंगार किया जाएगा। सप्तमी के दिन आकर्षक सजावट और श्रृंगार के साथ होंगे मां आरण्य देवी के दर्शन होगें। मां आरण्य देवी का पहनाया जाने वाला माला आठ-दस किस्म के खुशबदार फूलों से निर्मित होगा। सजावट एवं श्रृंगार का कार्य कोलकाता के प्रसिद्ध फूल-श्रृंगार कारीगर करेंगे।

गुरु पुष्य योग 24 को

सभी जगह दीपावली की तैयारी घरों सहित बाजारों में शुरू हो चुकी है। नवरात्रि के अष्टमी-नवमी से दीपावली तक खरीदारी और निवेश के कई शुभ मुहूर्त एवं संयोग बना रहे हैं। 24 अक्टूबर को गुरु पुष्य योग रहेगा। जिनमें प्रॉपर्टी, ज्वैलरी, गाड़ियों से लेकर इलेक्ट्रॉनिक सामान तक खरीदना शुभ होगा। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर - जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डॉ. अनीष व्यास ने बताया कि दीपावली पर्व के अवसर पर नया सामान खरीदने की परम्परा शुरू से ही रही है। 11 अक्टूबर से 24 अक्टूबर तक तिथि, वार और नक्षत्रों से मिलकर सर्वार्थसिद्धि, राजयोग, अमृतसिद्धि और रवियोग बन रहे हैं। इन शुभ संयोगों से सुख और समृद्धि बढ़ेगी। विशेष योग संयोग में गहने, नई प्रॉपर्टी की खरीद या फ्लैट बुक कराना फायदेमंद रहेगा।

साथ ही इस दिन नए कामों की शुरुआत करना भी सफलतादायक रहेगा। साथ ही 24 अक्टूबर को गुरु पुष्य योग है। इसमें खरीदारी करना अत्यंत शुभ माना जाता है। गाड़ी, स्वर्ण, चांदी, वस्त्र्, बर्तन की खरीदारी शुभ रहेगा। वहीं, गुरु पुष्य योग को आभूषण, गाड़ी, भूमि, भवन, गृह सामग्री फ्रिज, टीवी आदि खरीदना शुभ साबित होगी। अपने पसंदीदा सामान की इस दौरान खरीदारी कर घरों में खुशियां ला सकते हैं।

ज्योतिष शास्त्र में पुष्य नक्षत्र को अतिशुभ माना जाता है। दीपावली से 7 दिन पहले 24 अक्तूबर को गुरुवार के दिन यह नक्षत्र रहेगा। जब भी गुरुवार के दिन पुष्य नक्षत्र होता है तो इसे गुरु पुष्य की संज्ञा दी जाती है। इस दिन सोना-चांदी और अचल संपत्ति खरीदने से बहुत लाभ मिलता है। माना जाता है कि, इस नक्षत्र में आप जो भी चीज खरीदते हैं वो बरकत देती है। उससे आपके जीवन में सुख-समृद्धि आती है और पारिवारिक जीवन सुखमय बना रहता है। 24 अक्टूबर को पुष्य नक्षत्र सुबह 11:45 मिनट से शुरू होगा और अगले दिन 25 अक्टूबर को दिन में लगभग 12:31 मिनट तक रहेगा। पुष्य नक्षत्र शनि प्रधान है, लेकिन इसकी प्रकृति गुरु जैसी होती है। इस दिन स्वर्ण आभूषण, हीरा, देव प्रतिमा, भूमि-भवन, वाहन, फ्रिज, टीवी, वॉशिंग मशीन खरीदना चाहिए। इसलिए आप गुरुवार 24 अक्टूबर को सुबह 11:45 से खरीदारी शुरू कर सकते हैं और अगले दिन भी दोपहर तक खरीदारी करना शुभ माना जाएगा। हालांकि अगर आप जमीन या किसी भी तरह की अचल संपत्ति खरीदना चाहते हैं तो, उसके लिए गुरुवार का दिन ही ज्यादा शुभ माना जाएगा।

पुष्य नक्षत्र में इनकी खरीदी स्थायी लाभ

अचल संपत्ति - मकान, प्लॉट, फ्लैट, कृषि भूमि और व्यावसायिक संपत्ति।

चल संपत्ति - आभूषणों में सोना, चांदी, हीरा, प्लेटिनम के आभूषण।

ऑटोमोबाइल (चार पहिया वाहन, दोपहिया वाहन), इलेक्ट्रिक दोपहिया-चार पहिया वाहन।

इलेक्ट्रॉनिक सामान में फ्रिज, टीवी, वॉशिंग मशीन, लैपटॉप, माइक्रोवेव ओवन आदि।

आइए भविष्यवक्ता से जानते हैं दीपावली तक कब कौन से योग बन रहे हैं

शुभ मुहूर्त

11 अक्टूबर - सर्वार्थ सिद्धि व रवि योग
12 अक्टूबर - विजया दशमी
15 अक्टूबर: - सर्वार्थ सिद्धि एवं सूर्य योग
16 अक्टूबर - रवि योग
17 अक्टूबर - सर्वार्थ सिद्धि योग
18 अक्टूबर - सर्वार्थ सिद्धि योग
21 अक्टूबर - सर्वार्थ सिद्धि योग, अमृत सिद्धि योग
22 अक्टूबर - त्रिपुष्कर योग
24 अक्टूबर - सर्वार्थ सिद्धि, अमृत सिद्धि योग व गुरु पुष्य योग
29 अक्टूबर - त्रिपुष्कर योग
30 अक्टूबर - सर्वार्थ सिद्धि योग
2 नवंबर - त्रिपुष्कर योग

धनतेरस

धनतेरस जिसे धन त्रयोदशी और धन्वंतरि जयंती भी कहते हैं पांच दिवसीय दीपावली का पहला दिन होता है। धनतेरस के दिन से दीपावली का त्योहार प्रारंभ हो जाता है।

मान्यता है इस तिथि पर आयुर्वेद के जनक भगवान धन्वंतरि समुद्र मंथन से अमृत कलश लेकर प्रगट हो हुए थे। इसी कारण से हर वर्ष धनतेरस पर बर्तन खरीदने की परंपरा निभाई जाती है। कहा जाता है जो भी व्यक्ति धनतेरस के दिन सोने-चांदी, बर्तन, जमीन-जायजाद की शुभ खरीदारी करता है उसमें तेरह गुना की बढ़ोत्तरी होती है। चिकित्सक अमृतधारी भगवान धन्वन्तरि की पूजा करेंगे।

इसी दिन से देवता यमराज के लिए दीपदान से दीप जलाने की शुरुआत होगी और पांच दिनों तक जलाए जाएंगे। इस दिन खरीदे गए सोने या चांदी के धातुमय पात्र अक्षय सुख देते हैं। लोग नए बर्तन या दूसरे नए सामान खरीदेंगे।

त्रयोदशी तिथि प्रारम्भ -29 अक्टूबर 2024 दोपहर 10:32 बजे से

त्रयोदशी तिथि समाप्त - 30 अक्टूबर 2024 दोपहर 01:16 बजे तक

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

रेखा की 'सिंदूर भरी मांग' पर राष्ट्रपति ने पूछा सवाल

एक्ट्रेस ने भरी महफिल में बताई ये वजह

बॉलीवुड की एवरग्रीन एक्ट्रेस रेखा जल्द ही 69 साल की होने जा रही है । हालांकि इस उम्र में भी वह काफी यंग दिखती हैं। उनके चेहरे की चमक और खूबसूरती देख कोई भी उनके उम्र का अंदाजा नहीं लगा सकता है। रेखा किसी भी इंवेट या पार्टी में शामिल होती है, अपनी प्रिजेंस से चार-चांद लगा देती हैं। वह जब भी कैमरा के सामने होती हैं, लोगों उन्हें एकटक देखते रह जाते हैं। हालांकि उनकी खूबसूरती के अलावा एक और चीज है, जिसकी लोगों के बीच काफी चर्चा होती है।

हम जिस चीज की बात कर रहे हैं वो है रेखा की मांग भरी सिंदूर। जी हां, रेखा की मांग में भरी सिंदूर को देख लोग काफी हैरान होते हैं। सबके मन में ये जानने की जिज्ञासा होती है कि आखिर एक्ट्रेस किसके नाम का सिंदूर लगाती हैं। ऐसी ही राष्ट्रपति नीलम संजीवा रेड्डी को हुई और उन्होंने पूछ भी लिया। जिसके बाद एक्ट्रेस ने क्या जवाब दिया आइए आपको बताते हैं।

रेखा पर लिखी किताब 'रेखा द अनटोल्ड स्टोरी' के मुताबिक ये उस दौरान का किस्सा है जब रेखा को1981 की कल्ट फिल्म उमराव जान के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिल रहा था। इस दौरान जब वह अवार्ड लेने के लिए स्टेज पर पहुंची तो तत्कालीन राष्ट्रपति नीलम संजीवा रेड्डी ने एक्ट्रेस से सिंदूर लगाने की वजह पूछा। राष्ट्रपति नीलम संजीवा ने रेखा से पूछा कि 'आप मांग में सिंदूर क्यों भरती हैं?' इसके बाद रेखा ने जवाब दिया कि, 'मैं जिस शहर से आती हूं, वहां मांग में सिंदूर भरना आम बात है।।फैशन है!' अब रेखा के इस बयान से ये तो साफ है कि एक्ट्रेस बस खूबसूरत दिखने के लिए ही सिंदूर लगाती हैं।

वहीं रेखा की टॉप फिल्मों की बात करे तो वो अपने करियर में उमराव जान, खून भरी मांग,नागिन, मुकद्दर का सिकंदर, मिस्टर नटवरलाल, खूबसूरत जैसी कई मशहूर फिल्मों में काम किया हैं। अपने जमाने में वह टॉप एक्ट्रेस की लिस्ट में शुमार थी। एक्टिंग के अलावा एक्ट्रेस अपनी लव-लाइफ को लेकर भी उस दौर में काफी सुर्खियों में रहती थीं। फिलहाल इन दिनों रेखा बढ़ती उम्र में भी अपनी खूबसूरती को लेकर चर्चा में बनी रहती हैं।

कपूर खानदान की एक और बेटी का दिखेगा बॉलीवुड में जलवा

फिल्म इंडस्ट्री में कपूर खानदान सबसे पुराना खानदान है जो किसी पहचान का मोहताज नहीं है। सालों से इंडस्ट्री में कपूर फैमिली राज कर रही है। इस खानदान के बेटें से लेकर बेटी-बहुएं तक आज भी इंडस्ट्री में राज कर रही हैं। इसी बीच हाल ही में कपूर खानदान की एक और बेटी बॉलीवुड में अपना जलवा दिखाने के लिए तैयार हैं।

वैसे तो कपूर खानदान की ये बेटी ज्वेलरी डिजाइनर हैं, लेकिन अब वह पहली बार किसी सीरीज का हिस्सा होने जा रही हैं। हम जिसकी बात कर रहें हैं वो नीतू -ऋषि कपूर की बेटी रिद्धिमा कपूर हैं। जी हां, करीना और करिश्मा कपूर के बाद अब इस खानदान की एक और बेटी पर्दे पर अपनी एक्टिंग का जलवा दिखाने वाली हैं। आइए आपको बताते हैं कि रिद्धिमा कपूर किस शो में नजर आने वाली हैं।

इस शो से किया डेब्यू, पहली झलक देख उड़े सबके होश

दरअसल, रिद्धिमा कपूर 'फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स' के नए सीजन में नजर आने वाली हैं। इस शो में रिद्धिमा कपूर अपनी पर्सनल लाइफ को पहली बार दर्शकों के सामने पेश करने वाली हैं। इस शो का ट्रेलर हाल ही में रिलीज किया गया, जिसमें रिद्धिमा की पहली झलक ने सबके होश उड़ा दिए है।यहां तक कि बहन की एक्टिंग देख भाई रणबीर कपूर भी हैरान है। 'फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स' के ट्रेलर में रणबीर की भी झलक देखने को मिली है, जिसमें वह मजाक में अपनी बहन रिद्धिमा को कहते हैं, 'ये इसे पूरी तरह से गड़बड़ कर देगी।'

वहीं इस शो के पहली सीजन से जुड़ी नीलम कोठारी ने रिद्धिमा को 'छोटा पैकेट बड़ा धमाका' कहकर उनकी खूब तारीफ की है। ट्रेलर में ढेर सारा हंगामा, ड्रामा, और मुंबई की वाइव्स और दिल्ली की सोशलाइट्स के बीच शानदार टकराव दिखाया गया है। इसके साथ ही शो में इस बार गौरी खान की एंट्री हैरान कर देने वाली है। इसके अलावा इसमें शो में खुशी कपूर, शनाया कपूर, अनन्या पांडे ,एकता कपूर , करण जौहर और ओर्री भी दिखाई देंगे। इस ट्रेलर ने फैंस के एक्साइटमेंट को बढ़ा दिया है। वहीं फैंस इस शो में सबसे ज्यादा रिद्धिमा कपूर को देखने के लिए एक्साइटेड नजर आ रहे हैं।

फवाद खान और वाणी कपूर की फिल्म की शीर्षक से उठा पर्दा, लंदन में शूटिंग शुरू

पाकिस्तानी स्टार फवाद खान और भारतीय अभिनेत्री वाणी कपूर फिलहाल लंदन में अपनी अपकमिंग रोमांटिक कॉमेडी फिल्म अबीर गुलाल की शूटिंग कर रहे हैं।फिल्म की शूटिंग 29 सितंबर को लंदन के सुरम्य में शुरू हुई है। इसकी घोषणा प्रोडक्शन हाउस इंडियन स्टोरीज़ द्वारा की गई।फिल्म की निर्देशक आरती एस बागड़ी ने कहा कि यह फिल्म प्यार के बारे में है।बागड़ी ने कहा फिल्म दो व्यक्तियों की यात्रा पर आधारित है जिसमें अनजाने में दोनों एक-दूसरे की मदद करते हैं। इस दौरान दोनों को एक-दूसरे से प्यार हो जाता है।विवेक बी अग्रवाल, अवंतिका हरि और राकेश सिप्पी द्वारा निर्मित यह प्रोजेक्ट भरपूर मनोरंजन का वादा करती है।निर्माताओं ने कहा, फवाद का एक बड़ा प्रशंसक वर्ग है। हम उम्मीद करते हैं कि उनके प्रशंसक इस फिल्म को पूरे दिल से पसंद करेंगे।उन्होंने कहा, उम्मीद है कि फवाद और वाणी के बीच की केमिस्ट्री दर्शकों को खूब पसंद आएगी।फिल्म की शूटिंग अक्टूबर और नवंबर में यूके में की जाएगी। फिल्म निर्माता ने कहा है कि एक प्रमुख बॉलीवुड संगीतकार ने इस फिल्म के लिए गाने के 6 ट्रैक बनाए हैं।पाकिस्तान के सबसे बड़े सितारों में से एक फवाद ने शशांक घोष की रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा फिल्म खूबसूरत में सोनम कपूर के साथ साल 2014 में हिंदी सिनेमा के पर्दे पर डेब्यू किया था। यह फिल्म 1980 में बनी इसी टाइटल की फिल्म की कहानी पर आधारित थी। इसमें किरण खेर, रत्ना पाठक शाह और आमिर रज़ा हुसैन जैसे नाम भी शामिल थे।इसके बाद उन्हें शकुन बत्रा की 2016 की पारिवारिक ड्रामा कपूर एंड संस में आलिया भट्ट और सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ स्क्रीन साझा करते देखा गया।

तेलंगाना आइकन अवार्ड्स के दूसरे संस्करण में

विविध क्षेत्रों के अग्रदूतों की उल्लेखनीय उपलब्धियों का जश्न मनाया गया

साल के सबसे प्रतीक्षित कार्यक्रमों में से एक, तेलंगाना आइकन अवार्ड्स सीजन 2 टी-हब में मनाया गया। इस कार्यक्रम में विविध क्षेत्रों के असाधारण उपलब्धि हासिल करने वालों पर प्रकाश डाला गया, और तेलंगाना ब्लॉगर्स द्वारा प्रस्तुत प्रतिष्ठित तेलंगाना आइकन अवार्ड्स के साथ उनके योगदान का सम्मान किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि अजय मिश्रा, आईएएस (सेवानिवृत्त), पूर्व विशेष मुख्य सचिव, तेलंगाना सरकार और अध्यक्ष, आईआरसीएस तेलंगाना राज्य सहित प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों ने पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया। इस भव्यता को और बढ़ाने वाले अतिथि थे- कवलजीत सिंह, सीनियर लॉन्च डायरेक्टर, बीएनआई हैदराबाद, तारिक अंसारी, अध्यक्ष, तेलंगाना अल्पसंख्यक आयोग मो. खलीकुर रहमान, एआईसीसी किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय समन्वयक, विजेट्रॉन फैशन लाइफस्टाइल एंटरटेनमेंट और मूल्यवान सहयोगी पार्टनर नाज़िम शेख और वेडिंग कलेक्शन ज्वेलरी से श्रीमती दरक्षा परवीन, टाइटल प्रायोजक और ग्लोबल ब्लॉगर्स कम्युनिटी और तेलंगाना ब्लॉगर्स कम्युनिटी के संस्थापक अब्दुल मुईद ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम को और भी खास बना दिया।

तेलंगाना के इनोवेशन हब, टी-हब में आयोजित इस वर्ष के पुरस्कार समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियों का जश्न मनाया गया। जिससे यह एक ऐतिहासिक कार्यक्रम बन गया। इस अवसर पर बोलते हुए अजय मिश्रा ने कहा, सोशल मीडिया व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास के लिए एक शक्तिशाली माध्यम है, लेकिन संतुलन महत्वपूर्ण है। अंतहीन स्क्रॉलिंग में फंसना आसान है, जो प्रतिकूल हो सकता है। मेरी सलाह है कि अपने सोशल मीडिया समय को रात के खाने और नाश्ते के बीच ही सीमित रखें। दिन के दौरान, वास्तविक दुनिया की बातचीत पर ध्यान दें, बात करें, जुड़ें और अपने आस-पास के लोगों से जुड़ें। वर्तमान पीढ़ी अक्सर अपनी स्क्रीन से चिपकी रहती है, जिससे मूल्यवान आमने-सामने की बातचीत छूट जाती है। आइए एक स्वस्थ संतुलन का लक्ष्य रखें: रात में सोशल मीडिया, दिन में सार्थक बातचीत।

किरदार में डूब जाने का मौका देता है ओटीटी प्लेटफॉर्म : सोनाक्षी सिन्हा

हाल ही में स्ट्रीमिंग फिल्म ककुड़ा में नजर आई बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा ने ओटीटी प्लेटफॉर्म को बहुत अहम बताया। कहा कि यह कलाकारों को अपने किरदारों की गहराई को समझने और उन्हें निभाने का मौका देता ने अब तक दो ओटीटी शो दहाड़ और हाल ही में आई हीरामंडी: द डायमंड बाजार में दिखीं। इसमें सोनाक्षी के काम को दर्शकों ने बेहद पसंद किया।एक अवॉर्ड शो में हीरामंडी अदाकारा सोनाक्षी को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अभिनेत्री ने कहा, मैंने लगातार दो साल पुरस्कार जीता है। यह पुरस्कार मुझे दहाड़ और हीरामंडी: द डायमंड बाजारळ के लिए दिया गया। यह इस बात का प्रमाण है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म कलाकारों को खुलकर काम करने का मौका दे रहा है। यह कलाकारों को शक्तिशाली भूमिका निभाने का मौका दे रहा है।सोनाक्षी ने ओटीटी और पर्दे पर काम करने के अनुभव पर बात करते हुए कहा, ओटीटी इस समय वाकई एक गेम-चेंजर है। ओटीटी पर पेश की जाने वाली भूमिकाएं अधिक जटिल और चुनौतीपूर्ण होती है। बड़े पर्दे पर हमेशा यह संभव नहीं होता।उन्होंने कहा, बड़ी स्क्रीन का उद्देश्य हमेशा ही ज्यादा से ज्यादा का मनोरंजन करना होता है, जबकि मुझे लगता है कि ओटीटी किरदारों को गहराई से जानने के लिए ज्यादा मौका देता है। मुझे दोनों ही जगह दर्शकों ने बहुत प्यार दिया है, जिसके लिए मैं आभारी हूं। इस डिजिटल क्रांति का हिस्सा बनना रोमांचक है, जहां कंटेंट ही सबसे मायने रखता है।अभिनेत्री ने हाल ही में अपने किरदारों को निभाने पर बात करते हुए कहा था कि मैं सेट पर पहुंचती हूं, कैमरे का सामना करती हूं, और तब किरदार मेरे लिए जीवंत हो उठता है।23 जून को सोनाक्षी ने जहीर के साथ परिवार और करीबी दोस्त की में शादी की थी।सोनाक्षी को पिछली बार रितेश देशमुख और साकिब सलीम के साथ ककुड़ा में देखा गया था। अब वह कुश सिन्हा निर्देशित निकिता रॉय एंड द बुक ऑफ डार्कनेस नामक फिल्म में नजर आएंगी।वह आगामी फिल्म में अर्जुन रामपाल, परेश रावल और सुहैल नय्यर जैसे कलाकारों के अभिनय करती नजर आएंगी।

अजय देवगन की सिंघम अगेन के ट्रेलर ने रचा भारतीय सिनेमा में इतिहास

सिंघम अगेन के निर्देशक रोहित शेट्टी ने हाल ही में मोस्ट अवेटेड फिल्म सिंघम अगेन का ट्रेलर लॉन्च कर दिया है। इसके साथ ही एक दिलचस्प बात सामने आई है कि सिंघम अगेन का ट्रेलर भारतीय सिनेमा का लंबा ट्रेलर बन गया है। जी हां कई टैलेंटेड कलाकारों से भरपूर फिल्म के ट्रेलर का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। जैसे ही ट्रेलर रिलीज हुआ सबसे पहले सबका ध्यान इसके रनटाइम पर गया। इस फिल्म में अजय देवगन, रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण, अक्षय कुमार, करीना कपूर, टाइगर श्रॉफ, अर्जुन कपूर जैसे सितारे नजर आने वाले हैं।अजय देवगन के लीड रोल वाली सिंघम अगेन के ट्रेलर का रनटाइम 4 मिनट 58 सेकंड लंबा है जो किसी भी अन्य भारतीय फिल्म से लंबा है। सिंघम अगेन का ट्रेलर रिलीज हुआ जिसके लॉन्चिंग इवेंट पर फिल्म की पूर स्टारकास्ट मौजूद रही। रोहित शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम पर एक क्लिप शेयर करके रिलीज डेट की अनाउंसमेंट की थी।रोहित शेट्टी ने हिंदी सिनेमा का सबसे बड़ा ट्रेलर रिलीज किया है। ट्रेलर में बाजीराव सिंघम कलयुग के रावण के खिलाफ जंग लड़ रहे हैं जो उनकी सीता यानि अवनी बाजीराव सिंघम का अपहरण कर लेता है। अजय देवगन के साथ राम की ही तरह अपनी सेना है जो रावण की लंका दहन करने में उनका साथ देती है। रोहित शेट्टी निर्देशित सिंघम अगेन में अजय देवगन अपने पॉपुलर सिघंम के किरदार में नजर आएंगे। जबकि रणवीर सिंह और अक्षय कुमार संग्राम भालेराव (सिम्बा) और वीर सूर्यवंशी के रूप में वापसी करेंगे। रणवीर ने सिम्बा में अभिनय किया, जबकि अक्षय सूर्यवंशी में पुलिस के किरदार में नजर आए थे। वहीं टाइगर श्रॉफ एसीपी सत्य का किरदार निभाएंगे।

रनटाइम 4 मिनट 58 सेकंड लंबा

वहीं करीना अवनी बाजीराव सिंघम और दीपिका पादुकोण के किरदार का नाम शक्ति शेट्टी है जो एक पुलिस ऑफिसर के रोल में है।अजय देवगन, करीना कपूर, अक्षय कुमार, रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण, टाइगर श्रॉफ, अर्जुन कपूर और जैकी श्रॉफ स्टारर सिंघम अगेन 1 नवंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म रोहित द्वारा बनाई गई कॉप यूनिवर्स की तीसरी किस्त है। और यह सिंघम रिटर्न्स का सीक्वल है। रिपोर्ट्स के मुताबिक थिएट्रिकल रिलीज के बाद सिंघम अगेन ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम पर रिलीज होगी। वहीं सिंघम अगेन का टकराव सिनेमाघरों में कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया से देखने को मिलेगा।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,ली,लू,ले,लो,अ
अपने जीवन-साथी की उपलब्धियों की सराहना करें और उसकी सफलता और खुशकिस्मती का जश्न मनाएँ। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं, काम के बाद आपके सहकर्मी आपको किसी छोटे घरेलू उत्सव पर आमंत्रित कर सकते हैं। दूसरों को राज़ी करने की आपकी प्रतिभा आपको काफ़ी फ़ायदा पहुँचाएगी। जीवनसाथी के किसी अचानक काम की वजह से आपकी योजनाएँ बिगड़ सकती हैं। लेकिन फिर आपको महसूस होगा कि जो होता है अच्छे के लिए ही होता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो
आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। जीवनसाथी के साथ अपने रिश्तों में तनाव दूर करने के लिए अच्छा दिन है। हालात ठीक करने की ज़िम्मेदारी अपने कंधों पर लें और सकारात्मक तौर पर पहल करें। आपका आत्मविश्वास आपकी पेशेवर ज़िंदगी में ख़ास असर छोड़ेगा। यह दूसरों को आपका नज़रिया समझाने और उनकी मदद हासिल करने में कारगर रहेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाक़ात होगी।

मिथुन – क,कि,कु,घ,ङ,छ,के,को,ह
आज आप आसानी से पैसे इकट्ठा कर सकते हैं- लोगों को दिए पुराने कर्ज़ वापिस मिल सकते हैं - या फिर किसी नयी परियोजना पर लगाने के लिए धन अर्जित कर सकते हैं। बच्चे आपको घरेलू काम-काज निबटाने में मदद करेंगे। आपका प्रेमी आज आपकी बातों को सुनने से ज़्यादा अपनी बातें कहना पसंद करेगा जिसकी वजह से आप थोड़ा खिन्न हो सकते हैं। काम में मन लगाएँ और जज़्बाती बातों से बचें। ऑफिस से जल्दी घर जाने का प्लान आज आप ऑफिस पहुंचकर ही कर सकते हैं। घर पहुंचकर आप किसी पार्क में परिवार के लोगों के साथ जाने का प्लान बना सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो
आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। घर से जुड़ी योजनाओं पर विचार करने की ज़रूरत है। अपने प्रिय की छोटी-मोटी भूल को अनदेखा करें। किसी के साथ नयी परियोजना या भागीदारी वाले व्यवसाय को शुरू करने से बचें। किसी भी स्थिति में आपको अपने समय का ख़्याल रखना चाहिए, वैवाहिक जीवन के लिए विशेष दिन है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे
आज अपनी सेहत के चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। आपके आस-पास के लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे व सराहेंगे। बिना किसी की सलाह लिये बिना आज आपको पैसा कहीं भी इन्वेस्ट नहीं करना चाहिए। जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी-कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। आपके प्रिय की ख़राब तबियत के चलते रोमांस को दरकिनार होना पड़ सकता है। कामकाज में आ रहे बदलावों के कारण आपको लाभ मिलेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो
आज के दिन किए गए दान-पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। जो लोग शादीशुदा हैं उन्हें आज अपने बच्चों की पढ़ाई पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। अपने प्रिय के लिए बदले की भावना से कुछ हासिल नहीं होगा- बजाय इसके आपको दिमाग़ शांत रखना चाहिए और अपने प्रिय को अपनी सच्ची ज़रूरत से परिचित कराना चाहिए। प्रतिस्पर्धा के चलते काम-काज की अधिकता थकावट भरी हो सकती है। इस राशि के छात्र-छात्राएं आज अपने कीमती समय का दुरुपयोग कर सकते हैं। लोगों की दख़लअन्दाज़ी वैवाहिक जीवन में परेशानी खड़ी कर सकती है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते
आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। परिवार के लोगों से अपनी परेशानियां साझा करके आप हल्का महसूस करते हैं, लेकिन कई बार आप अपने अहम को आगे रखकर घर वालों को जरूरी बातें नहीं बताते। आपको ऐसा नहीं करना चाहिए ऐसा करके परेशानी और भी बढ़ेगी कम नहीं होगी। मुमकिन मामलों से बचने के लिए आपको अपने संपर्क उपयोग करने की ज़रूरत है। देर रात तक आपको कहीं दूर से कोई अच्छी ख़बर सुनने को मिल सकती है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू
शारीरिक तौर पर तंदुरुस्त रहने के लिए धूम्रपान की आदत छोड़ दें। पैसे कमाने के नए मौक़े मुनाफ़ा देंगे। आपकी भरपूर ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे। दफ़्तर में जिसके साथ आपकी सबसे कम बनती है, उससे अच्छी बातचीत हो सकती है। दिल के करीबी लोगों के साथ आपका वक़्त बिताने का मन करेगा लेकिन आप ऐसा कर पाने में सक्षम नहीं हो पाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे
नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिज़ूलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। अपने परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों पर ध्यान देना आज आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली-भाँति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। अपने जीवनसाथी के साथ आप आज एक शानदार शाम गुज़ार सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि
गर्भवती महिलाओं के लिए अतिरिक्त सावधान रहने का दिन है। अगर आप लोन लेने वाले थे और काफी दिनों से इस काम में लगे थे तो आज के दिन आपको लोन मिल सकता है। शाम का ज़्यादातर समय मेहमानों के साथ गुज़रेगा। आपके प्रिय के साथ कुछ मतभेद उभर सकते हैं- साथ ही अपने साथी को अपना नज़रिया समझाने में भी तकलीफ़ महसूस होगी। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी - जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द
आज किसी विपरीत लिंगी की मदद से आपको कारोबार या नौकरी में आर्थिक लाभ होने की संभावना है। पारिवारिक सदस्य या जीवन-साथी तनाव की वजह बन सकते हैं। अगर आप अपनी योजनाओं को सबके सामने खोलने में बिल्कुल नहीं हिचकते, तो आप अपनी परियोजना को ख़राब कर सकते हैं। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा। जीवनसाथी की ओर से जानबूझ कर भावनात्मक चोट मिल सकती है, जिसके चलते आप उदास हो सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची
इस राशि के कुछ लोगों को आज संतान पक्ष से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व महसूस होगा। एक बेहतरीन शाम के लिए रिश्तेदार घर आ सकते हैं। आज किए गए निवेश काफ़ी फ़ायदेमन्द साबित होंगे, लेकिन आपको भागीदारों से विरोध का सामना करना पड़ सकता है। जो भी आपसे मिले, उसके साथ विनम्र और सुखद व्यवहार करें। बहुत कम लोग ही आपके इस आकर्षण का राज़ जान पाएंगे। कई लोग साथ तो रहते हैं, लेकिन उनके जीवन में रोमांस नहीं होता। लेकिन यह दिन आपके लिए बेहद उत्साहवर्धक रहने वाला है।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 10 अक्टूबर 2024 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आश्विन , शुक्ल पक्ष
तिथि : सप्तमी दोपहर 12:33 तक
नक्षत्र : पूर्वाषाढा उत्तर रात्रि 05:41 तक
योग : अतिगंड उत्तर रात्रि 04:36 तक
करण : वणिज दोपहर 12:33 तक
चन्द्रराशि : धनु
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 05:57 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:09, सूर्यास्त 06:03 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 05:55 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:59, सूर्यास्त 05:49 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : चित्रा में रवि दोपहर 02:06 से , भद्रा दोपहर 12:32 से रात्रि 12:25 तक

❊ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❊

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

यह ऐतिहासिक जीत पीएम मोदी की नीतियों पर भरोसे की जीत है : सैनी

जीत के बाद नायब ने दिल्ली में पीएम मोदी सहित शीर्ष नेताओं से की भेंट

पत्रकारों से बोले- मैंने अपनी ड्यूटी निभाई, सीएम का नाम संसदीय बोर्ड तय करेगा

चंडीगढ़, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की शानदार जीत के बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से शिष्टाचार भेंट की।

मुलाकात के दौरान श्री सैनी ने शीर्ष नेताओं का शॉल ओढ़ाकर व पुष्प गुच्छ तथा भगवान श्री कृष्ण की देकर स्वागत किया। उन्होंने हरियाणा में भाजपा को मिले जनादेश को लेकर चर्चा की और हरियाणा वासियों से विशेष स्नेह रखने के लिए शीर्ष नेतृत्व का हृदय से आभार व्यक्त किया। श्री सैनी ने कहा कि राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृहमंत्री, रक्षामंत्री एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष से मुलाकात कर हरियाणा ऐतिहासिक जीत की बधाई दी एवं उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया।

प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री से शिष्टाचार भेंट हुई है। हरियाणा में हमारी जो प्रचंड जीत हुई है उसके बारे में मैंने प्रधानमंत्री मोदी को बताया है। मैंने प्रधानमंत्री को कहा है उन्हें हरियाणा के लोग बहुत प्यार और स्नेह करते हैं जिसका परिणाम है कि तीसरी बार हरियाणा में डबल इंजन की सरकार बन रही है। हरियाणा में सीएम कौन होगा, इस पर नायब सैनी ने कहा कि मैंने अपनी ड्यूटी कर ली है। अब मुख्यमंत्री कौन होगा? इसका फैसला बोर्ड लेगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा की यह ऐतिहासिक जीत प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों पर भरोसे की जीत है, सुशासन की जीत है, समानता की जीत है और गरीब-कल्याण की जीत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में हरियाणा निरंतर अथक परिश्रम करते हुए नए क्षितिज को छू है। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि हरियाणा में जीत की शानदार हैट्रिक ने यह साबित कर दिया है प्रदेश की जनता का भरोसा भाजपा के सशक्त एवं सक्षम नेतृत्व तथा सुशासन और विकास की नीतियों में है। राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात के दौरान भाजपा के अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली और संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा भी मौजूद रहे। मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया, मैंने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात की और उन्हें विधानसभा चुनावों में भाजपा की ऐतिहासिक जीत के लिए बधाई दी। मुझे विश्वास है कि भारत के संकल्प में हरियाणा की भूमिका और भी महत्वपूर्ण होने जा रही है।

मेरे स्टार प्रचारक मेरे कार्यकर्ता हैं : अनिल विज

अंबाला, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के पूर्व गृह मंत्री अनिल विज ने बुधवार को कहा कि उन्हें स्टार प्रचारक की जरूरत नहीं है और उनके प्रचारक उनके कार्यकर्ता हैं। हरियाणा विधानसभा चुनाव में अंबाला छावनी सीट से कड़े मुकाबले में चुनाव जीते श्री विज ने कहा कि उन्होंने आठ चुनाव लड़े हैं और उनमें से सात चुनाव जीते हैं। एक चुनाव में पूर्व उप प्रधानमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी प्रचार के लिए आए थे, उसके उन्होंने कभी किसी स्टार प्रचारक को नहीं बुलाया क्योंकि उनके स्टार प्रचारक उनके कार्यकर्ता हैं।

श्री विज ने दावा किया कि उनके चुनावी आकलन बड़े-बड़े शास्त्रियों से भी बेहतर होते हैं। उन्होंने कहा के एग्जिट पोल को सबसे पहले उन्होंने ही खारिज किया था और मंगलवार को मतगणना के सुबह जब रुझान भाजपा के खिलाफ आ रहे थे, तब भी वह अपने बयान पर टिके रहे कि भाजपा की ही सरकार बनेगी। कांग्रेस के ईवीएम पर सवाल उठाने के बारे में एक सवाल के जवाब में श्री विज ने कहा कि कांग्रेस को जम्मू-कश्मीर चुनाव के खिलाफ भी आयोग में जाना चाहिए। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अब स्कूली बच्चे भी जान गए हैं कि कांग्रेस जब हारती है, तो रोती है।

आम आदमी पार्टी के प्रदर्शन को लेकर उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी का नाम अब जमानत जब्त पार्टी होना चाहिए। जननायक जनता पार्टी खाता न खोल पाने के संबंध में पूछने पर उन्होंने कहा कि अपनी करनी खुद को ही भरनी होती है। एक टीवी चैनल से बातचीत में श्री विज ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने न उन्हें चुनाव के दौरान कभी फोन किया था न, चुनाव जीतने के उन्होंने मुख्यमंत्री पद पर परोक्ष दावा करते हुए कहा कि लोग एक बार चुनाव जीतकर अगली बार सत्ता विरोधी लहर का शिकार हो जाते हैं, वह तो सात बार चुनाव जीत चुके हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें किसी पद की लालसा नहीं है और वह यही कहते हैं कि ने मुख्यमंत्री बनाया, तो वह इनकार नहीं करेंगे। श्री सैनी को मार्च में जब मनोहर लाल खट्टर की जगह मुख्यमंत्री बनाया गया था तो श्री विज नाराज बताए गए थे। वह श्री सैनी के शपथ ग्रहण समारोह और मंत्रिमंडल से दूर ही रहे। चुनाव में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व श्री सैनी को ही अपना मुख्यमंत्री चेहरा बताया, लेकिन श्री विज ने पार्टी में सबसे वरिष्ठ नेता होने के नाते पद पर दावा जताया और कहा कि उन्हें मुख्यमंत्री बनाया गया तो वह हरियाणा की तस्वीर और तकदीर बदल देंगे। हर बार हालांकि वह यह जरूर जोड़ते रहे कि हाई कमान ने चाहा तो।

राजस्थान पर्यटन के साथ हर क्षेत्र में बनेगा नंबर एक राज्य : कुमारी

जयपुर, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के विजन अनुसार मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार निवेश प्रस्तावों को धरातल पर लाकर पर्यटन में ही नहीं बल्कि हर क्षेत्र में राजस्थान को नंबर एक बनाएगी।

श्रीमती दिया कुमारी यहां राइजिंग राजस्थान पर्यटन प्री-समिट में बोल रही थी। उन्होंने कहा कि पर्यटन के क्षेत्र में लगभग 142 प्रस्तावों से 14 हजार करोड का निवेश करने वाले निवेशकों का राजस्थान में स्वागत है। उन्होंने कहा कि आज के निवेश प्रस्तावों के माध्यम से पर्यटन के में 59 हजार लोगों को सीधे तौर पर रोजगार के अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि आगामी सात एवं नौ मार्च को आइफा - 25 का जयपुर में ऐतिहासिक आयोजन किया जाएगा जो कि राजस्थान में पर्यटन के नये द्वार खोलेगा। इस आयोजन से राजस्थान के पर्यटन नई ऊंचाईयां मिलेगी। उपमुख्यमंत्री कहा कि आने वाले समय में पर्यटन विभाग की ओर से नई पर्यटन नीति, नई पर्यटन यूनिट नीति, ग्रामीण पर्यटन नीति, फिल्म पर्यटन नीति लागू की जाएगी जिससे राजस्थान में पर्यटन के क्षेत्र में नई संभवनाये और अवसर पैदा होंगे। दिया कुमारी ने कहा कि भजनलाल शर्मा राजस्थान में को प्रोत्साहित करने में दिन रात जुटे हैं। उन्होंने उपस्थित स्टेकहोल्डर्स से अपील की कि वे पर्यटन के क्षेत्र में राजस्थान को देश में नंबर वन और एक ग्लोबल डेस्टिनेशन बनाने के लिए काम करे।

सोनीपत तक मेट्रो कनेक्टिविटी मेरी प्राथमिकताओं में शामिल : मदान

सोनीपत, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नवनिर्वाचित विधायक निखिल मदान ने बुधवार को कहा कि सोनीपत तक मेट्रो की कनेक्टिविटी, शहर के बस स्टैंड को बाहर ले जाना, सामान्य अस्पताल स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर करना, नगर निगम का नया भवन पूरा करवाना, शहर में बरसाती पानी निकासी की सुद्दृढ़ व्यवस्था करवाना, सफाई व्यवस्था को बेहतर करना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा।

उन्होंने कहा कि केंद्र और हरियाणा दोनों जगह भाजपा सरकार होने से इन कार्यों को तेजी से पूरा जाएगा। श्री मदान ने मतदाताओं का आभार व्यक्त किया और कहा कि सोनीपत की जनता को विश्वास दिलाते हैं कि सदैव उनके भरोसे पर खरा उतरेंगे और सोनीपत को विकास पथ पर आगे बढ़ाएंगे।

श्री मदान ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में भाजपा ने तीसरी पूर्ण बहुमत से सरकार बनायी है, उन्हें पूरा भरोसा है कि उनके नेतृत्व में हरियाणा विकास के नए आयाम स्थापित करेगा।

पुत्र की हार से भावुक हुए कुलदीप बिश्नोई

हिसार, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा में हिसार जिले की आदमपुर विधानसभा सीट पहली बार पूर्व मुख्यमंत्री भजनलाल के परिवार के किसी सदस्य की हार के बाद कुलदीप बिश्नोई समर्थकों को संबोधित करते हुए बुधवार को भावुक हो गए और रो पड़े।

श्री बिश्नोई को रोते देखकर समर्थकों ने चौधरी भजनलाल अमर रहें के नारे लगाए। पुत्र भव्य बिश्नोई ने पिता को सांत्वना दी। आदमपुर सीट पर पहली बार 1967 में चौधरी भजनलाल जीते थे। तब से लेकर अब तक इस सीट पर भजनलाल परिवार के सदस्य ही जीतते आए हैं। इस चुनाव में भजनलाल के पूर्व सहयोगी रामजी लाल के भतीजे और पूर्व आईएएस अधिकारी चंद्र प्रकाश ने कांग्रेस प्रत्याशी रूप में इस अभेद किले को भेद दिया और कड़े मुकाबले में भाजपा के टिकट पर लड़े विधायक भव्य को 1768 वोटों से पराजित कर दिया दिया। श्री बिश्नोई के कांग्रेस से अलग होने के बाद 2022 के उपचुनाव में भव्य ने भाजपा प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ा जीता था।

थोड़ा संभलने के बाद श्री बिश्नोई ने कार्यकर्ताओं से कहा कि मायूस होने की जरूरत नहीं है और चुनाव में हार-जीत लगी रहती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी है और आदमपुर के विकास कार्यों में कोई कमी नहीं आने दी जायेगी। उन्होंने हमने सदैव आदमपुर को परिवार माना है और आगे भी परिवार की तरह ही आदमपुर की सेवा करते रहेंगे। भव्य ने भी कहा, आदमपुर की जनता का हर आदेश सिर माथे है। उन्होंने आदमपुर वासियों और अपने कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने विजयी प्रत्याशी चन्द्रप्रकाश को बधाई हुए कहा कि आदमपुर के परिवार को जो उम्मीदें उनसे हैं, वे उन पर खरे उतरें।

निर्दलीय विधायक देवेंद्र कादियान ने भाजपा को दिया समर्थन

कहा- गन्नौर के विकास के लिए सरकार का सहयोग जरूरी

सोनीपत, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)। गन्नौर से नवनिर्वाचित निर्दलीय विधायक देवेंद्र ने भाजपा को समर्थन देने का ऐलान किया है। कार्यकर्ताओं के साथ बैठक के बाद कादियान ने यह निर्णय लिया।

उन्होंने कहा कि भले ही भाजपा ने उन्हें टिकट नहीं दिया, लेकिन जनता की मांग और गन्नौर के विकास के लिए वह भाजपा का समर्थन करेंगे। कादियान ने कहा गन्नौर के विकास के लिए सरकार का सहयोग जरूरी है। हम साल में 365 दिन जनता को विकास कार्यों का हिसाब देंगे और पहले दिन से ही काम शुरू कर देंगे। उन्होंने यह भी बताया कि कल से शहर की सड़कों की सफाई के लिए ऑटोमैटिक मशीनों का इस्तेमाल जाएगा, जिससे सफाई व्यवस्था में सुधार होगा। इसके अलावा, जल्द ही जर्जर सड़कों के निर्माण का काम भी शुरू किया जाएगा।

नाराज किसानों ने किया रोड-जाम, दिया धरना

फतेहाबाद, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा में फतेहाबाद जिला के टोहाना में धान की खरीदी नहीं होने से नाराज किसानों ने को रोड जाम कर धरना दिया।

किसानों ने टोहाना के रतिया रोड पर एडिशनल अनाज मंडी के बाहर सडक़ पर धरना दिया। जिस कारण यातायात बाधित हो गया। किसानों ने बताया कि बार-बार तारीख पर तारीख दी जा रही है, लेकिन धान की खरीद नहीं की जा रही। अगर कम रेट में धान देने को तैयार है, तो तुरंत ढेरी को उठा लिया जाता है। किसानों ने रोष प्रकट करते हुए बताया कि 23 तारीख से धान की खरीद शुरू हुई थी। उसके बाद बारदाना न होने की बात कह कर खरीद नहीं की गई। फिर 27 तारीख आश्वासन दिया गया, लेकिन 27 तारीख को भी खरीद नहीं हुई। इसके बाद किसानों ने रोड जाम कर दिया था। तब आश्वासन देकर जाम खुलवा लिया गया, लेकिन अभी तक खरीद शुरू नहीं हुई। बाद में उन्हें कहा जाने लगा कि प्रशासन चुनाव तक व्यस्त है। लेकिन अब चुनाव संपन्न हो गए हैं, उसके बाद भी प्रशासन सुध नहीं ले रहा। उन्होंने बताया कि किसानों को 17 प्रतिशत से ज्यादा नमी होने की बात कह कर खरीद ना होने की बात कही जा रही है।

त्रिनेत्र गणेश मंदिर के रास्ते में बाघ आने से श्रद्धालुओं में दहशत

भरतपुर, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के सवाई माधोपुर में रणथम्भौर त्रिनेत्र गणेश मन्दिर जाने वाले रास्ते पर बुधवार सुबह बाघ के आ जाने से श्रद्धालु दहशत में आ गए। मन्दिर के सिंहद्वार करीब 15 मिनट तक चहलकदमी करने के बाद बाघ जोन नम्बर 5 की तरफ रूख कर नजरों से ओझल हो गया। सूचना पर वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंच श्रद्धालुओं को बाघ के आसपास से दूर किया लेकिन इस बीच कुछ देर के लिए वहां वाहनों एवं की भीड़ लग गई और लोगों ने भयमिश्रित इन क्षणों को अपने मोबाइल कैमरों में कैद भी किया। वन विभाग के सूत्रों के अनुसार जोन नम्बर 5 से निकलने वाला यह बाघ टी-120 गणेश हो सकता है, लेकिन वन विभाग की ओर से बाघ को लेकर पुष्टि नहीं की है।

हरियाणा की जनता ने मोदी एवं सैनी के नेतृत्व पर जताया भरोसा : दाधीच

जयपुर, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच ने कहा है कि हरियाणा विधानसभा चुनाव में जनता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व पर भरोसा जताया है।

श्री दाधीच ने बुधवार को यहां हरियाणा चुनाव परिणाम पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि हरियाणा की जनता ने एक बार फिर श्री मोदी एवं श्री सैनी पर भरोसा जताया है और यह साबित हो गया कि कांग्रेस के नेताओं का झूठ समझ गई है। उन्होंने कहा कि राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एवं कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले बड़े बड़े दावे किए लेकिन वे सब धराशाई हो गए।

रूप कंवर सती कांड मामले में आठ आरोपी बरी

जयपुर, 09 (एजेंसियां)। राजस्थान के सीकर जिले के दिवराला गांव में करीब 37 साल पहले हुए रूप कंवर सती कांड में आठ आरोपियों को बुधवार को अदालत ने बरी कर दिया।

जयपुर महानगर द्वितीय की सती निवारण स्पेशल कोर्ट ने यह फैसला सुनाते हुए इस मामले के आरोपी श्रवण सिंह, महेंद्र निहाल सिंह, जितेंद्र सिंह, उदय सिंह, नारायण सिंह, भंवर सिंह और दशरथ सिंह को बरी कर दिया। इससे पहले इस मामले में ग्यारह आरोपी बरी हो चुके है। उल्लेखनीय है कि चार सितंबर 1987 को दिवराला गांव में 18 साल की रूप कंवर अपने पति की चिता पर जलकर हो गई थी। इसके बाद दिवराला गांव में ही उसकी तेरहवीं पर चुनरी महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें लाखों लोग शामिल हुए। सती का महिमामंडन करने पर 45 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

इस घटना ने पूरी दुनिया का ध्यान खींच लिया था। जयपुर के कारोबारी बाल सिंह राठौड़ की सबसे छोटी बेटी रुप कंवर की शादी दिवराला गांव के माल सिंह से 17 जनवरी 1987 को हुई थी। तीन सितंबर 1987 को माल सिंह के पेट में अचानक दर्द उठा और उन्हें इलाज के लिए सीकर ले जाया गया लेकिन चार सितंबर को मौत हो गई थी।

भाजपा सरकार बनी है, विकास कार्य रुकने नहीं देंगे: कांडा

सिरसा, 09 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा लोकहित पार्टी के अध्यक्ष एवं सिरसा से चुनाव हारे गोपाल कांडा ने बुधवार को अपने समर्थकों और कार्यकर्ताओं को आश्वस्त करने की कोशिश की कि चुनाव हारने के बावजूद सिरसा में विकास कार्यों रुकने नहीं दिया जायेगा, क्योंकि प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी है।

हलोपा ने पिछली भाजपा सरकार को समर्थन दिया था और इस विधानसभा चुनाव में भले आधिकारिक रूप से दोनों पार्टियों का गठबंधन नहीं हो पाया, लेकिन भाजपा ने सिरसा सीट से अपना प्रत्याशी नामांकन वापसी के आखिरी बिना कारण बताए हटा दिया था। इंडियन नेशनल लोकदल और बहुजन समाज पार्टी गठबंधन ने भी हलोपा से गठजोड़ किया था। हालांकि कांग्रेस प्रत्याशी गोकुल सेतिया ने कड़े मुकाबले में श्री कांडा को हरा दिया।श्री कांडा ने हिसारिया बाजार स्थित कैंप कार्यालय में कार्यकर्ताओं से बातचीत के दौरान लगाया कि कांग्रेस लहर के नाम पर मतदाताओं को गुमराह किया गया लेकिन हरियाणा की जनता ने कांग्रेस मुक्त प्रदेश के लिये जनादेश दिया है।

बृज बिहारी केस में शीर्ष अदालत से छिपाया गया सच

जदयू विधायक के जिंदा भाई को कोर्ट ने माना मृत

पटना (एजेंसियां)। आम आदमी से लेकर भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा तक के अफसरों से फर्जीवाड़े की खबरें आपने सुनी होंगी; लेकिन इस बार देश के सर्वोच्च न्यायालय से फर्जीवाड़ा हो गया है।

सुप्रीम कोर्ट को बिहार के एक केस में झांसे में ऐसा रखा गया कि उसने बिहार के पूर्व मंत्री बृज बिहारी प्रसाद की हत्या के मामले में अंतिम फैसला लिखते समय एक जीवित को मृत मान लिया। बिहार के हाई प्रोफाइल मर्डर केस में दोषी और निर्दोष माने गए सभी अभियुक्त चर्चित या उनके करीबी थे। ऐसे में सत्तारूढ़ जनता दल यूनाईटेड के विधायक अमरेंद्र पांडेय उर्फ पप्पू पांडेय के भाई और बिहार के गोपालगंज, सारण से लेकर उत्तर प्रदेश तक के नामी सतीश पांडेय को सुप्रीम कोर्ट में

'मृत' बताया जाना और फैसले में इसका ही जिक्र आना चर्चा में है। पत्नी स्व. उर्मिला पांडेय गोपालगंज जिला परिषद् की निर्विरोध अध्यक्ष रही थीं। बेटे मुकेश पांडेय भी जिला परिषद् अध्यक्ष रह चुके हैं।

बृज बिहारी प्रसाद हत्याकांड में राष्ट्रीय जनता दल के वैशाली लोकसभा प्रत्याशी और पूर्व विधायक विजय कुमार शुक्ला उर्फ मुन्ना शुक्ला और मंटू तिवारी को सुप्रीम कोर्ट ने तीन अक्टूबर को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। उन्हें दो हफ्ते में आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया गया है, क्योंकि 2014 में हाईकोर्ट से निर्दोष करार दिए जाने के कारण यह फिलहाल बाहर हैं। इसी केस में लोक जनशक्ति पार्टी के बाहुबली पूर्व सांसद सूरजभान सिंह, बाहुबली पूर्व विधायक राजन तिवारी समेत छह आरोपियों को इस हत्याकांड से सुप्रीम कोर्ट ने बरी कर दिया। चालीस पेज इस फैसले के दस्तावेज में सुप्रीम कोर्ट ने एक जगह सतीश पांडेय को मृत मानते हुए आगे इसपर चर्चा ही नहीं की है। सीतीश पांडेय के छोटे भाई अमरेंद्र पांडेय कुचायकोट से लगातार पांचवीं बार जदयू विधायक हैं। जब बृज बिहारी प्रसाद और उनके अंगरक्षक बिहार पुलिस के सिपाही लक्ष्मेश्वर साहू की हत्या हुई थी, तब बिहार के मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव थे। अब उन्हीं की पार्टी के नेता को उम्रकैद की सजा मिली है।

बृज बिहारी हत्याकांड में फैसले के बाद उनकी पत्नी व पूर्व सांसद रमा देवी का वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें इस केस के फैसले के लिए उन्होंने अमित शाह का आभार जताया था। अब इस केस में केंद्रीय जांच ब्यूरो पर भी सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि 1998 में इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान के अहाते में पुलिस अभिरक्षा के दरम्यान 13 जून 1998 को बृज बिहारी प्रसाद की हत्या के एक साल पूरा होने के पहले ही सात मार्च 1999 को यह केस सीबीआई के सुपुर्द कर दिया गया था। इस केस में प्राथमिक जांच और साक्ष्य बिहार पुलिस ने जमा कराए थे। उसके बाद सीबीआई ने ही केस को आगे बढ़ाया। ि

नचली अदालत में दोषियों को सजा दिलाने, हाईकोर्ट में सभी के बरी हो जाने और अब सुप्रीम कोर्ट में दो दोषियों को उम्रकैद मिलने तक सीबीआई की जांच और उसके जुटाए या अनुमोदित साक्ष्यों पर ही ज्यादा बहस हुई। ऐसे में सतीश पांडेय जैसे चर्चित शख्स को मृत बताए जाने की चर्चा तेजी से फैल रही है। जदयू विधायक के भाई होने के नाते विपक्ष इसे मुद्दा बनाए या सुप्रीम कोर्ट को गुमराह करने के लिए सीबीआई को घेरे तो आश्चर्य नहीं।

पर्यटकों से भरी मिनी बस हाइवा की टक्कर से पलटी, आठ लोग गंभीर घायल

जहानाबाद (एजेंसियां)। जहानाबाद में गया-पटना एनएच-83 पर कड़ौना थानाक्षेत्र के सलेमपुर गांव के पास शुक्रवार को एक भीषण सड़क दुर्घटना हो गई। इस हादसे में आठ पर्यटक गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा तब हुआ जब विपरीत दिशा से आ रहे एक अनियंत्रित हाइवा ट्रक ने पर्यटकों से भरी मिनी बस को टक्कर मार दी। इस वजह से बस का ड्राइवर संतुलन खो बैठा और बस सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। घटना के तुरंत बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से तीन लोगों की हालत गंभीर होने के चलते उन्हें पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (पीएमसीएच) रेफर कर दिया गया।

जानकारी के मुताबिक, यह दुर्घटना कड़ौना थाना क्षेत्र के सलेमपुर गांव के पास हुई, जब नेपाल से बोधगया जा रहे बौद्ध भिक्षुओं से भरी मिनी बस विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक से टकरा गई। बस में लगभग 23 पर्यटक सवार थे। चश्मदीदों के अनुसार, विपरीत दिशा से आ रहे हाइवा ट्रक ने बस को टक्कर मारी, जिसके बाद बस गड्ढे में गिर गई। घटना के बाद ट्रक चालक ट्रक लेकर मौके से फरार हो गया। पुलिस ट्रक और उसके चालक की पहचान करने में जुटी है। थानाध्यक्ष ने बताया कि ट्रक के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है और जल्द ही इस पर कानून सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

सदर अस्पताल के चिकित्सक ने बताया कि घायलों में से तीन की हालत गंभीर है, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच रेफर किया गया है। बाकी घायलों का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है, और उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। इस हादसे की जानकारी मिलने पर कड़ौना थाना पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। फिर घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस हादसे की जांच में जुट गई है और ट्रक चालक की गिरफ्तारी के लिए प्रयास कर रही है।

स्थानीय शिवशंकर कुमार ने बताया कि यह दुर्घटना बेहद भयानक थी। हमने तुरंत पुलिस को सूचित किया और घायलों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। वहीं, पुलिस पदाधिकारी ने कहा कि हम ट्रक और चालक का पता लगाने में जुटे हैं। जल्द ही दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इधर, सदर अस्पताल के चिकित्सक ने बताया कि तीन घायलों की हालत गंभीर थी, जिन्हें पीएमसीएच रेफर किया गया है। बाकी घायलों का इलाज चल रहा है।

दोस्त को लेने गए युवक का सड़क किनारे मिला शव

बाइक भी क्षतिग्रस्त पड़ी थी, पुलिस जांच में जुटी

पटना (एजेंसियां)। नालंदा में बुधवार की सुबह नालंदा जिले के दीपनगर थानाक्षेत्र में सड़क किनारे एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान मानपुर थानाक्षेत्र के नौबतपुर लोटन गांव निवासी शैलेश उर्फ मोछू कुमार (18) के रूप में हुई है। युवक का शव तेलिया खंधा और भट्ट बीघा के बीच सड़क के किनारे मिला, जिससे स्थानीय लोगों में खलबली मच गई।

मृतक के परिजनों ने बताया कि शैलेश मंगलवार की शाम अपने दोस्त को सूरत से लाने के लिए मिल्की पर गया था। लेकिन वह रात तक घर नहीं लौटा। बुधवार

की सुबह परिवार को जानकारी मिली कि उसका शव सड़क किनारे पड़ा हुआ है। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में मातम छा गया।

परिजनों का कहना है कि यह हादसा है या कुछ और, इसका पता अभी नहीं चल पाया है। वे आशंका जता रहे हैं कि घटना के पीछे कुछ और हो सकता है, क्योंकि शैलेश जिन दोस्तों को लेने के लिए निकला था, उनका भी अब तक कोई पता नहीं चल सका है। जानकारी के मुताबिक, करीब तीन महीने पहले शैलेश की शादी हुई थी। उसकी अचानक मौत से परिवार पूरी तरह सदमे में है। घटना के बाद गांव में भी शोक की लहर दौड़ गई है।

दीपनगर थाना अध्यक्ष जितेंद्र राम ने बताया कि पुलिस को शव मिलने की सूचना मिलते ही वे मौके पर पहुंचे। युवक की पहचान होने के बाद परिजनों को सूचित किया गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेजा गया है। घटनास्थल से क्षतिग्रस्त बाइक भी बरामद हुई है, जिससे यह लग रहा है कि यह सड़क हादसा हो सकता है। फिलहाल, पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है। आवेदन मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जमीन विवाद को लेकर खूनी संघर्ष, दोनों पक्षों से 10 लोग गंभीर रूप से घायल

बेगूसराय (एजेंसियां)। बेगूसराय जिले के भगवानपुर थानाक्षेत्र के मखवा गांव में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हिंसक संघर्ष हो गया। इसमें 10 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। विवाद पांच कट्ठा जमीन को लेकर था, जिसे लेकर दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर लाठी, डंडे, लोहे की रॉड और धारदार हथियारों से हमला किया। घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया और अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

जानकारी के मुताबिक, घटना का मुख्य कारण पांच कट्ठा जमीन को लेकर चला आ रहा पुराना विवाद बताया जा रहा है। पीड़ित पक्ष के बिंदेश्वरी महतो ने बताया कि वे अपने मवेशियों के लिए घास काटने गए थे, तभी दूसरे पक्ष के लोगों ने उन पर लाठी-डंडे

और लोहे की रॉड से हमला कर दिया। बिंदेश्वरी महतो का दावा है कि आरोपी पक्ष उन पर अपनी आठ कट्ठे की जमीन में से पांच कट्ठा जमीन लिख देने का दबाव बना रहे थे, लेकिन उनके मना करने पर इस हमले को अंजाम दिया गया।

इस खूनी संघर्ष में बिंदेश्वरी महतो के परिवार के पांच सदस्य बिंदेश्वरी महतो, उनकी पत्नी सुषमा देवी, बेटा कौशल महतो, बहू कंचन देवी और बेटी गंभीर रूप से घायल हो गए। दूसरी ओर, धीरज कुमार, नीरज कुमार, रवि किशन, उत्कर्ष कुमार, हरिनारायण सिंह और सुनीता देवी भी इस संघर्ष में गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सभी घायलों को बेगूसराय सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है।

पीड़ित बिंदेश्वरी महतो का कहना है कि आरोपियों ने उनकी जमीन पर कब्जा करने के लिए पहले से साजिश रची थी और जमीन को लेकर लंबे समय से दबाव बना रहे थे।

आरोपियों ने चोरी-छिपे जमीन का हिस्सा हरी नारायण सिंह के नाम से अपनी बहुओं के नाम पर रजिस्ट्री करा लिया था। इसी विवाद के चलते जब बिंदेश्वरी महतो अपने खेत में घास काटने गए, तो उन पर हमला कर दिया गया।

वहीं, दूसरे पक्ष के धीरज कुमार ने आरोप लगाया कि उनकी जमीन पर बिंदेश्वरी महतो जबरन घास काटने लगे थे। जब इसका विरोध किया गया, तो बिंदेश्वरी महतो और उनके परिवार ने लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से उन पर हमला किया। धीरज कुमार ने यह भी दावा किया कि बिंदेश्वरी महतो ने पिस्तौल निकालकर जान से मारने की धमकी भी दी।

इस मामले में दोनों पक्षों ने भगवानपुर थाने में आवेदन दिया है। भगवानपुर थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं और घटनास्थल का निरीक्षण किया गया है। घटना के बाद गांव में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है, लेकिन पुलिस हालात पर कड़ी नजर रख रही है।

घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दोनों पक्षों को एक-दूसरे पर लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से हमला करते हुए देखा जा सकता है। पुलिस इस वीडियो की भी जांच कर रही है, ताकि घटना के पीछे की सही वजहों का पता चल सके। फिलहाल, दोनों पक्षों के घायलों का इलाज चल रहा है और पुलिस पूरे मामले की तहकीकात कर रही है।

बाजार गई नाबालिग का किया अपहरण

पांच लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज, छापामारी कर रही पुलिस

दरभंगा (एजेंसियां)। दरभंगा के कमतौल थाना क्षेत्र में एक नाबालिग बच्ची के अपहरण का मामला सामने आया है, जिसमें पांच लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। बच्ची की मां द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, 26 सितंबर को उनकी बेटी बाजार के लिए घर से निकली थी और तब से वापस नहीं लौटी। इसके बाद खोजबीन करने पर पता चला कि गांव के सूरज यादव, शिवलाल यादव सहित अन्य लोग उसकी बेटी को जबरन एक चार पहिया वाहन में बैठाकर ले गए हैं।

बच्ची की मां ने कमतौल थाना में दर्ज शिकायत में आरोप लगाया कि जब वह सूरज यादव के घर अपनी बेटी के बारे में पूछने गई, तो सूरज के परिवार ने न केवल उन्हें जवाब देने से इनकार किया, बल्कि उनके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद गांव में पंचायत बुलाई गई, जिसमें दो-तीन दिन में बच्ची के वापस आने का आश्वासन दिया गया। लेकिन जब बच्ची नहीं लौटी और फिर से शिकायत करने पर मां के साथ दोबारा मारपीट की गई। बच्ची की मां ने बताया कि आरोपी सूरज यादव पहले से शादीशुदा है और उसके दो बच्चे भी हैं। घटना वाली रात उनकी बेटी किसी काम से घर से बाहर निकली थी, लेकिन फिर लौटकर नहीं आई। आरोपियों ने चार पहिया गाड़ी का इस्तेमाल कर जबरन उसका अपहरण किया। जब अपहृत बच्ची की मां ने समाज के लोगों से मदद मांगी, तब भी उन्हें कोई ठोस सहायता नहीं मिली।

कमतौल थानाध्यक्ष ने बताया कि पीड़िता की दिव्यांग मां के आवेदन के आधार पर पांच लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। बच्ची की तलाश में लगातार छापामारी की जा रही है और जल्द से जल्द बच्ची को बरामद करने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि बच्ची के मिलने के बाद आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मजदूरी मांगने पर महादलित मजदूर को पीटा

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर जिले के बोचहां थानाक्षेत्र में एक महादलित मजदूर को अपनी मजदूरी मांगने पर दबंगों द्वारा बेरहमी से पीटने का मामला सामने आया है। घटना का एक वीडियो भी वायरल हो गया है, जिसमें देखा जा सकता है कि मजदूर को लाठी-डंडों से पीटा जा रहा है और उसे जातिसूचक गालियां दी जा रही हैं। पीड़ित मजदूर रिंकू माझी ने आरोप लगाया कि पिटाई के दौरान उसके ऊपर पेशाब भी की गई और उसे जान से मारने की धमकी दी गई। यह घटना थानाक्षेत्र के कर्णपुर गांव की है, जहां एक मुर्गीफार्म संचालक रमेश पटेल ने मजदूरी मांगने पर मजदूर के साथ अमानवीय व्यवहार किया।

चौपार मदन गांव निवासी पीड़ित रिंकू माझी ने बताया कि उसने कर्णपुर उत्तरी के रमेश पटेल के मुर्गीफार्म पर दो दिन काम किया था। जब वह अपनी मजदूरी का बकाया मांगने गया, तो रमेश पटेल ने उसे गाली देते हुए जातिसूचक अपशब्द कहे। फिफ्र उसे लाठी-डंडों से पीटने लगे। रिंकू का कहना है कि पिटाई के बाद आरोपी ने उसके ऊपर पेशाब की और धमकी दी कि अगर वह पुलिस के पास शिकायत करेगा, तो उसे फिर से पीटा जाएगा। आरोपी ने यह भी कहा कि सुबह-सुबह तकादा कर जतरा खराब कर दिया।

जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष ने चुनाव के रुझानों पर उठाया सवाल

कांग्रेस नेता को बता दिया अर्बन नक्सल

पटना (एजेंसियां)। दरभंगा में जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा ने हरियाणा चुनाव की जीत को एनडीए कार्यकर्ताओं के मनोबल को काफी बढ़ाएगा। उन्होंने कॉंग्रेस द्वारा ईवीएम और एक्जिट कोल पर सवाल उठाते हुए कहा इनकी विश्वनीयता पर अब सवाल उठने लगा है। वहीं कांग्रेस नेता जयराम रमेश को अर्बन नक्सल की संज्ञा देते हुए कहा कि यह संविधान और लोकतंत्र के विरोधी है। हरियाणा में जिस तरह माहौल बनाया गया था परिणाम उसके ठीक विपरीत आया।

उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि देश के हर राज्यो में उनका काम बोलता है। हरियाणा में तीसरी बार सरकार बनाना बड़ी बात है वहां के जनता ने प्रधानमंत्री पर तीसरी बार विश्वास जताया है।

सांसद संजय झा ने कहा कि हरियाणा चुनाव का परिणाम केवल यही तक सीमित नही रहेगा इसका असर बिहार, महाराष्ट्र और झाड़खंड में दिखेगा भाजपा वहां भी पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी।

उन्होंने जोड़ देकर कहा कि झाड़खंड में तो भाजपा पूर्ण बहुमत की जर्जर बनायेगी। यह एक्जिट पोल करने वालो पर सवाल उठने लगा है कि कुछ ऐसे पत्रकार लोग घूम घूम कर डेटा जुटाकर माहौल बनाते हैं, वैसे एक्जिट पोल करने वालों पर बड़ा प्रश्नचिन्ह लगा है।

जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि अब बात यह उठ रहा है कि भविष्य में ऐसे एक्जिट पोल दिखाया जाना चाहिए कि नही। इतना बड़ा झूठ ये लोग चलाते है कि जनता का मूड कुछ और रहता है और वे लोग चलाते और दिखाते कुछ और है। अब लोगों को देखना चाहिए कि इस तरह के लोग किसी एजेंडा पर तो काम नही कर रहे है। यह जीत प्रधानमंत्री जी के प्रति लोगों के विश्वास की जीत है।

मेला देख लौट रहे तीन युवकों पर चाकू से हमला, एक की मौत, दो गंभीर

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर जिले के कटरा थानाक्षेत्र में मेला देखकर लौट रहे तीन युवकों पर बदमाशों ने चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक की पहचान देवगन कटरा थानाक्षेत्र निवासी नीतीश कुमार के रूप में हुई है, जबकि घायल युवकों का नाम धीरज और कुणाल है। गंभीर घायल दोनों युवकों को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा गया है, जहां एक की हालत नाजुक बनी हुई है। घायल युवक कुणाल कुमार ने बताया कि वे तीनों मेला देखकर देर रात घर लौट रहे थे। तभी रास्ते में मंदिर के पास तीन-चार लड़के पहले से घात लगाकर खड़े थे। अचानक उन लड़कों ने उन्हें रोका और चाकुओं से हमला शुरू कर दिया। हमले में नीतीश की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बीच-बचाव करने के प्रयास में धीरज और कुणाल भी गंभीर रूप से घायल हो गए। कुणाल का कहना है कि हमलावर अपराधी प्रवृत्ति के थे और पहले से हत्या की योजना बना रहे थे।

कटरा थाना के प्रभारी कुमार अभिषेक ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि चाकू के हमले से एक युवक की मौत हो गई है और दो अन्य घायल हैं। पुलिस ने घटनास्थल की जांच शुरू कर दी है और फॉरेंसिक टीम की मदद ली जा रही है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि यह हमला आपसी विवाद के कारण हुआ था। मृतक और आरोपी एक ही गांव के रहने वाले हैं और लगभग एक ही उम्र के हैं।

पुलिस ने मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेज दिया है और घायलों का बयान दर्ज किया जा रहा है। इस बीच, कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की पहचान हो चुकी है, लेकिन वे अभी फरार हैं। पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

वहीं, इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है। स्थानीय लोग इस हिंसक हमले से स्तब्ध हैं। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच तेज कर दी है, ताकि आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जा सके।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com